नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, शुक्रवार 28 नवम्बर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 191 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिल राज्य सरकार के प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित 'राज्यस्तरीय समारोह' में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया।

सीएम हेमंत सोरेन आज नौ हजार लोगों को देंगे नियुक्ति पत्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दूसरे कार्यकाल का एक वर्ष 28 नवंबर को पूरा हो रहा है। राज्य सरकार इस एक वर्ष के कार्यकाल को नियुक्ति वर्ष के रूप में मनाने जा रही है। साथ ही 11 नवंबर से शुरू हुए झारखंड के रजत जयंती समारोह का समापन भी 28 को हो जायेगा। इस मौके पर सीएम हेमंत सोरेन रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित समारोह में लगभग नौ हजार लोगों को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। हेमंत सोरेन ने वर्ष 2024 में भारी जीत के बाद 28 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। राजधानी के मोरहाबादी मैदान में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह की तैयारी चल रही है। अभ्यर्थियों की नियुक्ति राज्य सरकार के अलग-अलग विभागों में की जायेगी, जिसकी सूचना अभ्यर्थियों के बीच भेज दी गयी है। वहीं मोरहाबादी मैदान में बड़ा मंच बनाया गया है। साथ ही 10 हजार लोगों के बैठने के लिए कुर्सियां भी लगायी जा रही हैं। मोरहाबादी मैदान के चारों तरफ होर्डिंग्स लगाये गये हैं। अब तक नियुक्ति पत्र के लिए 8514 अभ्यर्थियों की सूची तैयार हो गयी है। राज्य में सबसे अधिक शिक्षकों की नियुक्ति होगी। राज्य के प्राथमिक व मध्य विद्यालय में कुल आठ हजार सहायक आचार्य की नियुक्ति होगी। कक्षा छह से आठ में गणित एवं विज्ञान, सामाजिक विज्ञान व भाषा विषय में सफल अभ्यर्थी शामिल हैं। पलामू जिला में सबसे अधिक 779 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र मिलेगा। जिले में कक्षा एक से पांच के 396, भाषा के 81, गणित एवं विज्ञान के 37 व सामाजिक विज्ञान विषय के 265 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिलेगा।

वर्ष 2050 तक खुशहाल झारखण्ड बनाना अबुआ सरकार का संकल्प : हेमंत सोरेन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। वर्ष 2050 तक खुशहाल झारखण्ड बनाना अबुआ सरकार का संकल्प है। साथ ही युवाओं के लिए भी अलग-अलग तरीके से उन्हें आगे बढ़ाने के लिए हम कार्ययोजना बना कर काम कर रहे हैं। कल अबुआ सरकार का भी 1 साल पूरा होने वाला है और आज शुक्रवार को लगभग 10 हजार नौजवानों को हम नौकरी देने जा रहे हैं। नौकरी भी मिलेगी, स्वरोजगार भी होगा। उक्त बातें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक्स पर पोस्ट कर कही। उन्होंने लिखा कि हमने पहले भी कहा है हमारी सरकार रांची से नहीं, गांव से चलने वाली सरकार है। अभी सरकार आपके द्वार का कार्यक्रम चल रहा है। ऐसे काम जिसमें पदाधिकारियों को सीमित दिनों में

आपको हक-अधिकार और योजनाओं से जोड़ने का काम करना है उसे वह समय सीमा के अंदर पूरा करें। पदाधिकारियों को समय के अंदर काम करना भी होगा। इसलिए इस बार हमने सेवा का अधिकार सप्ताह नाम से कार्यक्रम का आयोजन किया है। आने वाले वर्षों में सरकार की आंख, नाक और कान यहां के हर एक घरों में होंगे। श्री सोरेन ने कहा कि यहां के लोग पदाधिकारियों को नहीं जान पाते हैं। दलालों के जरिए ही काम कराने को कभी-कभी विवश होते हैं। दलालों का दरवाजा बंद करने का काम होगा। इसमें आपका भी सहयोग हमें चाहिए। पूरी कार्यव्यवस्था पर कड़ी नजर रहेगी। जो गलत काम करेगा, सजा का भागीदार होगा। सभी पदाधिकारी को समय सीमा के अंदर कार्य करना होगा। समय सीमा के अंदर पदाधिकारी कार्य नहीं करेंगे तो वे दंड के भागी बनेंगे। उन्हें दंडित किया जाएगा। कार्यशैली बदलनी पड़ेगी। उनको जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी से लेनी होगी और जिम्मेदारी जनता की सेवा है। इस राज्य को सोने की चिड़िया कहा जाता है लेकिन यह सोने की चिड़िया तभी बनेगा जब यहां के साढ़े तीन करोड़ लोगों के चेहरे पर मुस्कान होगी और इसमें सबसे बड़ी भूमिका हमारे विधायिका की है। यहां बैठने वाले विधायकों को लोग चुनकर भेजते हैं। विधायक कितने सकारात्मक भूमिका में लोगों के बीच में रहते हैं यह मायने रखता है। बता दें कि सरकार ने वादों को पूरा करने में असाधारण तेजी दिखाई है। मंइयां सम्मान योजना के तहत 52 लाख से ज्यादा महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये मिल रहे हैं। योजना इतनी लोकप्रिय हुई कि छत्तीसगढ़, ओडिशा जैसे पड़ोसी राज्यों समेत अन्य प्रांतों ने भी इसी तर्ज पर योजनाएं शुरू कीं।

संक्षिप्त समाचार

अनक्लेम्ड डिपॉजिट निस्तारण के लिए आज लगेगा शिविर

खूंटी(नबिटा ब्यूरो)। वित्तीय सेवा विभाग भारत सरकार के निर्देशानुसार खूंटी जिले में बैंकों में अनक्लेम्ड डिपॉजिट से संबंधित जागरूकता एवं निस्तारण के उद्देश्य से एक जिला स्तरीय विशेष शिविर शुक्रवार को नगर पंचायत कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में भारतीय रिजर्व बैंक के उपमहाप्रबंधक विनोद बिहारी मिश्रा, विमला भगत एवं उप सहायक प्रबंधक अरविंद एक्का समेत रांची, खूंटी जिला के सभी बैंक समन्वयक तथा एलआईसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

दसवीं के छात्र ने की खुदकुशी

गुमला (नबिटा ब्यूरो)। जिले के घाघरा थाना क्षेत्र में एक 10वीं कक्षा के छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 16 वर्षीय राजकुमार उरांव का शव बुधवार को उसके घर में मफलर के सहारे लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। राजकुमार उरांव कोहिपाट डिपाटोली गांव का निवासी था। वह गढ़ा पाट के आवासीय स्कूल में 10वीं कक्षा का छात्र था और मैट्रिक की तैयारी कर रहा था।

सड़क हादसे में एक की मौत

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। बेंगाबाद थाना क्षेत्र के टोल प्लाजा के करीब नवाषार के पास गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। बताया जाता है कि एक ही परिवार के आठ लोग देवघर जिले के बुढ़ाई मेले में मुंडन संस्कार कराने जा रहे थे तभी ऑटो सड़क किनारे पलट गया। अचानक हुई इस दुर्घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोग तुरंत दौड़े और बचाव कार्य में जुट गए। घायलों को गिरिडीह सदर अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान एक व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान बेंगाबाद प्रखंड के महुआर निवासी रामचंद्र पासी के रूप में हुई है।

ट्रेन से कटकर आरपीएफ जवान की मौत

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। हटिया-इस्लामपुर एक्सप्रेस में एस्कॉर्ट ड्यूटी पर जा रहे आरपीएफ के हेड कॉन्स्टेबल की गोमो स्टेशन पर गंगा सतलज एक्सप्रेस से कटकर मौत हो गई। 40 वर्षीय हेड कॉन्स्टेबल का नाम श्रीपति बास्की है। वह गोमो आफ पोस्ट में कार्यरत थे। घटना को लेकर गोमो स्टेशन पर अफरातफरी मच गई। गंगा सतलज एक्सप्रेस को काफी देर तक रोका गया। बाद में ट्रैक से शव उठाने के बाद ट्रेन रवाना हुई। घटना को लेकर बताया गया कि आरपीएफ के हेड कॉन्स्टेबल की हटिया इस्लामपुर एक्सप्रेस में एस्कॉर्ट ड्यूटी थी। उन्हें ट्रेन लेकर गोमो से गया तक जाना था।

जेल के भोजन में अनियमितता पर जेलर जिम्मेदार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। हाई कोर्ट के जस्टिस एसएन प्रसाद और जस्टिस एके राय की खंडपीठ में राज्य की जेलों में भोजन की गुणवत्ता और कैदियों की सुविधाओं को लेकर गुरुवार को कई निर्देश जारी किए। अदालत ने जेलों में कैदियों की समिति द्वारा कैंटीन संचालन की अनुमति प्रदान की है। लेकिन स्पष्ट चेतावनी दी कि निरीक्षण में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर जिम्मेदारी जेलर की होगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसी स्थिति में जेलर पर विभागीय कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया जाएगा। अदालत ने आकाश कुमार राय के मामले में सुनवाई के दौरान उक्त निर्देश दिया है। अदालत ने बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में भोजन की वास्तविक स्थिति जानने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) रांची के चेयरमैन और सचिव को किसी अवकाश के दिन आकस्मिक निरीक्षण करने का निर्देश दिया। राज्य

की सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों को भी जिला जेलों की इसी प्रकार नियमित जांच करने और दो सप्ताह के भीतर रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया गया। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) और डालसा की ओर से यह निरीक्षण लगातार किया जाना चाहिए। मामले में अगली सुनवाई 11 दिसंबर को होगी। सुनवाई के दौरान बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा के जेल अधीक्षक सुदर्शन मुर्मू और जेलर लवकुश कुमार अदालत में उपस्थित हुए। अदालत के समक्ष कैदियों की समिति द्वारा संचालित की जाने वाली कैंटीन से संबंधित चयन रजिस्टर भी प्रस्तुत किया गया। जेलर ने बताया कि अब कैदियों को भोजन पूरी तरह जेल मैनुअल के अनुसार उपलब्ध कराया जा रहा है। गृह सचिव और कारा महानिरीक्षक की ओर से भी सभी जिलों से खाद्य गुणवत्ता पर रिपोर्ट लेकर शपथपत्र दायर किया गया। सरकारी अधिवक्ता पंकज कुमार ने कोर्ट को अवगत कराया कि भोजन की गुणवत्ता में सुधार किया गया है। सुनवाई के दौरान जेलर ने बताया कि उन्होंने बीते 11 नवंबर को कार्यभार संभाला है। उनके पूर्व के जेलर देवनाथ राम निलंबित हैं और उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही पर विचार चल रहा है। हाई कोर्ट ने अगली तिथि पर विभागीय कार्यवाही की वर्तमान स्थिति और इससे जुड़ी जानकारी प्रस्तुत करने को कहा।

हाईस्कूल शिक्षकों की नियुक्ति मामले में हाईकोर्ट ने सिंगल बेंच के फैसले को सही ठहराया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने हाई स्कूल शिक्षक नियुक्ति परीक्षा 2016 की मेरिट लिस्ट को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए बीते 1 सितंबर को सिंगल बेंच के द्वारा मीना कुमारी एवं अन्य के केस में दिए गए आदेश के साथ इसे भी प्रभावी माना है। न्यायालय के द्वारा दिए गए फैसले की जानकारी देते हुए शेखर कुमार गुप्ता ने बताया कि इस संबंध में बीते दिनों सिंगल बेंच ने मीना कुमारी एवं अन्य के केस में जो फैसला सुनाया था उसी में समाहित करने का आदेश जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने दिया है। इस मामले में आज करीब 250 याचिका न्यायालय के समक्ष सूचीबद्ध थी, जिस पर फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने केस को निष्पादित कर दिया है। झारखंड हाईकोर्ट ने बीते एक सितंबर को मीना कुमारी एवं अन्य के केस में एक अहम फैसला सुनाते हुए हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति परीक्षा 2016 के लिए निकाले गए विज्ञापन में 2034 पद को रिट पिटिशनर के द्वारा भरने का आदेश दिया था। इस आदेश का आधार सुप्रीम कोर्ट के 2 अगस्त 2022 के जजमेंट को मानते हुए कोर्ट ने 2034 रिक्त पदों को भरने के लिए छह महीने की समय सीमा निर्धारित करते हुए आदेश दिया है।

चलती स्कूल बस में ड्राइवर बेहोश, अनियंत्रित हुई गाड़ी ने कई वाहनों को मारी टक्कर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। शहर के रातू रोड इलाके में गुरुवार को बड़ा हादसा टल गया। स्कूल बस चलाते समय बस का ड्राइवर अचानक बेहोश हो गया, जिसकी वजह से बस अनियंत्रित हो गई और एक पोल से जा टकराई। इस हादसे में कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए, गनीमत रही कि स्कूली बच्चों और सड़क पर चल रहे लोगों को कोई नुकसान नहीं हुआ। रांची के रातू रोड इलाके में एक स्कूली बस की चपेट में आने से कई दुपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। मौके पर मौजूद कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि अचानक एक तरफ तेजी के साथ मुड़ने लगा इससे पहले की लोग कुछ समझ पाए कई दो पहिया वाहन बस की चपेट में आ गए। गनीमत रही की बस एक पोल के पास जाकर टकरा गई जिसकी वजह से वह रुक गई। जिस समय हादसा हुआ बस में कई स्कूली बच्चे सवार थे। बताया जा रहा है कि स्कूल बस का ड्राइवर बस चलाते वक्त ही अचानक बेहोश हो गया था, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ। बेहोशी की हालात में ही ड्राइवर को स्थानीय लोगों के द्वारा बस से उतार कर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। इस मामले की जानकारी मिलते ही सुखदेव नगर थाना के टीम और ट्रैफिक के जवान मौके पर पहुंचे और मामले को संभाला। स्कूली बच्चों के परिजनों को जब बस के बारे में जानकारी मिली तब वे भागे भागे मौके पर पहुचे और बच्चों को अपने साथ ले गए। सुखदेव नगर थाना प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कि बस का चालक अचानक बेहोश हो गया था, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ है, इस हादसे में कई वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। सुखदेव नगर थाना प्रभारी ने बताया कि इस हादसे में बच्चों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को यह बताया है कि जिस समय बस पोल से टकराकर रुका उस दौरान ड्राइवर स्टेरिंग पर ही बेहोश पड़ा हुआ था। स्थानीय लोगों के दौरान उसे बस से बाहर निकाला। पुलिस ड्राइवर का मेडिकल टेस्ट करवा रही है उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रामपुरहाट–जसीडीह पैसेंजर ट्रेन की दो बोगी बेपटरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दुमका। रामपुरहाट से दुमका और देवघर के रास्ते जसीडीह स्टेशन जाने वाली रामपुरहाट-जसीडीह पैसेंजर ट्रेन दुमका स्टेशन के पास बेपटरी हो गई है। यह संयोग रहा कि इस हादसे में यात्रियों की कोई ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। दो-तीन यात्रियों को मामूली चोटें आईं, जिन्हें इलाज के लिये अस्पताल भेजा गया। मौके पर रेलवे के अधिकारी, आरपीएफ और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी और पुलिस बल पहुंच गए हैं। दुमका रेलवे स्टेशन के पास एक बड़ा ट्रेन हादसा टल गया है। पैसेंजर ट्रेन संख्या 63081 जो रामपुरहाट से जसीडीह तक जसीडीह तक जाती है, दुमका रेलवे स्टेशन के पास दो बोगी बेपटरी हो गई। बेपटरी होने के बाद बोगी ने पास के इलेक्ट्रिक पोल को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। ट्रेन की गति कम होने के कारण यात्रियों को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। सिर्फ दो तीन लोगों

को मामूली चोट आई। स्टेशन प्रबंधक टी पी यादव ने बताया कि रेलवे के वरीय अधिकारियों को सूचना दे दी गई है। क्रेन वगैरह आने के बाद ही ट्रेन को पटरी पर किया जा सकेगा। फिलहाल स्थानीय स्तर पर रेलकर्मी पटरी और पोल की मरम्मती में लगे हुए हैं। दो पटरी पर आवागमन बाधित है। दुमका एसडीएम कौशल कुमार ने भी मौके पर पहुंच कर दुर्घटना का जायजा लिया। मौके पर पहुंचे दुमका एसडीएम कौशल कुमार ने बताया कि ट्रेन के बेपटरी होने की सूचना मिली, हम यहां अपनी पहुंचे हैं। इसमें कुछ यात्रियों को चोट आई थी, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

झारखंड में मैट्रिक व इंटर की परीक्षा तीन फरवरी से

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने 2026 की बोर्ड परीक्षाओं का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया है। जारी की गई जैक 10वीं और 12वीं डेटशीट 2026 में लिखित परीक्षा और प्रैक्टिकल दोनों परीक्षाओं की समय-सीमा शामिल है। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार झारखंड बोर्ड 10वीं की परीक्षाएं 3 फरवरी 2026 से शुरू होंगी और इन्हें दो अलग-अलग चरणों में आयोजित किया जाएगा। बोर्ड परीक्षाएं कक्षा 10 (मैट्रिक) के लिए 3 फरवरी से 17 फरवरी 2026 तक और कक्षा 12 (इंटरमीडिएट) के लिए 3 फरवरी से 23 फरवरी 2026 तक आयोजित की जाएंगी। मैट्रिक परीक्षाएं सुबह 9:45 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक पहली पाली में आयोजित होंगी जबकि इंटरमीडिएट परीक्षाएं दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक दूसरी पाली में होंगी। कक्षा 10 के छात्र 16 जनवरी 2026 से और कक्षा 12 के लिए 17 जनवरी 2026 से अपना प्रवेश पत्र समय पर डाउनलोड कर सकते हैं।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आजसू छात्र संघ ने किया भिक्षाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में लंबित छात्रवृत्ति की मांग को लेकर आजसू छात्र संघ ने बापू वाटिका, मोरहाबादी से राजभवन तक 'शिक्षा के लिए भिक्षा जनाक्रोश मार्च' निकाला। इस दौरान छात्रों ने सड़क पर कटोरा लेकर भिक्षाटन कर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने की कोशिश की । संघ की ओर से राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को मुख्य मांगों से जुड़ा ज्ञापन सौंपा गया है। राज्यपाल से आग्रह किया गया है कि वे राज्य सरकार को निर्देश दें कि सत्र 2024-25 की पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान शीघ्र शुरू कराया जाए। क्योंकि छात्रवृत्ति में हो रही देरी से झारखंड के लाखों विद्यार्थी आर्थिक संकट और शैक्षणिक असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। दावा है कि सरकार के आंकड़ों के अनुसार लगभग 11.34 लाख विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति मिलनी थी, लेकिन अब तक लगभग 7.45 लाख छात्रों को ही आंशिक भुगतान हो

पाया है जबकि शेष लाखों छात्र अब भी प्रतीक्षा में हैं। संघ के मुताबिक 7,45,557 छात्रों को 1,202.89 करोड़ की राशि प्रदान की गई है, जो पिछले सत्रों का आंशिक भुगतान है। दावा है कि वर्तमान सत्र में 3.5 लाख से अधिक ओबीसी समेत अन्य छात्रों को अब तक एक भी किस्त नहीं मिली है। केंद्र सरकार ने अपने हिस्से का करीब 900 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया है। इसी आधार पर राज्य सरकार पूर्ण भुगतान करने में असमर्थता जता रही है। विशेष रूप से ओबीसी वर्ग के उन विद्यार्थियों की ओर ध्यान आकृष्ट कराया गया है जिन्हें पहली किस्त तक नहीं मिल पाई है। छात्रवृत्ति रोक दिए जाने से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के विद्यार्थी फीस जमा करने, किताबें खरीदने और हॉस्टल व अन्य खर्चों का प्रबंधन नहीं कर पा रहे हैं। इससे कई छात्रों की उच्च शिक्षा बीच में रुकने की आशंका पैदा हो गई है और वे पढ़ाई छोड़ने की कगार पर पहुंच रहे हैं। आजसू छात्र संघ का कहना है कि यह स्थिति केवल तकनीकी देरी नहीं, बल्कि सरकार और प्रशासन की उदासीनता को दर्शाती है। आजसू छात्र संघ ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा में लंबित छात्रवृत्ति का भुगतान शुरू नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इसके तहत 'शिक्षा के लिए भिक्षा' जैसे प्रतीकात्मक और जनआक्रोश मार्च कार्यक्रमों के माध्यम से पूरे राज्य में जनसमर्थन जुटाया जाएगा और सरकार पर दबाव बढ़ाया जाएगा। संगठन का कहना है कि जब तक सभी पात्र विद्यार्थियों को पूरी छात्रवृत्ति नहीं मिल जाती, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। वहीं आजसू छात्र संघ के कार्यकारी अध्यक्ष बबलू महतो ने नाराजगी जताते हुए कहा कि ह्लतीन चरण में यह आंदोलन चल रहा है।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।

2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।

3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

भोजपुर में ट्रक मैकेनिक की मौत:पोखर में डूबने से हुआ हादसा

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर में पोखर में डूबने से ट्रक मैकेनिक की मौत हो गई। मृतक की पहचान टाउन इलाके के रौजा मोहल्ला निवासी सुदामा कुमार गोड़(32) के तौर पर हुई है। घटना चांदी थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव की है। चचेरे भाई प्रदीप कुमार गोड़ ने बताया कि अखगांव बाजार में काम करता था। आठ-दस दिन पर एक बार घर आता था। चार दिन पहले ही वह घर आया था। इसके बाद वापस अखगांव चला गया था। इसी बीच जानकारी मिली कि पोखर में डूबने से उसकी मौत हो गई। हादसा कैसे हुआ, इसकी जानकारी नहीं है ।सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक छह भाई-बहन में तीसरे नंबर पर था। परिवार में पत्नी यशोदा देवी, चार बेटी पूजा, खुशी, जूही, निक्की और एक पुत्र सन्नी है। मौत की खबर सुनते ही घर में कोहराम मच गया। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

शादी के इरादे से भागे नाबालिग की पुलिस हिरासत में मौत, आत्महत्या या हत्या पर जांच शुरू

नवादा, एजेंसी। जिले के काशीचक थाना में एक नाबालिग लड़का के मौत पर स्वजन की हंगामा शुरू हो गया है। मौके पर पुलिस जिले के आला अफसर व चार-पांच थाने की पुलिस पंहुचकर मामले से निपटने की तैयारी में है। बताया जा रहा है कि बौरी गांव निवासी युवक सन्नी कुमार की थाना में पुलिस अभिरक्षा में मौत के बाद समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर स्वजन व ग्रामीण की भीड़ अधिक संख्या में जमा है। लोगों ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा रहें हैं कि थाना में होने के बाद भी दूसरे पक्ष के लोगों के द्वारा पीट -पीटकर कैसे मार डाला। हालांकि पुलिस ने इसे आत्महत्या बता रही है। मामला जो भी है, जिले के आला अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। हर बिंदु पर जांच की जा रही है। वहीं थाना परिषद में लगे सीसीटीवी कैमरे से मामले की उजागर हो सकती है। थाना कैंपस में पुलिस की अभिरक्षा में किसी की मौत होना पुलिस के लिए अच्छी खबर नहीं है। बताया जा रहा है कि दो नाबालिग किशोर एवं किशोरिया ने शादी की इरादे से दो दिन पहले घर से दोनों भागे थे। जिसकी जानकारी स्वजन द्वारा थाने में दी गई। जिस पर पुलिस ने दोनों को पकड़ कर थाना बुधवार की शाम को लाया। लेकिन थाना आने के बाद लड़का के मौत थाने में हो गई। फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है मौत कैसे हुई। पुलिस अधिकारियों के द्वारा मौत कैसे हुई इसकी जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

मोतीपुर अग्निकांड में दो मासूम समेत सात की मौत, एक्शन में पुलिस, फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार

मोतीपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिले के मोतीपुर में 15 नवंबर को हुए भीषण अग्निकांड के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। इस आग लगने की घटना में दो मासूम बच्चों समेत कुल पांच लोगों की मौके पर मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य की इलाज के दौरान पटना में मौत हुई। इस मामले का मुआयना एसएसपी सुशील कुमार और ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर कर रहे हैं। पुलिस आग लगने के कारणों की हर बिंदु पर जांच कर रही है। मृतकों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दम घुटने से मौत की पुष्टि हुई है। फिलहाल पुलिस फोरेंसिक जांच की रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। जानकारी के अनुसार, घटना 15 नवंबर को गेना लाल साह के घर की तीसरी मंजिल पर बने कमरे में हुई। कमरे में आग लगने से सो रहे ललन कुमार गुप्ता, उनकी मां सुशीला देवी, पत्नी पूजा कुमारी, बेटी सृष्टि कुमारी और गोली कुमारी झुलस कर मौत के घाट उतरे। वहीं, ललन कुमार गुप्ता के छोटे भाई मुकेश कुमार, बहन माला देवी, साक्षी कुमारी, मामा लालाबाबू प्रसाद और मामी पुष्पा देवी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उनकी हालत बिगड़ने पर माला देवी और साक्षी कुमारी को पटना रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद पूरे परिवार में मातम का माहौल है। एसएसपी सुशील कुमार ने बताया कि घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया है। प्रारंभिक दृश्य जांच में यह संभावना जताई गई कि आग बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी हो सकती है। पुलिस इस मामले की वैज्ञानिक और फोरेंसिक दृष्टि से हर पहलू की जांच कर रही है। एफएसएल फोरेंसिक रिपोर्ट के आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल पाएगा। इसके लिए घटना से जुड़े आईओ सहित अन्य पुलिस अधिकारियों को विशेष जांच के निर्देश दिए गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की टीम सभी बिंदुओं पर सघन जांच कर रही है और घटना के सभी पहलुओं को उजागर करने में जुटी हुई है।

पटना में चला अतिक्रमण-उन्मूलन अभियान

डीएम के निर्देश पर 52,300 जुर्माना वसूला गया

पटना, एजेंसी। जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम के निर्देश पर पटना के सभी अंचलों में बुधवार को अतिक्रमण-उन्मूलन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अतिक्रमण करने वालों पर जुर्माना लगाया गया।

साथ ही सामान जब्त कर दोबारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया गया। अतिक्रमण रोकना संबंधित थानाध्यक्षों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है और अभियान के दौरान उनकी उपस्थिति अनिवार्य होगी।नूतन राजधानी अंचल में जीपीओ गोलम्बर, स्टेशन गोलंबर और चिड़ियाटाड़ पुल के नीचे अतिक्रमण हटाया गया, जहां से सात ठेले जब्त किए गए और 18 हजार पांच सौ जुर्माना वसूला गया।

पाटलिपुत्र अंचल में राजीव नगर पुल के नीचे से दीघा सब्जी मंडी तक स्थायी एवं अस्थायी अतिक्रमण हटाया गया। इस दौरान पांच-छह स्थायी अतिक्रमण में एक चौकी जब्त की गई और 10 हजार पांच सौ रुपये का दंड वसूला गया। अजीमाबाद अंचल में गायघाट डंका इमली से महावीर घाट तक कार्रवाई की गई। यहां छह ठेले जब्त किए गए, छह अवैध बैनर-होर्डिंग हटाए गए और 13 हजार जुर्माना वसूला गया।

नगर परिषद फुलवारीशरीफ क्षेत्र में थाना गोलंबर से नौहसा मोड़ तक दोनों ओर फैले अतिक्रमण को हटाया गया। यहां नाला अतिक्रमण के साथ 20 बैनर-पोस्टर, ठेले, बांस और मलबा हटाकर जब्त किया गया।

52 हजार तीन सौ का राजस्व : इस अभियान में नौ हजार पांच सौ जुर्माना वसूला गया। चारों अंचलों में कुल 52 हजार तीन सौ का राजस्व दंडस्वरूप वसूल किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि सार्वजनिक स्थल और मुख्य सड़कों को अतिक्रमण-मुक्त रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने नेहरू पथ, जेपी गंगापथ, हवाईअड्डा रोड, अशोक राजपथ तथा दीघा-आशियाना रोड जैसे प्रमुख मार्गों पर विशेष निगरानी का निर्देश दिया। डीएम ने चेतावनी दी कि अतिक्रमण हटाने में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

औरंगाबाद में सड़क हादसे में युवक की मौत

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद में मंगलवार तेज रफ्तार वाहन ने युवक को टक्कर मार दी। मौके पर ही दम तोड़ दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सिर धड़ से अलग गया। हादसे की बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। घटना एनएच-19 पर कामा बिगहा के पास की है। स्थानीय लोगों की सूचना पर नगर थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल भेज दिया। देर रात होने के कारण पोस्टमार्टम नहीं किया जा सका है। आज(बुधवार) सुबह पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की गई। थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव को 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाएगा, ताकि पहचान की जा सके। अगर परिजन सामने आते हैं, तो शव उन्हें सौंप दिया जाएगा। पहचान न होने की हालत में सरकारी प्रावधान के अनुसार पुलिस अंतिम संस्कार कराएगी। युवक कौन था, कहां से आ रहा था और कहां जा रहा था, इसकी जानकारी अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के इलाकों में पूछताछ कर रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि टक्कर मारने वाले वाहन और मृतक की पहचान हो सके।

पेंशन और सेवांत लाभ में देरी पर बिहार सरकार सख्त, 3 महीने से अधिक मामला लंबित रहने पर होगी कार्रवाई

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार ने पेंशन और सेवांत लाभ के मामलों में देरी को लेकर सख्ती दिखाई है। विभागों को निर्देश दिया गया है कि वे इन मामलों की नियमित समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि कर्मचारियों को समय पर लाभ मिले। सरकार ने चेतावनी दी है कि यदि कोई कर्मचारी तीन महीने से अधिक समय तक किसी मामले को लंबित रखता है, तो उस पर कार्रवाई की जाएगी।

बिहार सरकार में पेंशन और सेवांत लाभ से जुड़े मामलों को लेकर सरकार अति सख्त हो गई है। तमाम विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि पेंशन और सेवांत लाभ के मामलों को लेकर विभाग के अधिकारी-कर्मचारी सतर्कता बरते।

ऐसे मामलों की नियमित समीक्षा होनी चाहिए। ताकि पेंशन और सेवा समाप्त होने पर मिलने वाले लाभ कर्मी, पदाधिकारी को समय पर मिल सकें।

समय पर पेंशन का लाभ नहीं : राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में प्रत्येक माह कई अधिकारी-कर्मचारी सेवानिवृत्त होते हैं। परंतु ऐसे लोगों को समय पर पेंशन या सेवांत लाभ नहीं मिलता। नतीजा उन्हें काफी परेशानी होती है।

कई बार तो पीड़ित न्याय के लिए कोर्ट तक की शरण में चले जाते हैं। ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए अब सरकार ने सख्ती बरतते हुए नए सिरे से निर्देश जारी किए हैं।

मामले को लंबित नहीं रखने का आदेश : विभाग को स्पष्ट किया गया है कि मुख्यालय के साथ क्षेत्रीय कार्यालयों के स्तर पर लंबित पेंशन एवं सेवांत लाभ के मामलों की स्थिति की नियमित रूप से गंभीरतापूर्वक जांच कर आवश्यकता अनुसार संबंधित कार्यालयों से समन्वय कर मामले का निष्पादन करें। मामले किसी भी हाल में लंबित न रखें।

यदि कोई पदाधिकारी कर्मचारी पेंशन या सेवांत लाभ के मामले तीन महीने से अधिक लंबित रखते हैं तो दोषी पदाधिकारी, कर्मचारी पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कोताही की कोई गुंजाइश नहीं : विभाग ने जारी आदेश में स्पष्ट किया है कि ज्यादा समय तक पेंशन या सेवांत लाभ के मामले लंबित रखने की स्थिति में व्यक्ति कोर्ट चला जाता है। जिससे सरकार की छवि प्रभावित होती है और निरर्थक दबाव भी बढ़ता है।

नहर में थार गिरने से शिक्षक की मौत, 4 घायल

रक्सौल, एजेंसी। रक्सौल घोड़ासहन नहर कैनाल रोड पर बुधवार रात तेज रफ्तार थार बेकाबू होकर नहर में गिर गई। त्रिलोकीनाथ मंदिर के समीप हुए इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना के समय थार में लगभग पांच यात्री सवार थे। कार इतनी तेज रफ्तार में थी कि चालक नियंत्रण खो बैठा और वाहन सड़क किनारे लगी रेलिंग तोड़ते हुए सीधे नहर में जा गिरा।

हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे और फंसे हुए यात्रियों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। नहर की गहराई और गाड़ी के क्षतिग्रस्त होने के बावजूद ग्रामीणों ने एक-एक कर सभी को बाहर निकाला। सूचना मिलते ही रक्सौल पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम घटनास्थल पर पहुंची और बचाव कार्य में जुट गई। पुलिसकर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए एसआरपी अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टर ने रामगढ़वा के शिक्षक रैयाज आलम उर्फ लड्डू को मृत घोषित कर दिया। वहीं अन्य चार घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।घायलों की पहचान रामगढ़वा निवासी राजकुमार गुप्ता, कुणाल गुप्ता, दिलीप कुमार (चालक) और अभिषेक कुमार के रूप में हुई है। दरअसल, रैयाज आलम अपने अन्य चार दोस्तों के साथ थार से एक शादी में शामिल होने गए हुए थे।

सोनपुर मेला में व्यवस्था को लेकर भड़के मंत्री संजय सिंह, अधिकारियों को लगाई फटकार, दिया ये निर्देश

वैशाली, एजेंसी। एशिया का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक सोनपुर मेला इन दिनों सुर्खियों में है। बिहार में नई सरकार बनने के बाद विभागीय मंत्री अपने-अपने स्टॉलों का उद्घाटन करने के लिए मेले का दौरा कर रहे हैं। इसी क्रम में पीएचईडी विभाग के मंत्री संजय कुमार सिंह भी अपने विभाग के स्टॉल का उद्घाटन करने सोनपुर मेला पहुंचे।

दौरे के दौरान स्थानीय लोगों ने मंत्री के सामने गंभीर शिकायतें रखीं, मेला परिसर में पेयजल और शौचालय की व्यवस्था नहीं होने की बात बताई गई। शिकायत सुनते ही मंत्री संजय सिंह काफी नाराज़ हो गए और मौके पर मौजूद अधिकारियों को बुलाकर जमकर फटकार लगाई।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि 24 घंटे के भीतर मेला परिसर में महिलाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था हर हाल में की जाए। उन्होंने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि विभाग के किसी भी स्टॉल पर महिलाओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए।

इस तरह की लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री संजय सिंह ने अधिकारियों से स्पष्ट कहा, 'कैसे होगा, यह आपकी जिम्मेदारी है। हमें सिर्फ व्यवस्था चाहिए। हम 24 घंटे का समय दे रहे हैं, लेकिन अगर 20 से 22 घंटे में काम पूरा कर देंगे तो हमें खुशी होगी और लगेगा कि आप काम के लोग हैं। '

इसके बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री ने बताया कि वे एक दिन पहले ही पदभार ग्रहण किए हैं, और उन्हें इस अव्यवस्था की जानकारी नहीं थी। जैसे ही जानकारी प्राप्त हुई, उन्होंने तुरंत अधिकारी बुलाकर निर्देश जारी किए हैं। मंत्री ने आश्वासन दिया कि पीएचईडी विभाग की ओर से मेला परिसर में शौचालय, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं को अगले 24 घंटों के भीतर दुरुस्त कर दिया जाएगा, ताकि मेले में आने वाले लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो।

बुलडॉग के हमले में बच्ची की मौत-सिर की चमड़ी नोंची

5 मिनट तक खेत में घसीटता रहा; भारत में बैन बुलडॉग सोनपुर मेले से खरीदा था

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में अमेरिकन बुलडॉग ने एक बच्ची को दबोचकर लहूलुहान कर कर दिया। स्वस्थ्य॥ में इलाज के दौरान बुधवार को शिवानी (3) की मौत हो गई। बच्ची के पिता कमलेश सहनी ने बताया कि मंगलवार को उसकी बेटी भाई-बहन के साथ गांव में देवी स्थान पर पूजा देखने जा रही थी। थोड़ी दूर पर दबंग परिवार का सदस्य कुत्ते को जंजीर में बांधे टहला रहा था।

इसी दौरान युवक के हाथ से जंजीर छूट गई और कुत्ते ने बच्चों पर हमला कर दिया। दो बच्चे किसी तरह वहां से भाग गए, लेकिन कुत्ते ने शिवानी को जबड़े से पकड़ लिया।

पिता बोले- सिर की चमड़ी के साथ बाल भी खींच लिए : पिता के मुताबिक कुत्ते ने सिर पकड़कर उसकी चमड़ी समेत बाल खींच लिए। वह बेहोश होकर गिर गई। हम लोग तुरंत बच्ची को सीएचसी में ले गए, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद एसकेएमसीएच रेफर कर दिया था। दबंग परिवार ने 15 दिन पहले ही सोनपुर मेले से एक जोड़ी बुलडॉग कुत्ते खरीदकर लाया है। घटना पारू थाना क्षेत्र के मोहजम्मा गांव की है।

डॉक्टर बोले-सिर में गहरे जख्म थे : एसकेएमसीएच के इमरजेंसी वार्ड में डॉ. विजय भारद्वाज के यूनिट में घायल बच्ची को इलाज के लिए लाया गया था। बच्ची को हेड इंजरी बहुत गहरा था और हॉस्पिटल पहुंचने में देर हुई थी। इस वजह से उसकी मौत हो गई।

पारू थाने के थानेदार चंदन कुमार ने बताया कि, परिजन से बात हुई है। काम क्रिया जो प्राथमिक तौर पर मृत्यु होने के बाद होता है वह कर रहे हैं। थाने में लिखित शिकायत देने को कहा गया है। कांड दर्ज करना है या नहीं करना है। इसके लिए परिजनों को लिखित देना होगा। अगर नहीं आते हैं तो उस हालत में चौकीदार के बयान पर पुलिस केस दर्ज करेगी ।

अमेरिकन बुल डॉग भारत में बैन : इंडिया में अमेरिकन बुलडॉग की खरीद बिक्री पर पूरी तरीके से रोक है। केंद्र सरकार ने इसे खतरनाक कुत्तों के नस्ल की लिस्ट में शामिल किया है। इसके खरीद बिक्री के साथ आयात-निर्यात और ब्रीडिंग पर भी बैन लगाया गया है। जिनके पास पहले से इस नस्ल के कुत्ते है। उन्हें 45 दिन के भीतर कुत्ते का रजिस्ट्रेशन करवाना था।

तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आई महिला, अस्पताल पहुंचने से पहले दम तोड़ा

छपरा, एजेंसी। बिहार के छपरा में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जहां अनियंत्रित मोटरसाइकिल की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। घटना सारण जिले के गड़खा थाना क्षेत्र के ताहीरपुर गांव की है। जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार बाइक ने रास्ते से गुजर रहीं महिला को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं।

घायल महिला को आनन-फानन में स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उनकी मौत हो गई। सदर अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया, जिसके बाद परिवार में कोहराम मच गया।

मृतका की पहचान ताहीरपुर गांव निवासी महेश बैठा की 56 वर्षीय पत्नी इंदु देवी के रूप में हुई है। परिजनों ने इस संबंध में अज्ञात मोटरसाइकिल चालक के खिलाफ गड़खा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। मृत महिला के पुत्र ने बताया कि देर शाम उनकी मां बाजार से घर लौट रही थीं। गांव की कच्ची सड़क पर तेज गति से आ रहे एक मोटरसाइकिल चालक ने उन्हें जोरदार ठोकर मार दी। उन्हें तुरंत स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया और वहां से बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई थी। सदर अस्पताल में भी डॉक्टरों और कर्मियों ने जांच की, पर तब तक देर हो चुकी थी।सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

अपराधियों ने गल्ला व्यवसायी को मारी 4 गोली

सुपौल, एजेंसी। सुपौल के त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र में बुधवार की देर शाम अपराधियों ने स्थानीय गल्ला व्यवसायी को गोली मार दी। महेसुआ पोखर के पास घात लगाए बैठे दो बाइक सवार अपराधियों ने ताबड़तोड़ चार राउंड फायरिंग कर 45 वर्षीय शशिरंजन चौधरी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना इतनी अचानक हुई कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ ही नहीं पाए और हमलावर अपाचे बाइक पर सवार होकर फरार हो गए।

घायल शशिरंजन चौधरी त्रिवेणीगंज बाजार से भोज खाकर अपने घर आसनपुर कुपहा की ओर लौट रहे थे। जैसे ही वे महेसुआ पोखर के समीप पहुंचे, अपराधियों ने उन पर सीधी फायरिंग शुरू कर दी। गोली चलने की आवाज सुनकर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग मौके की ओर दौड़े। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तुरंत त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सक डॉ. उमेश मंडल ने बताया कि व्यापारी को चार गोलियां लगी हैं और उनकी स्थिति अत्यंत नाजुक है। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

अपराधियों की तलाश कर पुलिस : घटना की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने कहा कि पुलिस अपराधियों की तलाश में सक्रिय है और संभावित रूटों पर छापेमारी शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए तकनीकी व मैदानी दोनों स्तर पर जांच की जा रही है।

बिहार पर्यटन : 1 करोड़ की लग्जरी कैरावैन बस तैयार, एयरक्राफ्ट जैसे मिलेगा केबिन

पटना, एजेंसी। अगर आप बिहार को पूरी लग्जरी सुविधाओं के साथ एक्सप्लोर करना चाहते हैं तो इसके लिए 1 करोड़ की कैरावैन बस आपके लिए तैयार है। यह एक चलता-फिरता फाइव स्टार होटल है। जिसमें बेडरूम, बाथरूम, किचन सहित ड्रेसिंग एरिया भी है। 24 घंटे इसमें वाई-फाई की सुविधा मिलेगी। यह बस पूरी तरीके से एयर कंडीशन्ड है, जिसमें सिक्योरिटी के लिहाज से 6 कैमरे इंस्टॉल किया गया है। इसे बिहार सरकार के लिए बुलेट प्रूफ गाड़ियां बनाने वाली कंपनी ने डिजाइन किया है। इसे बनाने के 3 महीने के भीतर ही दो गाड़ियों को बिहार डिलीवर किया गया है।

हर सीट पर लगे हैं मोटराइज्ड पर्दे : जेसीबीएल कंपनी के डिप्टी मैनेजर विशाल रतन बताते हैं कि कैरावैन के अंदर इंटर करने के लिए ऑटोमैटिक फोल्डेबल फूट स्टेप्स की सुविधा दी गई है। इस बस में चार रिक्लाइनर, 3 सीटर एक सोफा और 4 स्लीपर बर्थ की सुविधा दी गई है। ये रिक्लाइनर, पूरी तरह से ऑटोमेटेड है, जिसे अपने हिसाब से ऑपरेट किया जा सकता है। इस सीट को 360 डिग्री मूव भी कर सकते हैं। हर सीट के पास खाना खाने के लिए स्नेक टेबल की भी सुविधा दी गई है। सीट के बगल में पर्दे को भी मोटराइज्ड किया गया है, जो बटन से ऑपरेट होते हुए खुल और बंद हो सकते हैं।

एयरक्राफ्ट जैसे हैटरैक केबिन की दी गई सुविधा : विशाल रतन ने आगे बताया कि 43 इंच का एक स्मार्ट टीवी यहां इंस्टॉल किया गया है। बेडरूम वाले एरिया में हर स्लीपर बर्थ में एक टीवी लगाई गई है। हर सीट के पास मोबाइल चार्जिंग पॉइंट दी गई है। किसी तरीके की समस्या होने पर या कोई इंस्ट्रक्शन देने के लिए ड्राइवर से डायरेक्ट को-ऑर्डिनेटर किया जा सकता है। सामान रखने के लिए एयरक्राफ्ट जैसे हैटरैक केबिन की सुविधा दी गई है। वहीं, सोफे के नीचे स्टोरेज की सुविधा दी गई है। सेफ्टी के लिए इमरजेंसी एग्जिट भी दी गई है।

किचन में चूल्हे के साथ फ्रिज, माइक्रोवेव, वाटर कूलर भी मौजूद : गाड़ी के अंदर किचन एरिया में एक प्रॉपर स्लैब बनाया गया है, जिसमें इंडक्शन की सुविधा दी गई है। लोग इस पर खाना भी बना सकते हैं। इसके साथ ही फ्रिज, माइक्रोवेव, वाटर कूलर भी मौजूद है। किचन एरिया में करीब चार से ज्यादा कंपार्टमेंट बनाए गए हैं, जिसमें बर्तन या फिर कोई भी किचन के समान को स्टोर करके रखा जा सकता है। बगल में ही वॉश बेसिन भी है, जिसमें खाना बनाने के बाद बर्तन को भी धो सकते हैं। यात्रा के दौरान लोगों को खाने के लिए होटल या रेस्टोरेंट की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बेडरूम में लगाए गए ऑर्थोपेडिक मेट्रेस : इस कैरावैन में जो बेडरूम एरिया बनाया गया है, वहां एक साथ चार लोग सो सकते हैं। हर सीट को भारत के अलग-अलग टूरिस्ट प्लेस के वॉलपेपर से सजाया गया। हर सीट के पास एसी वेंट, रीडिंग लैंप, मोटराइज्ड कर्टन के साथ मोबाइल चार्जिंग शॉकेट की सुविधा दी गई है। बेडरूम के दाहिने साइड वाले ऑर्थोपेडिक मेट्रेस है, जिसमें मेडिकल कंडीशन जैसे, कमर दर्द, पैर दर्द या फिर सर्वाइकल वाले बीमार मरीज आराम से सो सकते हैं।

बेडरूम में ड्रेसिंग एरिया और मेकअप के लिए भी जगह : बाथरूम में बेसिन के साथ-साथ शॉवर एरिया भी बनाया गया है, जहां पर लोग नहा भी सकते हैं। यहां गर्म और ठंडा दोनों तरह का पानी आएगा। इस कैरावैन में मरीन टॉयलेट लगाया गया है, जो कम पानी में भी एफिशिएंट तरीके से सफाई कर सकती है। बेडरूम में तैयार होने के लिए ड्रेसिंग एरिया दिया गया है। यहां मेकअप करने के लिए बड़ा सा आइना लगाया गया है और साथ ही अपने कॉस्मेटिक रखने के लिए सेल्फ भी दी गई है।

75 रुपए प्रति किलोमीटर के दर से किराया : बिहार टूरिज्म के ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के मैनेजर रत्नेश कुमार ने बताया कि, इसका किराया 75 रुपए प्रति किलोमीटर के दर से न्यूनतम 250 किलोमीटर के लिए रखा गया है। इसके अलावा, एक दिन के लिए बुकिंग लगभग 20 हजार रुपए प्रतिदिन की दर से होगी, ज्यादा यात्रा पर प्रति किमी की दर लागू होगी।

नसबंदी पखवारा को लेकर समीक्षा बैठक, सभी विभागों को निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में डीआरडीए सभागार में 28 नवंबर से 12 दिसंबर तक आयोजित होने वाले पुरुष नसबंदी पखवाड़ा की तैयारियों की समीक्षा एवं जिला स्तरीय अभिसरण की बैठक आयोजित की गई।

पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पी.एफ.आई.) से नवीन कुमार पांडे ने पीपीटी के माध्यम से पखवाड़े की संपूर्ण कार्ययोजना, गतिविधियां और विभागीय दायित्वों पर विस्तृत प्रस्तुति दी।बैठक में पखवाड़ा अवधि के दौरान सेवा उपलब्धता, जागरूकता कार्यक्रम, विभागीय समन्वय और समुदाय तक पहुंच सुनिश्चित करने पर विस्तृत चर्चा की गई।

सिविल सर्जन विनोद कुमार चौधरी ने बताया कि जिले के सभी पी.एच.सी. एवं सी.एच.सी. में पुरुष नसबंदी के लिए निश्चित दिवस स्थैतिक सेवा (फिक्स्ड डे स्टैटिक – एफ.डी.एस.) उपलब्ध रहेगी। इसके लिए प्रशिक्षित सर्जन टीम, दवाओं एवं उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित कर दी गई है। आशा और ए.एन.एम. को पात्र दम्पत्तियों की पहचान, परामर्श एवं रेफरल के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिले में महिला बंध्याकरण हेतु 1760 तथा पुरुष नसबंदी हेतु 160 लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। एफ.पी.एल.एम.आई.एस. पर समय पर भंडार एवं प्रतिवेदन अद्यतन रखने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में विभिन्न विभागों की भूमिका भी स्पष्ट की गई। आई.सी.डी.एस. द्वारा वी.एच.एस.एन.डी. और माता समूह बैठकों में परिवार नियोजन जागरूकता प्रसार किया जाएगा। जीविका अपने एस.एच.जी./वी.ओ./सी.एल.एफ. मंचों के माध्यम से समुदाय में फैली भ्रांतियों को दूर करने पर कार्य करेगी। शिक्षा विभाग किशोर स्वास्थ्य गतिविधियों एवं रैली के माध्यम से संदेश प्रसारित करेगा, जबकि पंचायती राज विभाग ग्राम सभा और पंचायत स्तर पर आई.ई.सी. प्रचार में सहयोग करेगा।पखवाड़े के दौरान जिले में रैली, पुरुष संवाद कार्यक्रम, स्वास्थ्य मेले, सारथी मोबाइल वाहन प्रचार, पोस्टर-पम्पलेट वितरण और दीवार लेखन जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएगी। उच्च फोकस गांवों (हाई फोकस विलेजेज) में विशेष परामर्श अभियान चलाया जाएगा।

सिविल सर्जन कहा कि पुरुष नसबंदी सुरक्षित, सरल और प्रभावी परिवार नियोजन विधि है, और अभियान के दौरान समुदाय में फैले भ्रमों को दूर करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। सिविल सर्जन ने आमजन से अपील की है कि वे अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर उपलब्ध निःशुल्क परिवार नियोजन सेवाओं का लाभ अवश्य लें।

अतिक्रमण से निजात दिलाने के लिए चलाया अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। शहर की भीड़भाड़ और जाम से राहत दिलाने को लेकर गुरुवार को बिहारशरीफ नगर निगम ने एक व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान हॉस्पिटल मोड़ से एतवारी बाजार तक चलाया गया। जहां सड़क किनारे फैलते अवैध कब्जों ने आम लोगों की आवाजाही को मुश्किल बना दिया था। अभियान से पहले नगर निगम की ओर से पूरे क्षेत्र में माइकिंग करके दुकानदारों और मकान मालिकों को चेतावनी दी गई थी कि वे स्वेच्छा से अवैध संरचनाओं को हटा लें। बावजूद इसके कई स्थानों पर निर्देशों का पालन नहीं किया गया, जिसके बाद निगम टीम ने सख्त कदम उठाए। कार्रवाई के दौरान लगभग 20 अवैध पहुची अष्टि और अस्थायी ढांचे को ध्वस्त कर दिया गया। सफाई शाखा ने जेसीबी और अन्य उपकरणों की मदद से सड़क किनारे फैले अतिक्रमण को पूरी तरह हटाया। इसके अलावा अतिक्रमणकारियों से कुल 25,700 रुपये का दंड शुल्क भी वसूला गया। अभियान का नेतृत्व उप नगर आयुक्त शम्स रजा ने किया। उनके साथ नगर प्रबंधक, सहायक लोक अपशिष्ट एवं स्वच्छता पदाधिकारी, पुलिस बल तथा सफाई शाखा की टीम मौके पर मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर के मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त करना प्राथमिकता है और इस दिशा में लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। नगर निगम ने दोबारा चेतावनी जारी की है कि सार्वजनिक मार्गों पर अवैध कब्जा करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। अभियान को लेकर स्थानीय लोगों ने भी राहत की सांस ली है, क्योंकि इन क्षेत्रों में जाम की समस्या लगातार बढ़ती जा रही थी।

लाभुकों को दी गई बैटरी चालित साइकिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। हरनौत प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में स्थित सभागार भवन के पास दिव्यांगजनों को बैटरी चालित साइकिल दी गई। बीडीओ डॉ पंकज ने बताया कि मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण संबल योजना के तहत दिव्यांगजनों को बैटरी वाली तिपहिया साइकिलें वितरित की गईं। इस मौके पर कुल 24 लोगों को साइकिल दी गई, जिससे उन्हें चलने-फिरने और रोजमर्रा के काम करने में आसानी होगी। यह वितरण वित्तीय वर्ष 2025-26 की तृतीय और चतुर्थ स्क्रीनिंग में चुने गए लोगों के बीच किया गया। उन्होंने कहा कि योजना का मकसद दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों को अभी तक साइकिल नहीं मिली, उनके लिए अलग कैंप लगाकर उन्हें ट्राई साइकिल और जरूरी उपकरण दिए जाएंगे। इस कार्यक्रम में प्रखंड लिपिक कौशल कुमार , सामाजिक सुरक्षा के डीइओ पवन कुमार समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत शपथ ग्रहण कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। 27 नवंबर 2025 को जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन, नवादा द्वारा डीआरडीए सभागार, नवादा में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला पदाधिकारी, नवादा रवि प्रकाश के नेतृत्व एवं अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान जिला पदाधिकारी ने बाल विवाह की सामाजिक बुराई, इसके दुष्परिणामों तथा इससे बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं विकास पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।

उन्होंने उपस्थित अधिकारियों, कर्मियों एवं प्रतिभागियों को बाल विवाह उन्मूलन हेतु सामूहिक प्रयास करने की अपील की।

इस अवसर पर सिविल सर्जन, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (आईसीडीएस), जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला परियोजना प्रबंधक (जीविका), तथा बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

रजौली के बुनियाद केन्द्र में मनाया गया वृद्धजन दिवस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। प्रखंड मुख्यालय स्थित बुनियाद केन्द्र में गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया, जिसकी अध्यक्षता बुनियाद केन्द्र की जिला प्रबंधक उपमा रानी ने की। इस दौरान क्षेत्र के वृद्धजनों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया एवं स्थानीय सरकारी विद्यालयों के बच्चों के बीच पेंटिंग,निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

पेंटिंग प्रतियोगिता में मध्य विद्यालय रजौली के छात्र निर्भय कुमार को पहला स्थान,उत्क्रमित मध्य विद्यालय के छात्र प्रिंस कुमार को दूसरा स्थान एवं उत्क्रमित मध्य विद्यालय घसियाडीह के छात्र जॉनसन कुमार को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।वहीं स्लोगन प्रतियोगिता में उत्क्रमित मध्य विद्यालय घसियाडीह की छात्रा स्वीटी कुमारी को पहला स्थान, कन्या मध्य विद्यालय रजौली की छात्रा आरती कुमारी को दूसरा स्थान एवं उत्क्रमित मध्य विद्यालय महसई के छात्र दिलखुश कुमार को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही बताया कि निबंध प्रतियोगिता में मध्य विद्यालय के छात्र अभिराज कुमार को पहला स्थान, उत्क्रमित मध्य विद्यालय बीच बाजार की छात्रा नेहा कुमारी को दूसरा स्थान एवं उत्क्रमित मध्य विद्यालय महसई की छात्रा वर्षा कुमारी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है।विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिताओं में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को पदाधिकारियों द्वारा शिल्ड,मेडल एवं अन्य सामग्री देकर सम्मानित किया गया।

खेलो इंडिया अस्मिता पेंचक सिलाट लीग में 120 छात्राओं ने लिया हिस्सा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। सोहसराय स्थित किसान कॉलेज परिसर में खेल भावना और उत्साह से गूंज उठा, जब यहां खेलो इंडिया अस्मिता पेंचक सिलाट लीग का सफल आयोजन किया गया। यह लीग खेल प्राधिकरण भारत सरकार, खेल मंत्रालय, इंडियन पेंचक सिलाट फेडरेशन, पेंचक सिलाट एसोसिएशन ऑफ बिहार और पेंचक सिलाट एसोसिएशन ऑफ नालंदा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। जिले सहित अन्य जिलों से कुल 120 छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य प्रो. डॉ. दिवांशु कुमार, प्रो. डॉ. सतेंद्र कुमार सिन्हा, एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ. रविचंद कुमार, महासचिव रेन्सी राकेश राज, कोषाध्यक्ष ऋषिकेश कुमार, उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार रंजन, संयुक्त सचिव दिव्या भारती, अभिषेक राज, स्वर्ण किरण प्रसाद, खेल कार्यालय के सुशांत कुमार, विपिन कुमार, सूरज कुमार, इनरवेल क्लब की अध्यक्ष रश्मि रानी, प्रशांत गुप्ता, आर.के. किरण, शशि भूषण कुमार एवं राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश महासचिव संजय कुशवाहा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिला खेल पदाधिकारी शालिनी प्रकाश ने कहा कि नालंदा के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर कई उपलब्धियां हासिल की हैं। यह लीग नई प्रतिभाओं को निखारने में मील का पत्थर साबित होगी। प्राचार्य डॉ. दिवांशु कुमार ने कहा कि किसान कॉलेज शिक्षा के साथ खेल के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। अध्यक्ष डॉ. रविचंद कुमार ने बताया कि एसोसिएशन खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और मंच उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। महासचिव रेन्सी राकेश राज ने कहा कि यह लीग खिलाड़ियों को अपनी क्षमता साबित करने का शानदार अवसर देती है। प्रतियोगिता के परिणाम में ओवरऑल चैंपियनः डैफोडिल पब्लिक स्कूल – 22 स्वर्ण, द्वितीय स्थानः उत्क्रमित मध्य विद्यालय डुमरावां – 11 स्वर्ण, ग्लोबल पब्लिक स्कूल और चाणक्य कॉन्वेंट स्कूल को अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस मिला। इस प्रतियोगिता में रेफरी की भूमिका संध्या रानी, निशांत कुमार, रौशन कुमार, विवेक कुमार तथा ऋषिकेश कुमार ने निभाई। प्रतियोगिता को सफल बनाने में शिवेंद्र कुमार, शुभम राज, सूरज कुमार, निर्भय, प्रांजल स्वराज और प्रियांशु वर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

हेल्थ कार्ड वितरण समारोह आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। 27 नवंबर 2025 को जिला पदाधिकारी, नवादा रवि प्रकाश की अध्यक्षता में डीआरडीए सभागार, नवादा में लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम–2011 तथा लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम–2015 के अंतर्गत कार्यरत आईटी प्रबंधक, आइटी सहायक एवं कार्यालय सहायकों को बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी, बिहार, पटना द्वारा संचालित समूह स्वास्थ्य बीमा योजना से संबंधित हेल्थ कार्ड का वितरण किया गया। जिला पदाधिकारी ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराना तथा आवश्यकता पड़ने पर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा तथा आर्थिक संरक्षण सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम के दौरान जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी,श्री शम्भू शरण पांडेय के द्वारा वितरित किए जा रहे हेल्थ कार्ड के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। यह बीमा सुविधा एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रदान की गई है, जिसके अंतर्गत ग्रुप मेडिक्लेम पॉलिसी लागू है। इस पॉलिसी में प्रत्येक कर्मचारी को 5,00,000 (पांच लाख रुपये) तक का व्यक्तिगत बीमा कवर उपलब्ध कराया गया है। इस योजना में परिवार की परिभाषा "केवल कर्मचारी" के रूप में निर्धारित है। हेल्थ कार्ड के कवरेज संबंधी जानकारी में बताया गया कि योजना के अंतर्गत सेक्शन–ए में मूल कवरेज में रोगी के रूप में भर्ती उपचार, अंग दान व्यय, डे-केयर उपचार, भर्ती होने से पूर्व एवं पश्चात चिकित्सा व्यय, आधुनिक उपचार, वैकल्पिक चिकित्सा के अंतर्गत भर्ती उपचार, डोमिसिलरी हॉस्पिटलाइजेशन तथा बेरियाट्रिक सर्जरी शामिल हैं। वहीं, सेक्शन–B में वैकल्पिक कवरेज के रूप में मातृत्व व्यय, आपातकालीन ग्राउंड एम्बुलेंस, डोमिसिलरी हॉस्पिटलाइजेशन में संशोधन तथा बाह्य जन्मजात विकृतियां सम्मिलित हैं।

कार्यक्रम में कुल 83 हेल्थ कार्ड वितरित किए गए, जिसमें 01 आईटी प्रबंधक, 14 आईटी सहायक तथा 68 कार्यालय सहायक शामिल रहे।

इस अवसर पर सीनियर डिप्टी कलेक्टर -सह-प्रभारी गोपनीय शाखा, राजीव कुमार,सीनियर डिप्टी कलेक्टर- सह-प्रभारी जनसम्पर्क पदाधिकारी, अमरनाथ कुमार एवं अन्य उपस्थित थे।

स्नातक निर्वाचन के लिए मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए कुल 377 प्रपत्र जमा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नारदीगंज,नवादा। पटना स्नातक निर्वाचन व शिक्षक निर्वाचन का आम चुनाव होना है। इसके लिए प्रशासनिक तैयारी चल रही है। इसके लिए मतदाता सूची तैयार की जा रही है। नारदीगंज प्रखंड कार्यालय में पटना स्नातक निर्वाचन और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता सूची में नाम दर्ज करने का कार्य गुरुवार को भी जारी रहा है। बीडीओ सोनिया ढनढनिया ने बताया मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए आनलाइन और आफलाइन कार्य हो रहा है। यहां स्नातक और शिक्षक मतदाताओं से आफलाइन प्रपत्र जमा लिया जा रहा है। कहा गया 27 नवम्बर 2025 तक स्नातक निर्वाचन के लिए मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए कुल 377 प्रपत्र जमा हुआ है। जिसमे आफ़लाइन में 199 और आनलाइन में 178 प्रपत्र आये हैं। इसके अलावा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए 83 मतदाताओं ने आफलाइन प्रपत्र जमा किया है। आगामी 10 दिसम्बर 2025 तक मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ा जाएगा। उसके बाद दावा आपत्ति ली जाएगी।

दो पिस्टौल व नौ कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। चिकसौरा थाना पुलिस ने बुधवार को बेचुविगहा गांव में गुप्त सूचना के आधार पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार के साथ एक व्यक्ति को दबोच लिया। टीम ने मौके से दो देसी कट्टा और नौ जिंदा कारतूस बरामद की है। थानाध्यक्ष गौरव सिंधु को सूचना मिली थी कि गांव में एक व्यक्ति किसी आपराधिक वारदात की तैयारी में जुटा हुआ है और अपने घर में हथियार छिपाकर रखे हुए है। इसी आधार पर पुलिस दल ने गांव में घेराबंदी करते हुए छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान आरोपी मिथलेश प्रसाद, पिता स्व. सागर प्रसाद, निवासी बेचुविगहा के घर की तलाशी ली गई, जहाँ से अवैध हथियारों का जखीरा मिला। पुलिस ने बरामद हथियारों को जब्त कर आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में चिकसौरा थाना में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द ही न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया जाएगा। छापेमारी टीम में थानाध्यक्ष गौरव सिंधु, पुअनि राहुल कुमार सिंह, परि. पुअनि अनुज कुमार, सअनि राजकुमार, पीटीसी सीमांचल कुमार, सिपाही सौरभ सुमन, प्रवीण कुमार व सुरभी कुमारी शामिल थे।

बीडीओ ने बालिकाओं को अच्छी पुस्तक पढ़ने की दी सलाह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नरहट (नवादा)। जिला प्रशासन के सौजन्य से गुरुवार को प्रखंड सभा कक्ष में सीडीपीओ ज्योति सिन्हा की अध्यक्षता में बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सीडीपीओ ज्योति सिन्हा, बीडीओ प्रशांत कुमार, डीपीएम, महिला विकास निगम, सीएससी से हेल्थ एजुकेटर द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुरुआत की गई। इस अवसर पर बालिकाओं के साथ वाद संवाद प्रतियोगिता एवं मनोरंजन के लिए म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीडीपीओ ने कहा कि मैं खुद भी एक राष्ट्रीय लेवल की खिलाड़ी रह चुकी हूं। इसलिए उन्होंने बताया कि पढ़ाई के साथ-साथ आप अपना खेल भी अच्छा खेल कर स्पोर्ट कोटा में जॉब सुरक्षित कर सकते हैं। हमारे समय में यह सुविधा नहीं थी लेकिन अब करियर के बहुत विकल्प हैं। बीडीओ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए करियर बनाने पर जोर दिया। बाल शोषण से जुड़े मामलों में तुरंत ब्लॉक ऑफिस में शिकायत दर्ज करने को कहा गया। बीडीओ ने बालिकाओं को अच्छी किताबें पढ़ने उन्हें जीवन में अमल करने और मोबाइल के सदुपयोग की सलाह दी। कार्यक्रम में 30 बालिकाओं को शर्ट कैप एवं स्वामी विवेकानंद जी की प्रेरणादायक पुस्तक भेंट की गई। प्रतियोगिता में फर्स्ट, सेकंड और थर्ड लाने वाले बालिकाओं को बीडीओ एवं सीडीपीओ ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया। बालिकाओं को महिला हेल्पलाइन द्वारा बाल संरक्षण, अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया एवं बाल विवाह मुक्त भारत के लिए शपथ दिलाया गया। इस दौरान सभी महिला सुप्रभाईजर, ब्लॉक कोडिनेटर सोनुमल एवं आंगनबाड़ी सेविकाएं मौजूद थे।

एक नजर

युवक की ईंट से कूच कर हत्या

नवादा। जिले के अकबरपुर प्रखंड अंतर्गत नेमदारगंज थानाक्षेत्र के डेरमा मुसहरी गांव की है। मृतक की पहचान अकबरपुर प्रखंड के चंदौली ग्राम निवासी रवींद्र यादव उर्फ कैलु यादव है, जिनकी उम्र 40 वर्ष बताया गया है। स्थानीय बैजू गोप ने बताया कि यह घटना बुधवार की रात्रि लगभग 09 बजे की है। बताया जा रहा है कि युवक को किसी ने फोन कर घर से बुलाया और ईंट से सिर पर वार कर हत्या कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि हत्यारे की टोपी और बाईक की चाभी भी घटनास्थल पर से बरामद हुई है। हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना नेमदारगंज थाने को दिया, जिसके बाद रजौली डीएसपी गुलशन कुमार दल -बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच किया। उन्होंने परिजनों को समझबूझा और कार्रवाई करने के आश्वाशन देने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नवादा सदर अस्पताल भेज दिया है। इस संबंध में रजौली डीएसपी गुलशन कुमार ने बताया कि घटनास्थल पर पहुंचकर जांच किया गया और परिजन के निशानदेही पर दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ किया जा रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

आरोपित समेत चार गिरफ्तार

रजौली/नबिटा संवाददाता। थाना क्षेत्र के करमा कला गांव से पुलिस बलों ने एक मारपीट के अभियुक्त एवं मोहनपुर,महियारा व अमावां गांव से तीन वांछित वारंटियों को गिरफ्तार किया है। प्रभारी थानाध्यक्ष सह एसआई अजय कुमार ने बताया कि बीते 4 जुलाई को केंदुआ गांव निवासी रिंटू कुमार ने थाने को लिखित आवेदन बताया कि करमा कला गांव के कैलाश चौधरी के पुत्र बिनोद चौधरी ने अपने परिजनों के साथ मिलकर बंधक बनाकर मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया था। घटना के आलोक में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी कर रही थी। इसी क्रम में गुप्त सूचना के आलोक में बीते बुधवार की रात्रि को करमा कला गांव के बिनोद चौधरी को गिरफ्तार किया गया है। वहीं दूसरी ओर न्यायालय से निर्गत वारंट के आलोक में वांछित तीन अभियुक्तों को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार वारंटियों की पहचान मोहनपुर गांव निवासी रामेश्वर प्रसाद यादव के पुत्र गणेश प्रसाद यादव,महियारा गांव निवासी प्रहलाद सिंह के पुत्र उत्तम कुमार एवं अमावां गांव निवासी यूसुफ मियां के पुत्र राजू मियां के रूप में हुई है। प्रभारी थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार चारों लोगों को गुरुवार को अस्पताल में स्वास्थ्य जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

सड़क दुर्घटना में दो लोग जख्मी

नारदीगंज,नवादा। थाना क्षेत्र के राजगीर बोधगया सड़क मार्ग में सादिकपुर गांव के समीप दो बाइक की टक्कर हो गई। इस घटना में बाइक सवार दो लोग जख्मी हो गये। जख्मी की पहचान नारदीगंज थाना क्षेत्र के संगोवर निवासी कुलदीप यादव का 30 वर्षीय पुत्र मुकेश यादव और हिसुआ थाना के पाली पंचायत के देवरा बेलदारी निवासी अखिलेश चौधरी के 18 वर्षीय पुत्र अभिराज कुमार के रुप में किया गया। जख्मी हालत में इलाज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारदीगंज में दाखिल कराया गया। जहां कार्यरत चिकित्सक ने प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए संगोवर निवासी मुकेश यादव को स्थान्तरण कर दिया। वही देवरा बेलदारी निवासी अभिराज कुमार आंशिक तौर पर चोटिल बताये गये हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच में जुट गई, और दुर्घटना ग्रस्त बाइक को जब्त कर लिया। जख्मी हालत में संगोवर निवासी मुकेश यादव ने बताया हिसुआ की ओर पेट्रोल पंप से तेल लेकर बाइक से लौट रहे थे, तभी सादिकपुर गांव के समीप दोनों की बाइक में टक्कर हो गई। इस घटना में हम दोनों जख्मी हुए हैं।

पैक्स प्रबंधक पद के लिए एकमात्र आवेदन

नारदीगंज,नवादा/नबिटा संवाददाता। प्रखंड के मसौढ़ा पैक्स में पैक्स प्रबंधक पद की बहाली होना है। पैक्स अध्यक्ष सिधेश्वर यादव ने कहा इस पद की बहाली के लिए इच्छुक उम्मीदवार आगामी 25 नवम्बर 2025 तक पैक्स अध्यक्ष के यहां आवेदन जमा करना था। उन्होंने कहा इस पद के लिए एकमात्र आवेदक मसौढ़ा पंचायत के भदौर निवासी कौशल किशोर ने बहाली के लिए आवेदन पत्र जमा किये हैं। उनके प्रमाण पत्रों के जांचोपरांत बहाली की जाएगी।

अनियंत्रित ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होने से तीन पशुओं की मौत

रजौली/नबिटा संवाददाता। थाना क्षेत्र के चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी से महज 300 मीटर दूर गुरुवार की अहले सुबह लगभग 4 बजे एक अनियंत्रित ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में गौशाला में बंधे तीन मवेशियों के ट्रक के नीचे आने से मौत हो गई है,जबकि एक मवेशी घायल है। गौपालक चितरकोली निवासी मुसाफिर यादव ने बताया कि उनका घर सड़क के किनारे है और वे अपने गौशाला में मवेशियों को बांध कर रखा करते हैं।अहले सुबह एक धमाकेदार आवाज के साथ उनकी नींद खुली और जब वे बाहर आकर देखे, तो सेब से भरा ट्रक संख्या जेके02बीयू 5817 उनके गौशाला के ऊपर गिरा पड़ा था। दुर्घटनाग्रस्त के सभी चक्के ऊपर हवा में घूम रहे थे और ट्रक के नीचे एक गाय और दो भैंस दबकर मर चुका था एवं एक बैल घायल है। गौपालक ने बताया कि ट्रक में सवार तीनों लोग सुरक्षित हैं। वहीं दुर्घटनाग्रस्त ट्रक में सवार जम्मू के अरविंद शर्मा ने बताया कि वे कश्मीर से कोलकात्ता जा रहे थे, इसी बीच वे मुजफ्फरपुर से रास्ता भटक गए और वे नवादा कोडरमा होते हुए कोलकात्ता जा रहे थे। वहीं जांच चौकी को पार करने के दौरान सामने से आ रही अज्ञात ट्रक द्वारा चकमा दिए जाने से वे दुर्घटनाग्रस्त हो गए। ट्रक में अरविंद के अलावे और दो लोग सवार थे, जो सुरक्षित हैं।

इस संबंध में प्रभारी थानाध्यक्ष एसआई अजय कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना की सूचना मिली है। पुलिस बलों को घटनास्थल पर भेजा गया है। क्रेन के सहारे ट्रक के नीचे दबे मवेशियों को निकाला जाएगा। उसके बाद अग्रतर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

स्वास्थ्य जांच शिविर में 400 बच्चे शामिल

पकरीबरावां/नबिटा संवाददाता। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय रेवार नवादा में गुरुवार को विशेष जागरूकता सह स्वास्थ्य जांच कैम्प आयोजित की गई। कार्यक्रम का उदघाटन प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर संदीप कुमार पांडेय, प्राचार्य रामानंद तिवारी, डॉक्टर गौरव कुमार एवं डॉ. सकलदेव प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया। प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर संदीप कुमार पांडेय ने बताया कि उत्थान शिक्षा समिति को एसबीआई फाउंडेशन मुम्बई द्वारा सीएसआर अंतर्गत बिहार राज्य के नवादा जिला के पकरीबरावां प्रखण्ड के 20 गांवों में संजीवनी क्लिनिक ऑन व्हील का कार्यान्वयन के लिए चयनित किया गया है। उसी के तहत यह कार्यक्रम कराया गया है। प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर ने बताया बच्चों को जानकारी दी कि पोषण और जीवनशैली आपस में जुड़े हैं। अच्छे स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ आहार, नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और धूम्रपान से परहेज आदि जरूरी है। कहा कि आहार में फलों, सब्जियों, साबुत अनाज आदि को शामिल किया जाना चाहिए। एक स्वस्थ जीवनशैली रोगों की रोकथाम और दीर्घायु की आधारशिला है। जागरूकता कार्यक्रम में डॉक्टर गौरव कुमार ने ग़ैरसंचारी रोगों की जानकारी दी। इससे बचाव के उपाय बताए। कार्यक्रम में विद्यालय के 400 छात्र- छात्राएं शामिल हुए।

साल भर में बनाएंगे बाल विवाह मुक्त नवादा

नवादा//नबिटा ब्यूरो। पूरे देश से बाल विवाह को उखाड़ फेंकने के उद्देश्य से भारत सरकार की 100 दिन की विशेष कार्ययोजना से उत्साहित गैरसरकारी संगठन तटवासी समाज न्यास ने कहा कि वह नवादा जिला को साल भर के भीतर बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिला कर काम करेगा। '100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान' जिसे बाल विवाह मुक्त भारत के एक वर्ष पूरे होने के मौके पर पूरे देश में शुरू किया गया है, ने एक लक्षित रणनीति तय की है। इसमें स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों, उन धार्मिक स्थलों जहां विवाह संपन्न कराए जाते हैं, विवाह में सेवाएं देने वाले पेशेवर सेवा प्रदाताओं, और आखिर में पंचायतों व नगरपालिका वार्डों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि बच्चों के खिलाफ इस सदियों पुराने अपराध का अंत सुनिश्चित किया जा सके। तटवासी समाज न्यास देश में बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। इसके 250 से भी अधिक सहयोगी संगठन देश के 451 जिलों में बाल विवाह के खात्मे के लिए जमीन पर काम कर रहे हैं। पिछले एक वर्ष में ही इस नेटवर्क ने देश में एक लाख से ज्यादा बाल विवाह रोके हैं।

थाना परिसर में युवक की मौत पर भड़के लोग

➪गर्दन पर मिले रस्सी के निशान
➪लोगों ने गाड़ियों में की तोड़फोड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। बिहार के नवादा जिले में गुरुवार सुबह एक किशोर की पुलिस कस्टडी में मौत के बाद माहौल बेकाबू हो गया। काशीचक थाना परिसर में 16 वर्षीय सन्नी कुमार का शव मिलने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। मृतक सन्नी बौरी गांव का रहने वाला था और उस पर गांव की ही एक युवती को भगाने का आरोप था।

घटना के मुताबिक, सन्नी कुमार और गीता (बदला हुआ नाम) के बीच पिछले तीन वर्षों से प्रेम संबंध चल रहा था। एक सप्ताह पहले दोनों घर से भाग गए थे। युवती का भाई बिहार पुलिस में सिपाही है और उसने सन्नी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इसी क्रम में बुधवार शाम करीब 7 बजे पुलिस सन्नी को हिरासत में लेकर काशीचक थाना लाई थी। गुरुवार सुबह करीब 7 बजे थाना परिसर में ही उसकी मौत हो गई।

मृतक के शरीर की प्रारंभिक जांच में उसकी गर्दन पर रस्सी के निशान पाए गए हैं। परिजनों ने इसे आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या करार देते हुए पुलिस और लड़की के परिवार पर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सन्नी पर अत्याचार किया गया और उसकी हत्या कर उसे आत्महत्या जैसा स्वरूप देने की कोशिश की गई। जैसे ही मौत की खबर फैली, भीड़ उग्र हो गई और लोगों ने पुलिस की गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी। आपातकालीन सेवा 112 की वाहन के टायर की हवा भी निकाल दी गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन सक्रिय हो गया है। पाकरीबरावां एसडीपीओ राकेश कुमार भास्कर ने बताया कि नाबालिग की मौत थाना परिसर में हुई है और इसकी जांच के लिए फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अधिकारी के अनुसार, सन्नी पर प्रेम प्रसंग को लेकर मामला दर्ज था और इसी सिलसिले में उसे थाने लाया गया था।कस्टडी में मौत का मामला सामने आने के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

पेड़ से टकराने के बाद धू-धूकर जली ट्रक

चालक जला, खलासी बचा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। झारखंड के खूंटी जिले के सिमडेगा मुख्य पथ पर हुए भीषण सड़क हादसे में एक ट्रक चालक जिंदा जल गया, जबकि खलासी किसी तरह अपनी जान बचाकर भाग निकला। घटना तोरपा थाना क्षेत्र के चुरगी गांव के पास हुई, जहाँ तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया। टक्कर के तुरंत बाद ट्रक में आग लग गई, जिससे चालक अंदर ही फंस गया और बाहर नहीं निकल सका।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक सिमडेगा से तोरपा होते हुए रांची की ओर जा रहा था। अचानक अनियंत्रित होने के बाद ट्रक पलट गया और देखते ही देखते उसमें भीषण आग लग गई।

चालक ने बाहर निकलने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो पाया और मौके पर ही उसकी जलकर मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही राहगीरों ने पुलिस को खबर दी। तोरपा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक चालक पूरी तरह जल चुका था। हादसे के बाद आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

ट्रक राजस्थान के अलवर जिले का बताया जा रहा है। पुलिस चालक की पहचान की पुष्टि करने के साथ ही फरार खलासी की तलाश में जुट गई है। दुर्घटना के कारणों की जांच भी शुरू कर दी गई है। घटना से स्थानीय लोगों में शोक की स्थिति है।

ज्वेलरी दुकान से एक करोड़ की लूट

सिवान। उधर पटना में बिहार के पुलिस महानिदेशक माफिया राज को खत्म करने को लेकर बड़ा बयान दे रहे थे और इधर सीवान में हथियारबंद अपराधियों ने तकरीबन एक करोड़ की लूट की बड़ी घटना को दिनदहाड़े अंजाम दिया। एक ज्वेलरी शॉप में हुई इस लूट की घटना के दौरान 5-6 राउंड फायरिंग कर अपराधियों ने दहशत फैला दिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जगह भारतीय जनता पार्टी के सम्राट चौधरी के पास पहली बार गृह विभाग आया है और अब इतनी बड़ी घटना के साथ अपराधियों ने अपने मनोबल का प्रमाण दिया है। नकाबपोश छह अपराधी ज्वेलरी शॉप में घुसे और दिनदहाड़े लूट के वारदात को अंजाम देकर निकल भी गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अपराधी बड़ी आसानी से दुकान में घुसे, लाखों रुपये के जेवरात और कैश लूट लिया और निकलते समय फायरिंग करते हुए फरार हो गए। गोलियों की आवाज से पूरा बाजार दहशत में आ गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी है।

मजदूर को थप्पड़ मारने के मामले में

राजद विधायक पर प्राथमिकी दर्ज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मधेपुरा। बिहार के मधेपुरा शहर में नाला निर्माण कार्य के दौरान हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया है। निर्माण कार्य में लगे मजदूर सोनू निगम ने राजद विधायक प्रो. चंद्रशेखर पर मारपीट की। अभद्र भाषा के प्रयोग का आरोप लगाते हुए सदर थाना में एफआईआर दर्ज कराई है। अररिया जिले के भीमा गांव निवासी सोनू ने अपने आवेदन में कहा है कि 23 नवंबर की रात पूर्णिया गोला चौक पर काम कर रहे थे, तभी विधायक करीब 10 लोगों के साथ पहुंचे और उन्हें थप्पड़ मारते हुए गाली-गलौज की।

सोनू के अनुसार इससे पहले भी पूर्व मुखिया मुन्ना यादव द्वारा कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर से रुपये की मांग की जा चुकी थी। पीड़ित ने बताया कि घटना के बाद भय के कारण सभी मजदूर मौके से भाग गए। सदर थानाध्यक्ष विमलेंदु कुमार ने मामले में केस दर्ज होने की पुष्टि की है और जांच जारी है। बुडको के अंतर्गत पटना जेबी कंपनी द्वारा नाला निर्माण का काम किया जा रहा है। एक साथ शहर के कई स्थानों पर काम किया जा रहा है। नाला निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सदर विधायक ने पूर्व में भी सवाल उठाया था। बता दें कि बुडको द्वारा 72 करोड़ रुपये की लागत से स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण किया जा रहा है, जिसकी गुणवत्ता को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन्हीं शिकायतों पर विधायक प्रो. चंद्रशेखर निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान मजदूर के ट्रैक्टर लेकर भागने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें विधायक के थप्पड़ मारने की बात भी सामने आई। हालांकि, विधायक ने मारपीट से इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने भीड़ से मजदूर को सिर्फ बचाया। विधायक ने कहा कि महागठबंधन सरकार में नेता प्रतिपक्ष द्वारा स्वीकृत इस योजना को किसी भी कीमत पर अनियमितता की भेंट नहीं चढ़ने दिया जाएगा।

घर में घुसकर दिया दुष्कर्म की घटना को अंजाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। जिले के एक गांव में 14 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है। घटना में पीड़िता के चाचा के बयान पर महिला थाना में प्राथमिकी कराने के साथ ही आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी में जुट गई है। इस मामले में मुख्य आरोपित समेत तीन लोगो को नामजद किया गया है।जानकारी देते महिला थानाध्यक्ष प्रतिभा कुमारी ने बताया कि नाबालिग से दुष्कर्म की यह घटना शनिवार की रात 10 बजे की बताई जा रही है। पीड़िता के चाचा के बयान के अनुसार रात 10 बजे के करीब उनका बेटा कमरे से बाहर निकला, तो 14 वर्षीय चचेरी बहन के कमरे से किसी की आवाज सुनाई दी।

आवाज सुनकर बेटा डर गया और उसने कमरे को बाहर से बन्द कर अपने पिता को सारी बात बताई। चाचा अपने लड़के के साथ जाकर 14 वर्षीय भतीजी का कमरा जैसे ही बाहर से खोला, तो उन्हें धक्का देते शरीर पर शाल लपेटे एक युवक भाग निकला।चाचा ने जब अपनी भतीजी से पूछा तो उसने बताया कि रात में वह शौच के लिए गई थी। शौच से आने के बाद जब अपने कमरे में प्रवेश कर रही थी, तभी पड़ोस का धनो सिंह चहारदीवारी में बनी खिड़की के रास्ते आंगन में प्रवेश कर पीड़िता को दबोच लिया और धक्का देते हुए कमरे में ले जाकर जान से मारने की धमकी देते हुए वारदात को अंजाम दिया।

पीड़िता के अनुसार चहारदीवारी की खिड़की के पास घटना के समय गांव के आदित्य सिंह और नीरज सिंह नामक दो अन्य युवक भी खड़े थे। महिला थानाध्यक्ष ने बताया कि पीड़ित परिवार ने तत्काल कोरानसराय पुलिस को घटना की सूचना दी।

घटनास्थल पर पहुंची कोरानसराय पुलिस ने रात 11 बजे महिला थाना को इसकी जानकारी दी और पीड़ित परिवार को रात के करीब 12 बजे महिला थाना पहुंचाया। सबूत नष्ट नहीं हों, इसलिए रात डेढ़ बजे सदर अस्पताल पीड़िता को ले जाकर उसका मेडिकल कराते हुए वीर्य लगे कपड़े को एफएसएल के लिए सुरक्षित कर लिया।

दो परीक्षार्थी धराये

दरभंगा। दरभंगा इंजीनियरिंग कालेज में आयोजित एमडी, एमएस, डीटीसीडी की विश्वविद्यालय परीक्षा-2025 के दौरान परीक्षा केंद्र में प्रतिबंधित साधन के उपयोग का गंभीर मामला सामने आया। दो परीक्षार्थियों को माइक्रो-चीट का प्रयोग करते हुए पकड़ा गया।

पकड़े गए छात्रों में एक छात्रा डीएमसीएच तथा दूसरा एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर से है। कालेज प्रशासन एवं परीक्षा पर्यवेक्षकों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों विद्यार्थियों को परीक्षा से तुरंत निलंबित कर दिया। घटना से संबंधित प्रमाण, जब्त सामग्री तथा समस्त प्रक्रियात्मक विवरण संकलित करते हुए रिपोर्ट तैयार कर आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय पटना को भेज दी गई है, ताकि विवि नियमावली के अंतर्गत कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सके। प्राचार्य ने कहा कि हमारा संस्थान निष्पक्ष, पारदर्शी और अनुशासित परीक्षा प्रणाली के लिए प्रतिबद्ध है। किसी भी प्रकार की नकल, कदाचार या अनुचित गतिविधि को किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

संविधान नागरिक की गरिमा का संरक्षक : आलोक चौरसिया

स्वतंत्रता आंदोलन में पलामू का योगदान विशिष्ट और अविस्मरणीय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। केन्द्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय डालटनगंज के तत्वावधान में गिरिवर प्लस टू उच्च विद्यालय में संविधान दिवस, जनजातीय गौरव दिवस व पर्यावरण जागरूकता आधारित एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के उपलक्ष्य में दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ डालटनगंज विधयक आलोक चौरसिया व अन्य अतिथियों ने फीता काटकर किया। इसके पूर्व एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत परिसर में पौधारोपण किया गया। वहीं विद्यालय परिसर से जागरूकता रैली निकाली गई। कार्यक्रम के तहत सामूदायिक रूप से संविधान के उद्देशिका का पाठ पढ़ा गया। वहीं सभी ने बाल विवाह मुक्त झारखंड की शपथ ली।

मौके पर विधायक आलोक चौरसिया ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जाति, धर्म और समुदाय से ऊपर उठकर भारत के हर नागरिक के अधिकारों और गरिमा की रक्षा करने वाला संविधान बनाया है। यह संविधान हमें कर्तव्य, अधिकार और राष्ट्र-निर्माण की प्रेरणा देता है। आज पूरा देश संविधान पर गर्व महसूस करता है। कहा कि संविधान सभा और स्वतंत्रता संग्राम में पलामू का योगदान अविस्मरणीय रहा है। स्व. यदुवंश सहाय व अमीय कुमार घोष संविधान सभा के सदस्य रहे। वहीं स्व. भागीरथी सिंह जैसे वीर जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी भी इसी मिट्टी की देन हैं। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा, नीलांबर-पीतांबर को नमन करते हुए कहा कि आज की पीढ़ी को इन महापुरुषों के योगदान से अवगत होना अत्यंत आवश्यक है। इसके पूर्व सभी अतिथियों ने फीता काटकर चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया व प्रदर्शनी का अवलोकन किया। चित्र प्रदर्शनी में संविधान निर्माण की यात्रा की झलक देखने को मिली। प्रदर्शनी में अतिथियों, छात्रों एवं कलाकारों द्वारा संविधान, जनजातीय विरासत पर प्रस्तुत चित्रों और संदेशों की सराहना की।

कार्यक्रम में मासूम आर्ट ग्रुप के कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समा बांध दिया। लड़ाई बाबा भीम जी लड़े जैसे गीतों की प्रस्तुति ने वातावरण को उत्साह व गौरव से भर दिया। इस अवसर पर डाक विभाग ने विशेष शिविर का आयोजित किया। इसमें 30 से अधिक छात्र-छात्राओं के बैंक खाते खोले गए। मौके पर संविधान सभा के सदस्य रहे स्व. यदुवंश सहाय व स्व. अमीय कुमार घोष के वंशज सुधीर सहाय व मनोतोष घोष को सम्मानित किया गया। पलामू प्रमंडल के अग्रणी जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी स्व. भागीरथी सिंह के पुत्र दिग्विजय सिंह को भी सम्मान प्रदान किया गया। सभी आगंतुक अतिथियों को पलामू के स्वतंत्रता सेनानी के जीवनी पर आधारित पुस्तक पलामू के क्रांतिकारी भेंट किया गया।

धनबाद की छात्राओं ने वृंदावन में बटोरी वाहवाही

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। गले में लाल व सफेद रंग की विशिष्ट माला, बालों में मोरपंख व झारखंड की पारंपरिक साड़ी पहने छात्राएं अटल स्टेडियम में पहुंची तो सभी का ध्यान खींचा। यह नजारा लखनऊ उत्तर प्रदेश के वृंदावन योजना में आयोजित 19वें राष्ट्रीय जंबूरी में देखने को मिला।

झारखंड से लगभग 1300 स्काउट उवं गाइड इसमें भाग ले रहे हैं। झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय की 26 छात्राएं भी शामिल हैं। बुधवार को झारखंड की टीम ने लोकनृत्य का शानदान प्रदर्शन किया। सबसे महत्वपूर्ण यह रहा कि बिना स्पीकर छात्राओं ने माइक से स्वयं की आवाज निकालकर और मांदर-ढोल का प्रयोग कर तालियां बटोरीं।

इसमें गाइड शिक्षिका ऋचा प्रसाद, धनबाद स्काउट गाइड टीचर मेनका मिश्रा का विशेष सहयोग रहा। छात्राओं नेहा, प्रियांशु, रानी, रिया ने कहा, पहली बार जंबूरी में आई हैं और सुखद अनुभूति हो रही। बोलीं, मां से महिला सशक्तीकरण सुनते थे यहां आकर देख रही हैं, छात्रों से अधिक छात्राएं हैं।

यह भी कहा, इस आयोजन देश को ही एकसूत्र में नहीं जोड़ रहा, उन जैसी युवतियों को घर से चहारदीवारी से बाहर निकालने में सफल रहा है। भारत स्काउट्स और गाइड्स का यह आयोजन 29 नवंबर तक चलेगा। वृंदावन योजना के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड पर लगभग 350 एकड़ में बसाई गई अस्थायी टेंट सिटी में विभिन्न राज्यों और पांच देशों से आए करीब 35 हजार स्काउट्स-गाइड्स का सैलाब उमड़ पड़ा है। साहसिक अभियानों से लेकर विज्ञान तकनीक, संस्कृति, सेवा और खेलकूद, हर गतिविधि से यहां युवा ऊर्जा का जीवंत उत्सव झलक रहा है।

दो दिवसीय टेक लीफ कार्यक्रम पांच से

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। वन विभाग की ओर से वनों के संरक्षण और इसे हरा-भरा बनाए रखने के लिए पांच और छह दिसंबर को टेक लीफ नाम से एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। दुमका के आउटडोर स्टेडियम के निकट स्थित झार मधु केंद्र परिसर में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निबंधन की प्रक्रिया को काफी सहज रखा गया है। इसके लिए 8002109227 नंबर पर किसी भी आयु वर्ग के इच्छुक लोग मिस्ड काल देकर निबंधन करा सकते हैं। खास बात यह कि इस कार्यक्रम के जरिए सीधे धरातल पर हरियाली लाने व वनों को बचाने के बजाए मनुष्यों को दिमागी तौर पर हरा-भरा बनाने की पहल की जाएगी। मतलब यह की तकनीक के जरिए पहले मनुष्यों के मन-मस्तिष्क को पर्यावरण फ्रेंडली बनाया जाएगा और तब इनके जरिए वनों के संरक्षण और इसकी हरियाली को बरकरार रखने की पहल की जाएगी।इसके लिए एआइ तकनीक और डिजिटल माध्यमों का सहारा लिया जाएगा। वन विभाग की ओर से इस दो दिवसीय आयोजन में खास तौर पर स्कूल व कालेजों के छात्र-छात्राओं को आमंत्रित किया जाएगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने वेयर हाउस का किया निरीक्षण

खूँटी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, आर. रॉनिटा द्वारा ईवीएम वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया गया। उपायुक्त ने ईवीएम वेयर हाउस के विधि व्यवस्था से संबंधित आवश्यक पहलुओं की जांच की। ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रतिभा कुजूर से ली एवं कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

ईवीएम वेयर हाउस निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने सीसीटीवी कैमरे एवं अन्य उपकरणों की स्थिति तथा रख रखाव का जायजा लिया। सीसीटीवी कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। ईवीएम वेयर हाउस में तैनात सुरक्षा बलों के लॉग बुक, अग्निशमन यंत्र आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान तैनात सशस्त्र सुरक्षा बलों को अपने कार्य एवं दायित्वों के प्रति सचेत व सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईपीडी/डब्ल्यू/कॉन/एफआरपी सीएबी/ईएमयू/04/25-26, दिनांक 25.11.2025, उप मुख्य विद्युत अभियंता (पी एंड डी), पूर्व रेलवे, काँचरापाड़ा वर्कशॉप, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल, पिन-743145, काँचरापाड़ा द्वारा प्रमाणित अनुभवी ठेकेदार से पूर्व रेलवे, काँचरापाड़ा वर्कशॉप में निम्नलिखित कार्य हेतु खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सं.: ईपीडी/डब्ल्यू/कॉन/एफआरपी सीएबी/ईएमयू/04/25-26, कार्य का नाम एवं स्थान :** ईएमयू मोटर कोचों के लिए एफआरपी प्रस्तुत क्रू फ्रेंडली ड्राइवर्स केबिन के रेट्रो-फिटमेंट का विकास, मात्रा: 100 अदद। **कार्य का अनुमानित मूल्य :** रु. 6,59,57,632/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य। जीसीसी-अप्रैल 2022 के तहत पार्ट-I के क्लॉज सं. 3 के अनुसार, ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदाकारों को निःशुल्क जारी किया जाएगा। **कार्यालय का पता जहाँ से ई-निविदा शुरू की गई है :** उप मुख्य विद्युत अभियंता/प्लानिंग एवं डेवलपमेंट/पूर्व रेलवे/काँचरापाड़ा वर्कशॉप, पिन-743145 का कार्यालय। **ई-पेमेंट गेट वे या बैंक गारंटी बॉण्ड के माध्यम से बोली प्रतिभूति की राशि जमा की जाएगी:** रु. 4,79,800/-, रेलवे बोर्ड के पत्रांक 2022/ सीई-I/सीटी/जीसीसी-2022/ पॉलिसी दिनांक 27.04.2022 (एडवांस करेक्शन स्लिप नं. 5, दिनांक 20.10.2023) के अनुसार; निविदाकार उक्त राशि की बोली प्रतिभूति बैंक गारंटी बॉण्ड के रूप में भी जमा कर सकते हैं। मूल बैंक गारंटी उप सीईई/पी एंड डी/काँचरापाड़ा के पास बोली जमा करने की अंतिम तिथि से पूर्व प्रेषित की जानी चाहिए (अर्थात बोली जमा करने की अंतिम तिथि को छोड़कर)। **बीजी बॉण्ड का प्रारूप** जीसीसी-अप्रैल 2022 में उल्लेख किया गया है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए जीसीसी-अप्रैल 2022 (संशोधनों के साथ) का अनुसरण करें। **कार्य की समापन अवधि :** 30 (तीस) माह। **बोली जमा करने की प्रारंभिक तिथि :** दिनांक 05.12.2025 से, **बोली जमा करने की अंतिम तिथि :** दिनांक 19.12.2025 को 14.45 बजे तक। **निविदा के खुलने की तिथि और समय :** निविदा दिनांक 19.12.2025 को 15.00 बजे खोली जाएगी। **वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट का स्थान जहाँ निविदा का संपूर्ण विवरण देखा जा सकता है:** http://www.ireps.gov.in
MISC-308/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

करारी हार के बाद महागठबंधन में घमासान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। विधानसभा चुनाव में भोजपुर के सातों विधानसभा क्षेत्र में करारी हार के बाद अब महागठबंधन के दलों में भी घमासान छिड़ गया है। जगदीशपुर के पूर्व विधायक रामबिशुन सिंह लोहिया ने विधानसभा चुनाव में राजद उम्मीदवार की हार को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया जताई है।

राजद कार्यालय मे आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने आरा सांसद सुदामा प्रसाद पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण समय में सांसद गायब रहे, जिससे गठबंधन को हार का सामना करना पड़ा। बताते चलें कि इस बार जगदीशपुर विधानसभा क्षेत्र से लोहिया के पुत्र किशोर कुणाल राजद के प्रत्याशी थे।

लोहिया ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने सुदामा प्रसाद के पक्ष में खुलकर प्रचार किया था और अपने समुदाय का वोट भी उनके समर्थन में शिफ्ट कराया था। बावजूद इसके, विधानसभा चुनाव में सांसद ने राजद प्रत्याशी किशोर कुणाल के लिए न तो बैठकें कीं और न ही कोई प्रचार अभियान में हिस्सा लिया।

इसका सीधा असर चुनावी नतीजों पर पड़ा और राजद को महत्वपूर्ण सीट गंवानी पड़ी। पूर्व विधायक लोहिया ने भाकपा (माले) पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गठबंधन धर्म निभाने के बजाए माले का वोट राजद उम्मीदवार के पक्ष में ट्रांसफर नहीं हुआ। इस मुद्दे को उन्होंने पार्टी के वरीय पदाधिकारियों के सामने उठाया है।

लोहिया ने कहा कि पार्टी के अंदर भी भीतरघात हुआ है जो हार का कारण बना। भीतरघात करने वालों की पहचान कर ली गई है और ऐसे लोगों पर जल्द कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा बैठक में उपस्थित राजद उम्मीदवार किशोर कुणाल ने भी हार के कारणों पर विस्तार से चर्चा की और कहा कि कई बूथों पर अपेक्षित सहयोग नहीं मिला।

रंगे हाथ निगरानी के हत्थे चढ़े हल्का कर्मचारी

दाखिल खारिज निपटारे के लिए की थी पैसे की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। निगरानी विभाग की टीम ने 4500 रुपए की रिश्वत लेते करायपरसुराय अंचल के सांध पंचायत के हल्का कर्मचारी संजय कुमार को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नालंदा जिले के करायपरसुराय प्रखंड के सलेमपुर गांव निवासी सुरेश प्रसाद के पुत्र रमेश कुमार ने ऑनलाइन दाखिल खारिज के लिए आवेदन दिया था। इस कार्य के लिए सांध पंचायत के हल्का कर्मचारी संजय कुमार ने रमेश कुमार से 4500 रुपए की मांग की थी।

रमेश कुमार ने 25 नवंबर को निगरानी विभाग में शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें कहा गया था कि हल्का कर्मचारी संजय कुमार उनके जमीन के दाखिल खारिज केस नंबर 663/2005 के निपटारे के लिए 4500 की रिश्वत मांग रहा है।

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के डीएसपी सत्येंद्र राम ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि इसका सत्यापन किया गया जो की सही पाया गया । गुरुवार को पटना से आई टीम ने जाल बिछाई तथा रमेश कुमार को तय राशि लेकर हल्का कर्मचारी से मिलने भेजा।

डीएसपी ने कहा कि डियांवा - बेरथू सड़क मार्ग पर डियांवा पुल के निकट जैसे ही संजय कुमार ने रमेश कुमार से 4500 रुपए की राशि स्वीकार की वैसे ही उसे रंगे हाथ पैसे के साथ धर दबोचा गया।

उसे हिरासत में लेकर निगरानी विभागकी टीम करायपरसुराय थाना पहुंची जहां कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे अपने साथ पटना ले गई। निगरानी विभाग की इस कार्रवाई के बाद विभिन्न कार्यालय में कार्यरत कर्मियों के बीच हड़कंप मच गया।

अनियंत्रित हो पुल से पानी में गिरी कार, दो की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मधुबनी । लखनौर थाना के बलिया एवं खैरी गांव के बीच एक पुल से कार अनियंत्रित होकर नीचे गहरे पानी में गिर गई। शीशा पैक गाड़ी में पानी भर गया जिसमें दम फुलने एवं डूबने से दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।

मृतकों की पहचान लखनौर गांव निवासी एयर फोर्स से सेवानिवृत लगभग 60 वर्षीय चंद्रमोहन झा एवं उनका कार चालक लखनौर गांव का ही लगभग 45 वर्षीय पूरन माली के रूप में हुई है। दुर्घटना के बाद जानकारी सार्वजनिक होने पर कुछ स्थानीय लोग और लखनौर के लोगों ने कार के पीछे का शीशा तोड़कर दोनों के शव को बाहर निकाला है।सूचना पर पुलिस भी पहुंची है। थानाध्यक्ष कार्तिक भगत ने दो मौत की पुष्टि की है।

घटना के बावत जानकारी है कि चंद्रमोहन झा अपनी कार से चालक के साथ अपने किसी रिश्तेदार के यहां दरभंगा जिला के पाली के नजदीक गनौन गांव जा रहे थे। जिस पुल पर उनकी कार दुर्घटना की शिकार हुई, उस पुल की उंचाई सड़क से ज्यादा है।बलिया की ओर से पुल पर चढने के बाद पुल पार करने पर एक जानलेवा गढ्ढा है। समझा जाता है कि तेजी से कार पुल पर चढने के बाद जब उस गढ्ढे में पड़ी होगी तो उछलकर अनियंत्रित होकर नीचे चली गई।

पुलिस ने शव को समाचार प्रेषण तक लखनौर पीएचसी में रखे हुए है। लखनौर गांव से पीएचसी मृतक के स्वजन पहुंच गए हैं। थानाध्यक्ष कार्तिक भगत ने बताया कि पंचनामा तैयार किया जा रहा है। दोनों शव को अन्त्यपरीक्षण में भेजा जाएगा। अचानक हुई इस हादसा के बाद लखनौर में मातमी सन्नाटा पसरा है।

मुख्यमंत्री ने मीठापुर-महुली-पुनपुन पथ एवं सर्विस पथ का किया निरीक्षण

अधिकारियों को निर्माण में तेजी लाकर कार्य पूर्ण करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मीठापुर-महुली-पुनपुन पथ फेज- 2 के तहत सिपारा गुमटी पर रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य तथा सिपारा से मीठापुर एलिवेटेड 2.1 किलोमीटर निर्माणाधीन पथ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने मीठापुर फ्लाईओवर, सिपारा गुमटी एवं बाईपास के निकट निर्माणाधीन कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाकर निर्धारित समय सीमा के अंदर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। ज्ञातव्य है कि मीठापुर-महुली-पुनपुन पथ की कुल लंबाई 11.90 किलोमीटर है जिसमें 5.20 किलोमीटर एलिवेटेड (4-लेन) पथ तथा 6.70 किलोमीटर एटग्रेड (4-लेन) पथ शामिल है। इसमें भूपतिपुर से महुली एलिवेटेड पथ का निर्माण कार्य पूर्ण करते हुए चालू कर दिया गया है। साथ ही महुली से पुनपुन एटग्रेड पथ का भी निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है जिसका उद्घाटन 16.06.2025 को मुख्यमंत्री द्वारा किया जा चुका है। वर्तमान में फेज-2 के तहत सिपारा गुमटी पर रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के निर्माण कार्य तथा सिपारा से मीठापुर एलिवेटेड 2.1 किलोमीटर पथ का निर्माण कार्य जारी है जिसे अगस्त-2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है। इस 4-लेन पथ का निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने से लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी तथा पटना शहर में जाम की समस्या से निजात मिलेगी। यह 4 लेन सड़क पुनपुन में पटना-गयाजी नेशनल हाइवे पथ से जुड़ने के कारण पटना से गयाजी आवागमन में लोगों को काफी सुविधा होगी। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने मीठापुर फ्लाईओवर से चिरैयाटांड़ फ्लाईओवर को जोड़ने हेतु पहुंच पथ एवं सर्विस पथ के निर्माणाधीन कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन कार्य की प्रगति एवं अद्यतन स्थिति के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। ज्ञातव्य है कि मीठापुर-चिरैयाटांड़-करबिगहिया फ्लाईओवर पथ, पटना शहर स्थित मीठापुर फ्लाईओवर से चिरैयाटांड़ फ्लाईओवर (भाया करबिगहिया) को जोड़ने हेतु पहुंच पथ एवं सर्विस पथ (दोनों तरफ) का निर्माण कार्य जारी है। इस पथ की चौड़ाई 15.50 मीटर तथा लम्बाई 1.73 किलोमीटर है जिसे जून 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है। इस फ्लाईओवर का निर्माण कार्य पूर्ण होने से करबिगहिया स्टेशन के समीप स्टेशन होते हुए कंकड़बाग इलाके से जुड़ेगा। साथ ही यह फ्लाईओवर मीठापुर गोलम्बर से निर्माणाधीन नए महुली-मीठापुर फ्लाईओवर तथा मीठापुर गोलम्बर से एन0एच0-31 न्यू बाईपास से भी जुड़ेगा। इस फ्लाईओवर के बन जाने से लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी तथा पटना शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या में कमी आयेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, पथ निर्माण विभाग के सचिव डॉ. संदीप कुमार आर. पुदकलकट्टी, बिहार राज्य पथ विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक, जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एस.एम. सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य साक्षरता और संवाद ही है महिला सशक्तिकरण की कुंजी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी. डी. कॉलेज, पटना में इक्विटी फाउंडेशन के सहयोग से महिला स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य, पोषण और निवारक स्वास्थ्य देखभाल जैसे विषयों पर जागरूक करना था। प्राचार्या प्रो. (डॉ.) रत्ना अमृत ने अपने स्वागत वक्तव्य में कहा कि 'महिला स्वास्थ्य के लिए प्रारंभिक जागरूकता, स्वास्थ्य साक्षरता और खुला संवाद अत्यंत आवश्यक है। यही महिला सशक्तिकरण की वास्तविक कुंजी है।' मुख्य वक्ता डॉ. निमिषा अग्रवाल ने मनोदैहिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और पोषण पर छात्राओं के साथ संवादात्मक चर्चा की। इक्विटी फाउंडेशन की संस्थापक सदस्य नीना श्रीवास्तव भी इस अवसर पर उपस्थित रहीं जिनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक प्रेरणादायी बना दिया। संस्था के प्रतिनिधियों ने महिलाओं के स्वास्थ्य संवर्धन और सामाजिक कलंकों को दूर करने पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन विशाल विजय (एन.एस.एस.) ने किया और धन्यवाद ज्ञापन नीतू तिवारी ने प्रस्तुत किया।

कृषि मंत्री ने किया सोनपुर मेला में कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन

फसल अवशेषों को खेतों में न जलाने की अपील

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव द्वारा आज विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला में कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष, राज्य किसान आयोग रूप नारायण मेहता प्रधान सचिव, कृषि पंकज कुमार, विशेष सचिव वीरेन्द्र प्रसाद यादव, प्रबंध निदेशक, बी0आर0बी0एन0 डॉ0 स्पर्श गुप्ता, कृषि निदेशक नितिन कुमार सिंह, निदेशक उद्यान अभिषेक कुमार सहित सारण क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, कृषि विभाग के पदाधिकारीगण एवं किसानगण उपस्थित थे। मंत्री ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि हरिहर क्षेत्र के इस पावन धरती पर विश्व प्रसिद्ध मेला में कृषि प्रदर्शनी का शुभारम्भ करते हुए मुझे हर्ष एवं गर्व महसूस हो रहा है। सोनपुर वह पावन धरती है जहां पौराणिक काल में कभी गज एवं ग्राह की लड़ाई हुई थी। गज अपने को असुरक्षित महसूस कर भगवान से मदद की गुहार लगाया था एवं भगवान असहाय गज की पुकार सुन स्वयं प्रकट होकर ग्राह से गज की रक्षा की थी। यहां बाबा हरिहरनाथ जी का भव्य पौराणिक मंदिर भी है। प्राचीन हरिहरनाथ मंदिर हिन्दुओं का एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है जहां वर्षों से कार्तिक पूर्णिमा से एक महीने तक के लिए विश्व प्रसिद्ध मेला का आयोजन किया जाता रहा है।

गोरखपुर-पीलीभीत एक्सप्रेस का इज्जतनगर (बरेली) तक विस्तार

अश्विनी वैष्णव और जितिन प्रसाद ने किया रेल भवन, नई दिल्ली से विस्तार का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। लंबे वक्त से चली आ रही जनता की मांग को पूरा करते हुए केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी और वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के साथ, रेल भवन, नई दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए गोरखपुर-पीलीभीत एक्सप्रेस के इज्जतनगर (बरेली) तक विस्तार को हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेन पहले लखीमपुर और गोरखपुर के बीच चलती थी और कुछ महीने पहले ही इसकी सेवा पीलीभीत तक बढ़ाई गई थी। अब इसे बरेली तक बढ़ा दिया गया है। यह पहल उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में संपर्क को मजबूत करने और इसे विकास की मुख्यधारा से और अधिक प्रभावी ढंग से जोड़ने की दिशा में भारतीय रेलवे द्वारा उठाया गया एक बड़ा कदम है। इज्जतनगर (बरेली) तक सेवा के विस्तार की सेवा का इंतजार स्थानीय निवासियों को लंबे समय से था। अब इसके होने से इस क्षेत्र को दूरगामी लाभ होने की उम्मीद है। इससे कृषि और वन उत्पादों के लिए बेहतर बाजार पहुंच मुमकिन होगी, लोगों की आवागमन संबंधी जरूरतें पूरी होंगी और तराई क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में भी तेजी आएगी। बेहतर संपर्क के चलते पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे जिससे समग्र क्षेत्रीय विकास को बल मिलेगा। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 2014 से उत्तर प्रदेश में हुए रेलवे के अभूतपूर्व विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि राज्य में 5,272 किलोमीटर नए ट्रैक बनाए गए हैं, जो स्विट्जरलैंड के पूरे रेल नेटवर्क से भी ज्यादा है। इसके साथ ही राज्य ने अपने रेल मार्गों का 100% विद्युतीकरण भी हासिल कर लिया है। उन्होंने यह भी बताया कि इस अवधि के दौरान पूरे उत्तर प्रदेश में 1,660 फ्लाईओवर और रोड अंडरब्रिज बनाए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने जानकारी दी कि यात्रियों हेतु सुविधा बढ़ाने के लिए भारतीय रेलवे ने विभिन्न स्टेशनों पर 154 लिफ्ट और 156 एस्केलेटर लगाए हैं और अब उत्तर प्रदेश के 771 स्टेशनों पर वाई-फाई की सुविधा भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य में वर्तमान में 34 वंदे भारत एक्सप्रेस और 26 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चल रही हैं जिससे मुसाफिरों के लिए उच्च-गुणवत्ता वाले यात्रा विकल्पों में खासा सुधार हुआ है।

बिहार में बसपा को बड़ा झटका, प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार ने दिया इस्तीफा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

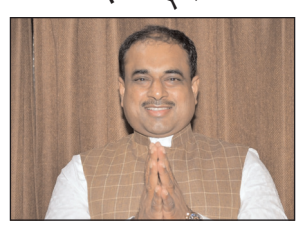

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को एक बड़ा सियासी झटका लगा है। पार्टी के बिहार प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार ने अपने पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इसके पीछे निजी कारणों का हवाला दिया है। उनके इस अचानक फैसले से बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है और पार्टी संगठन में भी चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। अपने त्यागपत्र में अनिल कुमार ने पार्टी अध्यक्ष मायावती को संबोधित करते हुए लिखा कि वे वर्तमान में अपरिहार्य निजी कारणों के चलते पार्टी के कार्यों में अपना पूरा समय और योगदान देने में असमर्थ हैं। इसी वजह से वे स्वेच्छा से बिहार प्रदेश प्रभारी पद के साथ-साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे रहे हैं।

रेल मुख्यालय हाजीपुर में 'हरिवंश राय बच्चन' की जयंती मनी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल मुख्यालय, हाजीपुर में 'हरिवंश राय बच्चन' की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मुख्य राजभाषा अधिकारी सह प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक विजय कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि हरिवंश राय बच्चन हिंदी के वैसे साहित्यकार रहे हैं जिन्होंने हिंदी के प्रचार-प्रसार में अभूतपूर्व योगदान दिया है। 27 नवंबर, 1907 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के बाबूपट्टी नामक गांव में इनका जन्म हुआ था और इन्होंने 'मधुशाला', 'बुद्ध और नाच घर' आदि कई प्रसिद्ध काव्य संग्रहों को रचते हुए हिंदी साहित्य में एक नए वाद जिसे हम हालावाद के नाम से जानते हैं, उसे जन्म दिया। इनकी आत्मकथा 'क्या भूलूं क्या याद करूं', 'नीड़ का निर्माण फिर', 'बसेरे से दूर' एवं 'दशद्वार से सोपान तक' हिंदी साहित्य की अमूल्य धरोहर है। इन आत्मकथाओं में समकालीन साहित्य-संस्कृति के साथ सामाजिक, राजनैतिक संदर्भ हैं जिन्हें हमें जरूर पढ़ना चाहिये। मौके पर आमंत्रित वक्ता प्रियदर्शी सुजीत, उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (दावा) ने बचपन की यादों को साझा करते हुए हरिवंश राय बच्चन की कविताओं की मार्मिकता और उसकी व्यापकता को बड़े ही प्रभावी तरीके से श्रोताओं के समक्ष रखा। इसी के साथ अपने वक्तव्य में संतोष कुमार गुप्ता, उप विसमुलेधि (सामान्य) ने बच्चन जी के जीवन और साहित्य पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि बच्चन जी की कविताएं भारतीय परंपरा की उत्सवधर्मिता को व्यक्त करती हैं। यह उत्सव जीवन जगत के तमाम चुनौतियों से जूझते हुए ही मनाया जा सकता है।

पटना में रोटरी फाउंडेशन डिस्ट्रिक्ट सेमिनार कल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम की ओर से 'उपहार-द रोटरी फाउंडेशन डिस्ट्रिक्ट सेमिनार' का आयोजन 29 नवंबर 2025 को होटल पनाश में किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन दानापुर के विधायक रामकृपाल यादव द्वारा किया जाएगा। सेमिनार में रोटरी फाउंडेशन की गतिविधियों, सेवा परियोजनाओं और सामुदायिक विकास से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी। इस अवसर पर रोटरी वर्ष 2025-26 के लिए जिला गवर्नर रोटेरियन नम्रता सहित कई वरिष्ठ रोटेरियन भी उपस्थित रहेंगे। रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम की ओर से कार्यक्रम की चेयरपर्सन सोनल जैन और प्रेसिडेंट अमिताभ बंका ने बताया कि आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि यह फाउंडेशन सेमिनार सामाजिक कार्यों को नई गति देने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। रोटरी पदाधिकारियों ने सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

श्रमिक चौपाल में श्रमिकों को कल्याणकरी योजनाओं की दी गयी जानकारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत सरकार श्रम मंत्रालय दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड के तत्वावधान में प्रेम यूथ फाउंडेशन के सहयोग से खुसरूपुर प्रखण्ड के मोसिमपुर में श्रमिक चौपाल का आयोजन किया गया। मौके पर उपस्थित क्षेत्रीय निदेशक विनोद जोशी ने बताया कि श्रमिकों के कल्याण के लिए दर्जनों योजनाओं का संचालन कर रही है। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए ई श्रम कार्ड, आभा कार्ड और लेबर कार्ड मिल का पत्थर साबित हो रहा है। श्रमिकों को जागरूक करने के लिए प्रत्येक गांव में श्रमिक चौपाल लगाया जा रहा है। सैकड़ों लोगों को निःशुल्क आभा कार्ड, आयुष्मान कार्ड, ई श्रम कार्ड, लेबर कार्ड बनाया गया। फाउंडेशन के प्रोग्राम ऑफिसर सुजीत कुमार ने कहा कि फाउंडेशन श्रमिकों के हितों के रक्षा के लिए संकल्पित है। श्रमिकों को जन्म से मृत्यु तक के लिए सरकार कल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है, लेकिन जागरूकता के अभाव में श्रमिक इसका लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। फाउंडेशन लगातार जन चेतना अभियान चलायेगा। चौपाल में गोपी कुमार, अशोक दास समेत सैकड़ों श्रमिक शामिल हुये।

युवाओं की आंखों को सुरक्षित रखने के लिए चलाया जागरूकता अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मातानंद वेलफेयर फाउंडेशन और स्ट्रैबिस्मस एंड पीडियाट्रिक ऑफ्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (एसपीओएसआई) के सहयोग से एंटोड फार्मास्यूटिकल्स ने राष्ट्रीय मायोपिया सप्ताह 2025 का समर्थन किया गया। यह राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान एक हफ्ते यानि 14 से 20 नवंबर, 2025 तक चला। (ऑपरेशन मायोपिया)-युवा आंखों की सुरक्षा के लिए मिशन थीम वाली इस पहल का उद्देश्य प्रिवेंटिव एजुकेशन (निवारक शिक्षा), विजन स्क्रीनिंग (दृष्टि जांच) कार्यक्रमों और सक्रिय सामुदायिक भागीदारी के जरिए पूरे भारत में बच्चों और युवाओं में मायोपिया की बढ़ती घटनाओं को कम करना था। बाल दिवस से शुरू हुए इस अभियान का उद्देश्य नियमित आंखों की जांच, बाहर खेलने और स्क्रीन के संपर्क को कम करने पर जोर देना था, ताकि भारत में बच्चों में बढ़ती ''मायोपिया महामारी'' को रोका जा सके। एंटोड फार्मास्यूटिकल्स का उद्देश्य जमीनी और डिजिटल जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जनता तक पहुंचाना और उन्हें शिक्षित करना था, ताकि उन्हें आंखों के स्वास्थ्य और जल्दी हस्तक्षेप के महत्व के बारे में व्यावहारिक जानकारी मिल सके। इस साल के अभियान का एक प्रमुख आकर्षण 'मायोपिया प्रतिज्ञा-राष्ट्रीय मायोपिया सप्ताह 2025' था।

दानापुर मंडल के पटना जंक्शन पर 'रहें सदा सतर्क' नुक्कड़ नाटक का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। दानापुर मंडल ट्रेनों के परिचालन के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में समाज कल्याण से जुड़ी गतिविधियों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी क्रम में दानापुर मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा मंडल संस्कृतिक संघ की प्रस्तुति नुक्कड़ नाटक रहे सदा सतर्क का पटना जंक्शन पर मंचन किया गया। अरुण कुमार द्वारा निर्देशित इस नाटक में रेलवे में नौकरी के नाम की जाने वाली ठगी से बचने के लिए एवं आम जनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से बहुत रोचक ढंग से नाटक की प्रस्तुति की गई। इसमें यह बताया गया कि कैसे नौकरी के नाम पर होने वाले फर्जीवाड़ा से सावधान रहना चाहिए तथा उचित तरीके से नौकरी पाने को प्रयास किया जाना चाहिए। नाटक में शिव कुमार पासवान, अरुण कुमार, रंजन कुमार सिंह, राजेश कुमार, चंदन शर्मा, पवन कुमार, गोपाल चंद्र वर्मा, रूबी कुमारी ने अपने अभिनय से आकर्षित किया। वही ढोलक पर विजय कुमार थे। आगे भी दानापुर मंडल के द्वारा विभिन्न स्टेशनों पर इस प्रकार के नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

ए.एन. कॉलेज के सभागार में 'मंथन- रोजगार संवाद' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय और मेधा लर्निंग फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में ए.एन. कॉलेज के सभागार में 'मंथन-रोजगार संवाद' विषय पर एक दिवसीय महत्वपूर्ण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के एनइपी इंटर्नशिप कोऑर्डिनेटर, बिहार की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, विभिन्न उद्योगों के नियोक्ता एवं अनेक महाविद्यालयों के एनईपी कोऑर्डिनेटर शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, डॉ अबू बकर ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे कार्यक्रम उद्योग क्षेत्र और शिक्षा जगत की वर्तमान आवश्यकताओं को समझने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि एनइपी2020 के अनुरूप विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव दिलाने और पाठ्यक्रम आधारित इंटर्नशिप उपलब्ध कराने के लिए शिक्षा संस्थानों एवं उद्योगों के बीच घनिष्ठ सहयोग आवश्यक है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण एवं सार्थक पहल के लिए मेधा लर्निंग फाउंडेशन के प्रति आभार जताया। पीपीयू के डीएसडबल्यू प्रो. राजीव रंजन ने उद्योगों को यूनिवर्सिटी के साथ-साथ सहयोग के लिए आमंत्रित किया और आगे इस प्रोग्राम को एकेडमिक सत्र की शुरूआत में ही करवाने की बात की। कार्यक्रम की अध्यक्षता ए.एन. कॉलेज की प्राचार्य, प्रो. रेखा रानी ने की। उन्होंने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम महाविद्यालयों को यह समझने में अत्यंत सहायक हैं कि विद्यार्थियों को वर्तमान उद्योग आवश्यकताओं के अनुरूप कौन-कौन से कौशल सिखाए जाएं। ताकि वे योग्य, सक्षम और इम्पलॉयबल बन सकें। ए. एन. कॉलेज के एनईपी कोऑर्डिनेटर प्रो. के. एन मिश्रा ने इंडस्ट्री और एकेडमिया के बीच तारतम्यता और इंटर्नशिप की उद्देश्यों पर अपनी बात रखी। मेधा के बिहार प्रोग्राम लीड चंद्र भूषण जी ने इस मंथन कार्यक्रम की जरूरत और कार्यक्रम की रूपरेखा पर अपनी बात रखी।

मारवाड़ी हेल्थ सोसाइटी ने कराया दस मरीजों का नि:शुल्क फेको विधि से ऑपरेशन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मारवाड़ी हेल्थ सोसाइटी द्वारा दस मरीजों का निःशुल्क फेको विधि से मोतियाबिंद का आपरेशन कराया गया। मरीजों के मोतियाबिंद का यह आपरेशन डॉ अभिषेक केडिया द्वारा किया गया। जानकारी देते हुए सोसाइटी के अध्यक्ष राधेश्याम बंसल ने बताया कि मरीजों का चयन रविवार 23 नवम्बर को हुए नेत्र जांच शिविर में किया गया था। मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष हनुमान गोयल ने बताया कि सभी मरीजों को आपरेशन के बाद दवा एवं चश्मा भी दिया गया। मौके पर सचिव दिनेश अग्रवाल ने बताया कि सोसाइटी द्वारा रविवार 30 नवम्बर को सर्वाइकल कैंसर का दूसरा डोज 30 लड़कियों को दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त करीब तीस अन्य किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर का प्रथम डोज भी दिया जाएगा। मीडिया प्रभारी एम पी जैन ने बताया कि आज के इस कैम्प को सफल बनाने में महावीर अग्रवाल, राधेश्याम बंसल, दिनेश अग्रवाल, हनुमान गोयल, विनोद अग्रवाल, संजय भलोटिया, सुजीत सिंघानिया सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। मौके पर संस्थापक अध्यक्ष महावीर अग्रवाल ने बताया कि आगामी रविवार 30 नवम्बर को समिति द्वारा सर्वाइकल कैंसर वैक्सिनेशन का दूसरा डोज प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ श्रवण कुमार एवं डॉ उषा अग्रवाल, डॉ चारु मोदी तथा डॉ निमिषा अग्रवाल की देख रेख में किशोरियों को लगाया जाएगा।

संपादकीय

चाहे संसद का कोई भी सदन हो... आलोचना के लिए भी जगह होनी चाहिए

संसद का शीत सत्र 1 दिसंबर से शुरू होगा। सदन के कामकाज को सुचारू ढंग से चलाने के लिए राज्यसभा बुलेटिन जारी किया गया है, जिसमें सदस्यों के लिए 'करने' और 'न करने' वाली बातों का जिक्र है। इसी बुलेटिन के मुताबिक, सभापति के निर्णय की सदन के अंदर या बाहर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आलोचना नहीं की जानी चाहिए। बुलेटिन में कहा गया है कि सभापति सदन के पूर्व उदाहरणों के अनुसार निर्णय देते हैं और जहां कोई पूर्व उदाहरण नहीं होता, वहां सामान्य संसदीय परंपरा का पालन किया जाता है। जाहिर तौर पर इस दिशानिर्देश का मकसद राज्यसभा की कार्यवाही को बेहतर बनाना है, लेकिन इसमें आलोचना की भी जगह होनी चाहिए। आलोचना और वाद-विवाद संसदीय परंपरा का हिस्सा हैं। जब तक कि आलोचना पूर्वाग्रह से ग्रसित या व्यक्तिगत न हो, तब तक उसका स्वागत किया जाना चाहिए। यही भाव देश की दूसरी संवैधानिक संस्थाओं को लेकर भी है, मसलन- अदालत के फैसले को चुनौती दी जा सकती है। फैसलों से असहमति जताई जा सकती है और उनके खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील की जा सकती है। आलोचना और असहमति की आजादी के बिना यह संभव न होता। चुनावी राजनीतिक व्यवस्था में विपक्ष से हर बात पर सहमति की उम्मीद करना बेमानी है। फिर अभी देश का जैसा सियासी माहौल है, उसमें सदन के भीतर और बाहर टकराव आम है। पिछले कई उदाहरण हैं, जहां विपक्ष और चेयर के बीच तनाव भरे रिश्ते देखने को मिले। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदड़ धनखड़ के कार्यकाल में तो यह तनाव बिल्कुल चरम पर था। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश की एक टिप्पणी को लेकर राज्यसभा की प्रिविलेज कमिटी में मामला चल रहा है, जो उसी तनाव का नतीजा है। लोकतंत्र में कोई भी आलोचना के परे नहीं कहा जा सकता। यह तो बेहतरी का जरिया है। राज्यसभा बुलेटिन से ऐसा भी लग सकता है कि सांसदों की अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश लगाया जा रहा है, जिसका संदेश अच्छा नहीं जाएगा। हां, इस बात का ख्याल सभी को रखना चाहिए कि अभिव्यक्ति या आलोचना का अधिकार भी कुछ सीमाओं के साथ लागू होता है। शीत सत्र वैसे भी सरकार और विपक्ष के संबंधों की नई आजमाइश है। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के लिए यह पहला सेशन है। मॉनसून सत्र का अनुभव अच्छा नहीं था। तब राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी केवल 38.88 प्रतिशत थी।

राम मंदिर आज हिंदुओं का प्रमुख तीर्थ बन गया है। प्रतिदिन 80 हजार से एक लाख भक्त रामलला के दर्शन कर उन्हें प्रणाम करते हैं। कई अवसर पर तो ये संख्या डेढ़ लाख से ज्यादा हो जाती है। आज दुनिया भर में बसे लगभग हर सनातनी के मन में एक ही इच्छा है किसी तरह वह अयोध्या जाकर राम मंदिर के दर्शन कर सके। रामलला के दर्शन के लिए यदि अयोध्या जी जा रहे हैं तो निश्चित होकर जाएं। ये मानकर जाए कि भगवान के घर जा रहे हैं। उनकी शरण में जा रहे हैं। बस फिर किसी चिंता की जरूरत नहीं। दर्शन के लिए किसी की सिफारिश मत कराइए। सीधे जाइए। दर्शन करिए और 20 से 30 मिनट में दर्शन कर मंदिर से बाहर आ जाइए। हमारा दावा है विश्व के किसी भी धर्म के तीर्थस्थल से इससे ज्यादा सुलभ दर्शन कहीं संभव नही हैं।

अयोध्या जी, बहुत सुलभ हैं रामलला के दर्शन

(अशोक मधुप)

राम मंदिर आज हिंदुओं का प्रमुख तीर्थ बन गया है। प्रतिदिन 80 हजार से एक लाख भक्त रामलला के दर्शन कर उन्हें प्रणाम करते हैं। कई अवसर पर तो ये संख्या डेढ़ लाख से ज्यादा हो जाती है। आज दुनिया भर में बसे लगभग हर सनातनी के मन में एक ही इच्छा है किसी तरह वह अयोध्या जाकर राम मंदिर के दर्शन कर सके। भगवान राम को शीश नवाए। हाल ही में हम पत्रकारों के एक सम्मेलन में अयोध्या जी में थे। रामलला के दर्शनों के लिए आ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को देख मेरे एक साथी लखनऊ के वरिष्ठ पत्रकार दिनेश शर्मा ने कहा था कि अयोध्या जी आने वाले समय में हिंदुओं का प्रमुख श्रद्धा का केंद्र होगा। यहां प्रत्येक हिंदू?सनातनी आकर शीश नवाना अपने जीवन का एक लक्ष्य बनाएगा। शीश नवाकर अपने को कृतार्थ मानेगा।

अयोध्या में राम मंदिर बनने से पहले कभी श्रद्धालुओं को संकरी गलियों से गुजरने के बाद टेढ़े मेढ़े और उभर खाबड़ रास्तों से गुजरकर मंदिर तक पहुंचना होता था। आम श्रद्धालुओं के लिए ये यात्रा और कितनी दुरूह रहती होगी, यह समझते बनता है। इस सबके बावजूद यहां आने वाले श्रद्धालुओं का उत्साह और जोश देखते बनता था। अब मंदिर परिसर बन गया। भव्य मंदिर बन गया। 25 नंवबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर पर भव्य ध्वजारोहण करेंगे। भव्य समारोह होगा। इस आयोजन के प्रत्यक्षदर्शी बनने के लिए दुनिया भर से हजारों प्रमुख व्यक्ति आ रहे है। उम्मीद है कि ध्वजारोहण के दिन अयोध्या में वीवपीआईपी के एक सौ के आसपास जेट आएंगे।

अयोध्या आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु इस बात को लेकर आंशकित होता हैं, कि इतनी भीड़ में दर्शन कैसे होंगे? पूजा कैसे होगी? प्रसाद कैसे चढ़ेगा? सब चाहते हैं कि मंदिर आगमन की स्मृति फोटो के रूप में अपने पास सुरक्षित रखें। यहां स्थिति अन्य मंदिर से बिल्कुल भिन्न है। यहां न पूजा की व्यवस्था है, न प्रसाद चढ़ने का प्रबंध। यहां पूजन कराने वाले पुजारी भी नही है। यहां तो बस मंदिर आइए। रामलला के दर्शन करिए। प्रभु को शीश नवाइए और बाहर आ जाइए। यहां प्रसाद लेकर जाने की जरूरत नही है। मंदिर की ओर से प्रत्येक श्रद्धालु को प्रसाद मिलता है। मंदिर परिसर में मोबाइल वर्जित है। परेशानी उन्हें होती है जो सुरक्षा कर्मियों की नजर बचाकर मोबाइल मंदिर में लेकर जाना चाहते हैं। सुरक्षा जांच में मोबाइल पकड़ा जाता है। इन मोबाइल ले जाने वालों को लौटकर मंदिर के गेट पर आकर लॉकर में फोन रखकर फिर दर्शन को जाना पड़ता है। इस तरह इन्हें अन्य श्रद्धालुओं से एक डेढ़ किलोमीटर ज्यादा चलना होता है। मंदिर में अपना सामान करने के लिए लॉकर की व्यापक व्यवस्था है, किंतु इस काम में लगभग आधा घंटा लग जाता है। अच्छा यह है कि अपना पर्स, लैदर की बैल्ट, मोबाइल और कैमरा अपने कमरे पर छोड़ कर आए। अपनी आईडी और जरूरत के लिए रुपये अपनी जेब में रखलें। हमने ऐसा ही किया। इससे मंदिर के लॉकर में सामान जमा करने का हमारा आधे से एक घंटा बच गया। हम दर्शन कर 20 से 25 मिनट में मदिर से बाहर आ गए। व्हील चेयर लेने वालों और दिव्यांग के लिए तो और सुविधा है। उनका जाने का रास्ता अलग से है।

भारत के उत्तर-प्रदेश राज्य में स्थित अयोध्या, जो पारंपरिक रूप से एक अलग त्वरित तीर्थ-नगर थी, अब आधुनिकता और भक्ति के संगम का उदाहरण बनती जा रही है। खास कर राम जन्मभूमि (जिसके अंतर्गत राम मंदिर का निर्माण हुआ) के बाद इस नगर में बड़े पैमाने पर विकास कार्य चल रहे हैं। ये कार्य सिर्फ धार्मिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक एवं पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण हैं। यहां 15-16 करोड़ के करीब यात्री अब प्रतिवर्ष आने लगे हैं। आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ेगी ही। इस बढ़ती संख्या ने होटल, गेस्ट-हाउस, परिवहन-सेवाएँ, स्थानीय व्यापार व स्मृति-चिंतन उद्योग को गति दी है। अतः अयोध्या अब सिर्फ भक्ति-की जगह नहीं बल्कि एक सेवा-आधारित अर्थव्यवस्था (हॉस्पिटैलिटी, रिटेल, परिवहन) का केन्द्र बनती जा रही है। इस प्रकार मंदिर-के पश्चात् अयोध्या की पहचान बदल रही है। अब अयोध्या 'भक्ति नगर' से 'भक्ति + विकास नगर' की ओर बढ़ रही है। विकास-यात्रा में पहुँचना और सहज अनुभव देना अहम है। इसलिए अयोध्या में कई बुनियादी संरचना-परियोजनाएँ लाई गई हैं।

एयर-कनेक्टिविटी के लिए महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा का निर्माण हुआ है। इसमें आने वाले चरणों में टर्मिनल विस्तार व रनवे विस्तार भी शामिल है। अयोध्या में रेलवे स्टेशन व आधुनिकीकृत सड़कें बनायी गई हैं। अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन विश्व का श्रेष्ठतक रेलवे स्टेशन बनाने का प्रयास है। यहां यात्रियों के लिए तीन सौ के आसपास डार्मेट्री और कुछ रिटायरिंग रूम बनाये गए हैं। अन्य काम जारी है।

राम मंदिर के आसपास के तीर्थ स्थलों के लिए पैदल जाने के लिए मार्ग विकसित किया जा रहा है। इसे भक्ति पथ नाम दिया गया यह मार्ग, रामपथ से निकलता हुआ मंदिर के आसपास श्रद्धालुओं के चलने-वाले हिस्सों को सजाता है एवं पैदल यात्रियों के लिए खास व्यवस्था करता है। इसमें दुकानों-घरों को अलग रंग-रूप दिया गया है। भक्ति पथ वाले हिस्सों में 'सफ़ेद एवं भोरका' रंग के बजाय एक विशिष्ट सजावट का उपयोग हुआ है। भक्ति पथ मंदिर-मार्ग के उन हिस्सों को सूचीबद्ध करता है जहाँ पैदल-यात्रा अधिक होती है, अतः इस तरह से इसका उद्देश्य अभ्यागतों को आरामदायक एवं सुरक्षित चलने-वाले मार्ग देना है।

राम मंदिर तक पंहुच के मार्ग का नाम राम पथ दिया गया है। यह एक प्रकार से रिंग रोड जैसा है। इस मार्ग को भव्य रूप दिया जा रहा। यह मार्ग लगभग 13 किलोमीटर लंबा है और प्रमुख रूप से सहादतगंज से लेकर नया घाट (या नायाघाट) तक जाता है। इस मार्ग के दोनों किनारों पर दुकानों-घरों की एकरूप रूप से मरम्मत एवं पेंटिंग की गई है। सभी को एक समान रंग-रूप में सजाया गया है। सड़क को चौड़ा किया गया है और मुख्य रूप से 40 फीट या उससे अधिक चौड़ाई वाला बना कर बनाया गया है ताकि भीड़-भाड़ व आने-जाने में आराम हो सके। लाईटिंग-सिस्टम, फावड़े-प्लांटर्स, पेड़-पौधे, फुटपाथ, मिडियन में धार्मिक प्रतीक-स्तंभ जैसी सुविधाएं लगाई गई हैं। स्थानीय प्रशासन ने श्रद्धालुओं के लिए इस मार्ग पर गोल्फ कार्ट (इलेक्ट्रिक बग्गी) चलाई है। इसका प्रतियात्री किराया 20 रुपया रखा गया है। इस किराए के से आप इस मार्ग के किसी भी स्थान तक जा सकतें हैं। इन सरकारी गोल्फ कार्ट के कारण ई?रिक्शा चालक भी मनमाने दाम नहीं वसूल कर पाते।

पुरानी परंपरा के हिस्से के रूप में 84 कोसी परिक्रमा मार्ग को श्रद्धा-परिक्रमा मार्ग नाम दिया गया है। इसे राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा (एनएच-227बी) मिला है। इससे अयोध्या और आसपास के तीर्थस्थलों का जुड़ाव बढ़ा है। इसको भी भव्य रूप दिया जा रहा है। इसके पुलों और फ्लाई ओवर के दोनों ओर भगवान राम के जीवन से संबधित झांकी बनाई जा रही है। नगर के बीच से एक पंचकोसी प्रतिक्रमा के विकास पर भी काम चल रहा है।

इन परिवहन सुधारों से न केवल तीर्थ-यात्रियों की सहजता बढ़ी है बल्कि स्थानीय व्यापार-संवाद व रोजगार-अवसरों में भी इजाफा हुआ है। आधुनिक विकास सिर्फ बड़ी इमारतें या सड़कें नहीं बल्कि बेहतर जीवन-मान और पर्यावरण-संगत विकास भी है। अयोध्या में इस दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। अयोध्या को 'मॉडल सोलर सिटी' घोषित किया गया है। 40 मेगावाट का सौर संयंत्र सरयू नदी के किनारे स्थापित किया गया है। इससे शहर की मांग की लगभग 25-30 प्रतिशत ऊर्जा पूरा हो रही है। यहां 550 एकड़ के नव्या अयोध्या टाउनशिप का विकास हुआ है, जिसमें स्मार्ट बिजली-डक्स, भूमिगत नाली-प्रणाली है। सरयू नदी के घाटों का सौंदर्यीकरण व लॉन्ग वॉक-वे बनाए गए हैं, जिससे पर्यटक अनुभव बेहतर हुआ है। सरयू घाट की आरती देखने को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रोड उमड़ती है। इस आरती को देखने का अभी सही प्रबंध नहीं है। उसे बनाने की जरूरत है। बड़े-बड़े टीवी भी इसे देखने के लिए लगाए जा सकते हैं। इनसे श्रद्धालु सरयू किनारे कहीं भी बैंच या फर्श पर बैठकर आराम से आरती देख ले।

मंदिर-के बाद अयोध्या में अब सिर्फ दर्शन तक सीमित नहीं रही बल्कि सांस्कृतिक और अनुभव-आधारित पर्यटन पर भी ध्यान गया है। नए संग्रहालय व सांस्कृतिक केंद्र बनाएं जा रहे हैं। मंदिर परिसर के आस-पास संग्रहालय, रामायण अध्ययन संस्थान जैसी योजनाएं चल रही हैं।

उत्सव व कार्यक्रम को रोचक बनाया जा रहा है। दीपोत्सव में लाखों दीये, ड्रोन-शो आदि का आयोजन हुआ है जो सिर्फ स्थानीय नहीं बल्कि राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय आकर्षण बना है। पारंपरिक हस्तशिल्प व पर्यटन-वस्तुओं को बढ़ावा मिल रहा है। इससे स्थानीय कारीगरों को नए?नए अवसर मिल रहे हैं।

राम मंदिर के बाद अयोध्या में जो विकास गति पकड़ी है, वह सिर्फ पूजा-पथ नहीं बल्कि समृद्धि-पथ है। तीर्थयात्रा से बढ़कर यह अब अनुभव-और-उद्यम-नगर बनता जा रहा है। लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि यह विकास वैश्विक दर्जे का होने के साथ-साथ स्थानीय अनुभव-सक्षम और पर्यावरण-अनुकूल भी बने।

अयोध्या का प्राचीन समय नाम साकेत है। साकेत भगवान राम के समय का भव्य नगर। आज का नगर उससे भी विशाल आकार ले रहा है। भगवान राम के साकेत (अयोध्या जी) पर महाकवि मैथिलीशरण गुप्त का काव्य साकेत की ये पंक्तियां इस नगर का भव्य चित्रण करती हैं।

देख लो, साकेत नगरी है यही, स्वर्ग से मिलने गगन में जा रही।
केतु-पट अंचल-सदृश हैं उड़ रहे,कनक-कलशों पर अमर-दृग जुड़ रहे।
सोहती हैं विविध-शालाएँ बड़ी; छत उठाए भित्तियाँ चित्रित खड़ी।
गेहियों के चारु-चरितों की लड़ी, छोड़ती हैं छाप, जो उन पर पड़ी!
स्वच्छ, सुंदर और विस्तृत घर बने,इंद्रधनुषाकार तोरण हैं तने।
देव-दंपती अट्ट देख सराहते; उतरकर विश्राम करना चाहते।
फूल-फलकर, फैलकर जो हैं बढ़ी, दीर्घ छज्जों पर विविध बेलें चढ़ी
पौरकन्याएँ प्रसून-स्तूप कर, वृष्टि करती हैं यहीं से भूप पर।
फूल-पत्ते हैं गवाक्षों में कढ़े, प्रकृति से ही वे गए मानो गढ़े।
दामनी भीतर दमकती है कभी, चंद्र की माला चमकती है कभी।
सर्वदा स्वच्छंद छज्जों के तले,प्रेम के आदर्श पारावत पले।
केश-रचना के सहायक हैं शिखी, चित्र में मानो अयोध्या है लिखी ! (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

क्या संसद का शीतकालीन सत्र कोई नया मानक स्थापित कर पाएगा या नहीं....

(कमलेश पांडे)

कभी लोकतंत्र की जनभावनाओं को स्पष्ट करते हुए फ्रांसीसी दार्शनिक वॉल्टेयर ने कहा था कि मैं आपके विचार से सहमत नहीं हो सकता, लेकिन उसे कहने के आपके अधिकार की रक्षा आखिरी दम तक करूंगा। लेकिन यह विशुद्ध रूप से संस्कारवान नीति की बात है। आज जबकि लोकतांत्रिक सियासत का विकृत चेहरा घटना दर घटना सामने आ चुका है और चाहे उच्च सदन हो या निम्न सदन, दोनों की विभिन्न कुसंस्कारी घटनाएं कुछ गलत नजीर/नजरिया प्रदान कर चुकी हैं तो इनकी निरन्तरता को लेकर अब प्रशासनिक और न्यायिक सख्ती की जरूरत आन पड़ी है। क्योंकि अब राजनीतिक अचार संहिता भी पक्षपात पूर्ण प्रतीत होने लगी हैं। ऐसे में फ्रांसीसी दार्शनिक वॉल्टेयर के विचारों से पूर्णतया सहमत नहीं हुआ जा सकता है। चूंकि भारतीय संसद का शीतकालीन सत्र आगामी 1 दिसंबर 2025 से शुरू होगा। इसलिए सदन के कामकाज को सुचारू ढंग से चलाने के लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष को अपनी नकारात्मक अतीत से सबक लेकर सकारात्मक दृष्टांत प्रस्तुत करना चाहिए। इसे जनहित के विषय पर स्वस्थ बहस का मंच बने रहने देना चाहिए। राजनेताओं को यह समझ लेना चाहिए कि उनकी सियासत तो होती रहेगी, लेकिन इस क्रम में जो अनैतिक परंपराएं विधायिका के ऊपर हावी होती चली जा रही हैं, उसे रोकने की प्राथमिक जिम्मेदारी हमारे माननीय सांसद बंधुओं पर ही है। क्योंकि लोकसभा व राज्यसभा की ही नकल अब विधानसभा व विधानपरिषद में ही होने लगी है। खासकर जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र आदि के नाम पर बयानबाजी व गुटबाजी तथा झड़प को रोकने की जरूरत है। यही वजह है कि सदन के कामकाज को सुचारू ढंग से चलाने के लिए राज्यसभा बुलेटिन जारी किया गया है, जिसमें सदस्यों के लिए करने और न करने वाली बातों का जिक्र किया गया है। इसी बुलेटिन के मुताबिक, सभापति के निर्णय की सदन के अंदर या बाहर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आलोचना नही की जानी चाहिए। यही स्वस्थ संसदीय परंपरा समझी जाती है। बुलेटिन में यह भी कहा गया है कि सभापति सदन के पूर्व उदाहरणों के अनुसार निर्णय देते हैं और जहां कोई पूर्व उदाहरण नहीं होता, वहां सामान्य संसदीय परंपरा का पालन किया जाता है। जाहिर तौर पर इस दिशानिर्देश का मकसद राज्यसभा की कार्यवाही को अतीत की अपेक्षा और बेहतर बनाना है, लेकिन इसमें आलोचना की भी जगह होनी चाहिए। आलोचना की जगह समालोचना हो तो और अच्छी बात होगी। लेकिन सियासी कुलोचना कतई नहीं होनी चाहिए। और न ही इसे बर्दास्त किया जाना चाहिए। इस प्रकार से देखा जाए तो राज्यसभा का बुलेटिन सदन की बेहतरी में ही मदद करेगा। चूंकि यह उच्च सदन है। इसलिए इसकी जिम्मेदारी भी ज्यादा बनती है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि आलोचना और वाद-विवाद संसदीय परंपरा का ही हिस्सा हैं। जब तक कि आलोचना पूर्वाग्रह से ग्रसित या व्यक्तिगत न हो, तब तक उसका पुरजोर स्वागत किया जाना चाहिए। कुछ यही पवित्र भाव देश की दूसरी संवैधानिक संस्थाओं को लेकर भी है, मसलन- अदालत के फैसले को चुनौती दी जा सकती है। उसके फैसलों से असहमति जताई जा सकती है और उनके खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील की जा सकती है। इस प्रकार आलोचना और असहमति की आजादी के बिना यह सबकुछ संभव ही न होता।लेकिन सदन में विपक्ष से तनाव न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है। वैसे भी चुनावी राजनीतिक व्यवस्था में विपक्ष से हरबात पर सहमति की उम्मीद करना बेमानी ही है। फिर अभी देश का जैसा सियासी माहौल है, उसमें सदन के भीतर और बाहर टकराव आम बात है। ऐसा प्रतीत होता है कि लोकसभा का भी हाल कुछ ऐसा ही ही रहेगा। क्योंकि लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष कब क्या कर बैठेंगे, कुछ कहा नहीं जा सकता है। वही लोकसभा के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके शहंशाह गृहमंत्री अमित शाह कब कौन सी रणनीति लेकर विपक्ष पर टूट पड़ेंगे, पूर्वानुमान लगाना कठिन है। वैसे भी लालकिला दिल्ली आतंकी बम ब्लास्ट की घटना से सरकार के तेवर आतंक परस्त विपक्ष को लेकर आक्रामक है। इंडिया गेट अर्बन नक्सली कांड से सरकार गम्भीर हो चुकी है। एसआईआर पर कांग्रेस और ममता के तेवर से सरकार चौकन्नी हो चुकी है। इसलिए विपक्ष को भी राष्ट्रवादी संवेदनशीलता दिखानी होगी, अन्यथा सियासी महाभारत तय है। जब युद्ध या प्रेम होगा तो स्वाभाविक रूप से सबकुछ जायज ठहराने की नापाक कोशिश होगी ही। अबतक भी तो यही सबकुछ हुआ है न! (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है)।

भारतीय परम्पराओं का अनुपालन कर हमें संयुक्त परिवारों को बचाना होगा

पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पश्चिमी सोच, चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है। इस्लाम एवं ईसाईयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता है। जो कुछ भी करना है वह इसी जन्म में करना है। भारत की आर्थिक प्रगति को रोकने, कम करने अथवा प्रभावित करने के उद्देश्य से दरअसल, चार शक्तियों ने हाथ मिला लिए हैं। ये चार शक्तियां हैं, कट्टरवादी इस्लाम, प्रसारवादी चर्च, सांस्कृतिक मार्क्सवाद एवं वैश्विक बाजार शक्तियां। हालांकि उक्त चारों शक्तियों की अन्य देशों में आपसी लड़ाई है परंतु भारत के मामले में यह एक हो गई हैं और भारत में यह आपस में मिलकर भारत के हितों के विरुद्ध कार्य करती हुई दिखाई दे रही हैं।

(प्रह्लाद सबनानी)

इसी संदर्भ में आज वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध कई झूठे विमर्श भी गढ़े जा रहे हैं। हाल ही के समय में इस प्रक्रिया ने कुछ रफ्तार पकड़ी है। विमर्श के माध्यम से जनता के मानस को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। विमर्श सत्य, अर्द्धसत्य अथवा झूठ भी हो सकता है। भारत के बारे में पूरे विश्व में धारणा है कि यहां आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा रही है। परंतु, अब पूरे विश्व में विशेष रूप से भारत के संदर्भ में पुराने विमर्श टूट रहे हैं और नित नए विमर्श गढ़े जा रहे हैं। भारत चूंकि, हाल ही के समय में वैश्विक स्तर पर एक मजबूत आर्थिक ताकत बन कर उभर रहा है, भारत की यह प्रगति कुछ देशों को रास नहीं आ रही है एवं यह सभी मिलकर भारत के सम्बंध में झूठे विमर्श गढ़ रहे हैं।

पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पश्चिमी सोच, चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है। इस्लाम एवं ईसाईयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता है। जो कुछ भी करना है वह इसी जन्म में करना है। इसके ठीक विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति पुनर्जन्म में विश्वास करती है इससे भारतीय नागरिकों द्वारा उपभोग में संयम बरता जाता है एवं उत्पादन में बहुलता होने की विचारधारा पर कार्य करते हुए दिखाई देते हैं। ईश्वर से प्रार्थना की जाती है कि प्रभु इतना दीजिए कि मैं भी भूखा ना रहूं और अन्य कोई भी भूखा ना सोय, यह भारतीय विचारधारा है।

भारतीय सनातन संस्कृति की विचारधारा के ठीक विपरीत आज वैश्विक बाजार शक्तियां भारत में भी उपभोक्तावाद को फैलाने का प्रयास कर रही हैं। विशेष रूप से दीपावली एवं रक्षाबंधन जैसे शुभ त्यौहारों के अवसर पर कुछ मीठा हो जाए जैसे विज्ञापन देकर यह विमर्श खड़ा करने का प्रयास किया जाता है कि भारतीय मिठाइयों एवं व्यंजनों जैसे जलेबी, इमरती तथा दूध एवं खोए से बनी मिठाईयां खाने से मधुमेह का रोग हो जाता है, अतः सदियों से भारत में उपयोग हो रहे इन स्वादिष्ट व्यंजनों के स्थान पर केडबरी चाकलेट अधिक स्वास्थ्यवर्धक है, जिसका अधिक उपयोग करना चाहिए। इस प्रकार, भारी भरकम राशि खर्च कर, विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा निर्मित मीठे पदार्थों को, विभिन्न विज्ञापनों के माध्यम से भारतीय समाज के मानस पर उतारने का प्रयास किया जाता है। साथ ही, विभिन्न भारतीय त्यौहारों के समय वैश्विक बाजार शक्तियों द्वारा यह भी कह कर कि, दीपावली के शुभ अवसर पर जलाए जाने वाले फटाके पर्यावरण का नुक्सान करते हैं; होली पर्व पर भारी मात्रा में पानी की बर्बादी की जाती है; महाशिवरात्रि पर्व पर दूध की बर्बादी की जाती है; माई बॉडी माई चोईस; हमको भारत में रहने में डर लगता है; आदि विमर्श स्थापित करने का प्रयास किया जाता है। कुल मिलाकर पश्चिमी देशों द्वारा आज भारतीय सनातन संस्कृति पर आधारित हिन्दू परम्पराओं पर लगातार प्रहार किए जा रहे हैं। भारतीय सनातन संस्कारों के अनुसार भारत में कुटुंब को एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में स्वीकार किया गया है एवं भारत में संयुक्त परिवार इसकी परिणती के रूप में दिखाई देते है। परंतु, पश्चिमी आर्थिक दर्शन में संयुक्त परिवार लगभग नहीं के बराबर ही दिखाई देते हैं एवं विकसित देशों में सामान्यतः बच्चों के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही, वे अपना अलग परिवार बसा लेते हैं तथा अपने माता पिता से अलग मकान लेकर रहने लगते हैं। इस चलन के पीछे संभवत आर्थिक पक्ष इस प्रकार जुड़ा हुआ है कि जितने अधिक परिवार होंगे उतने ही अधिक मकानों की आवश्यकता होगी, कारों की आवश्यकता होगी, टीवी की आवश्यकता होगी, फ्रिज की आवश्यकता होगी, आदि। लगभग समस्त उत्पादों की आवश्यकता इससे बढ़ेगी जो अंततः मांग में वृद्धि के रूप में दिखाई देगी एवं इससे इन वस्तुओं का उत्पादन बढ़ेगा। ज्यादा वस्तुएं बिकने से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की लाभप्रदता में भी वृद्धि होगी। कुल मिलाकर इससे आर्थिक वृद्धि दर तेज होगी। विकसित देशों में इस प्रकार की मान्यताएं समाज में अब सामान्य हो चलीं हैं। अब बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में भी प्रयासरत हैं कि किस प्रकार भारत में संयुक्त परिवार की प्रणाली को तोड़ा जाय ताकि परिवारों की संख्या बढ़े एवं विभिन्न उत्पादों की मांग बढ़े और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री बाजार में बढ़े। इसके लिए बहुराष्ट्रीय कम्पनियां इस प्रकार के विभिन्न सामाजिक सीरियलों को बनवाकर प्रायोजित करते हुए टीवी पर प्रसारित करवाती हैं जिनमे संयुक्त परिवार के नुक्सान बताए जाते हैं एवं छोटे छोटे परिवारों के फायदे दिखाए जाते हैं। भारत एक विशाल देश है एवं विश्व में सबसे बड़ा बाजार है, बहुराष्ट्रीय कम्पनियां यदि अपने इस कुचक्र में सफल हो जाती हैं तो उनकी सोच के अनुसार भारत में उत्पादों की मांग में बेतहाशा वृद्धि हो सकती है, इससे विशेष रूप से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को सीधे सीधे फायदा होगा। इसी कारण के चलते आज जोर्ज सोरोस जैसे कई विदेशी नागरिक अन्य कई विदेशी संस्थानों एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के साथ मिलकर भारतीय संस्कृति पर हमला करते हुए दिखाई दे रहे हैं एवं भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। पश्चिमी देशों के नागरिकों के लक्ष्य भौतिक (जड़) हो रहे हैं और चेतना कहीं पीछे छूट रही है। केवल आर्थिक विकास अर्थात अर्थ का अर्जन करना ही जैसे इस जीवन का मुख्य उद्देश्य हो। परंतु, भारत के नागरिक सनातन संस्कृति का अनुसरण करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के अहसास के प्रति भी सजग दिखाई देते हैं, अर्थात उनमें चेतना के दर्शन भी होते हैं। नहाने का साबुन, कपड़े धोने का साबुन, सौंदर्य प्रसाधन औषधियां, टुथपेस्ट दंतमंजन टुथब्रश, दाढ़ी का साबुन ब्लेड्स रेजर, बिस्किट चाकलेट दुग्ध उत्पाद ब्रेड, चाय काफी, शीतपेय शरबत चटनी अचार मुरब्बा, आइसक्रीम खाद्यतेल खाद्य पदार्थ, विद्युत उपकरण गृहोपयोगी वस्तु घड़ियां, लेखन सामग्री, जूते चप्पल पोलिश, तैयार कपड़े, कम्प्यूटर लैपटॉप एवं उपकरण, टेलिकॉम उपकरण, बाम और मरहम, दो पहिया वाहन, चार पहिया वाहन, स्वचालित वाहन एवं मोबाइल फोन आदि। जब भी बाजार जाएंगे, सामान स्वदेशी ही लाएंगे जैसे तथ्यों को आत्मसात करना चाहिए। इससे न केवल चीन बल्कि अमेरिका को भी संदेश जाएगा कि भारत अब कई क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हो चुका है तथा वैश्विक स्तर पर भारत अब इनके दबाव में आने वाला नहीं है। (लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2025

कर्टेन रेजर सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2025 का कर्टेन रेजर कार्यक्रम गुरुवार को सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला, जमशेदपुर में आयोजित किया गया।यह आयोजन 6 से 9 दिसंबर 2025 तक पंचकूला, हरियाणा में होने वाले 11वें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के पूर्वाभ्यास के रूप में संपन्न हुआ, जिसका राष्ट्रीय थीम ह्वविज्ञान से समृद्धि ह्व आत्मनिर्भर भारत के लिएह्व निर्धारित किया गया है।

कार्यक्रम की शुरूआत सीएसआईआर-एनएमएल की 75 वर्ष की प्लेटिनम जुबिली डॉक्यूमेंट्री के प्रदर्शन से हुई, जिसके बाद मुख्य अतिथि एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों का आगमन हुआ। दीप प्रज्वलन के साथ समारोह का औपचारिक उद्घाटन किया गया। सीएसआईआर-एनएमएल के निदेशक, डॉ. संदीप घोष चौधरी ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए प्रयोगशाला के धातुकर्म नवाचार, सतत औद्योगिक विकास और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के

अनुरूप प्रौद्योगिकी उन्नयन में योगदानों पर प्रकाश डाला।मुख्य अतिथि प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना कुलपति, बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा एवं पूर्व निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, ने द वर्ल्ड ऑफ मटीरियल्सः इम्पैक्ट ऑन डेवलपमेंट एंड ग्रोथ विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने राष्ट्रीय प्रगति में सामग्री विज्ञान की भूमिका, संरचना एवं गुणों के पारस्परिक संबंध, तथा विद्यार्थियों को विकसित भारत @2047 के लिए इंजीनियरिंग में योगदान देने की प्रेरणा पर जोर दिया।

अल कबीर पॉलिटेक्निक, श्रीनाथ विश्वविद्यालय और अर्हका जैन विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने सीएसआईआर-एनएमएल के (एक्सपो का भी अवलोकन किया, जिसे संस्थान के 75वें स्थापना दिवस समारोहों के अंतर्गत आयोजित किया गया था। प्रदर्शनी में सीएसआईआर-एनएमएल की सात दशक लंबी उत्कृष्ट धातुकर्म उपलब्धियों को इंटरैक्टिव मॉडल, वैज्ञानिक पोस्टर और उन्नत अनुसंधान उपकरणों के प्रदर्शन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का समापन प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना के सम्मान-अभिनंदन के साथ हुआ, जिसे डॉ. संदीप घोष चौधरी द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात डॉ. एसके पाल, प्रमुख–अनुसंधान नियोजन एवं व्यवसाय विकास, द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव रखा गया और कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

बकाया टैक्स वाले नहीं लड़ पायेंगे निकाय चुनाव

9 फरवरी 2013 के बाद दो बच्चों से ज्यादा के बने पिता भी होंगे अयोग्य

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामताड़ा। नगर निकाय चुनाव 2025-26 की तैयारियां प्रशासनिक स्तर से तैयारियां से चल रही है। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राधे श्याम प्रसाद ने सभी जिले को पत्र भेजकर महापौर, अध्यक्ष और वार्ड सदस्य का चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों के लिए अयोग्यता के कई निर्देश जारी किए हैं।

पत्र के अनुसार झारखंड में होने वाले नगर निकाय चुनाव में दो से अधिक संतान वाले चुनाव में उम्मीदवार नहीं बन सकते हैं। इसमें बताया गया है कि जिनकी आखिरी संतान का जन्म 09 फरवरी 2013 के बाद हुआ है, वह चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने इसे झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 के तहत लागू करने का आदेश दिया है। राज्य में सभी नगर निकायों के चुनाव पहली बार एक साथ आयोजित किए जाएंगे, और आयोग

ने इसकी तैयारियों को पूरा कर लिया है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि तीन से अधिक संतान वाले उम्मीदवार के मामले में आयोग की प्रति उपायुक्त को भेजी गई है और उनका पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। पत्र में यह भी कहा गया है कि दो से अधिक संतान वाले व्यक्ति केवल तब अयोग्य होंगे, जब उनकी संतानों की संख्या 9 फरवरी 2013 के बाद बढ़ी हो। यदि दो से अधिक संतान उस तिथि तक या उसके पूर्व थी और बाद में इसमें कोई वृद्धि नहीं हुई, तो वह उम्मीदवार चुनाव लड़ सकते हैं। इसके अलावा, गोद ली गई संतान और जुड़वा संतान की संख्या को भी कुल संतान में शामिल किया जाएगा। स्वघोषणा पत्र भरकर अपने नामांकन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। नगर निकाय चुनाव 2026 में बकाया कर, शुल्क या किराया चुकाए बिना कोई भी व्यक्ति नामांकन दाखिल नहीं कर सकेगा। राज्य निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि 09 फरवरी 2013 से पूर्व लंबित राशि पर चक्रवृद्धि ब्याज नहीं लगेगा। लेकिन मूल बकाया और सरल ब्याज का भुगतान अनिवार्य होगा। स्वघोषणा पत्र और सत्यापन के दौरान किसी प्रकार की गड़बड़ी मिलने पर नामांकन रद्द कर दिया जाएगा। उन्हें वर्ष 2024-25 तक कर भुगतान करना होगा।

32 ट्रेनें होंगी रद्द, 31 के फेरे बदलेंगे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। दिसंबर के पहले सप्ताह में यात्रियों की परेशानी बढ़ने वाली है। अलग-अलग रूटों की 32 ट्रेनें रद्द तो 31 ट्रेनों के मार्ग बदले जाएंगे। इनमें धनबाद होकर चलने वाली बर्द्धमान-हटिया मेमू भी शामिल है। हटिया-बर्द्धमान और बोकारो-बर्द्धमान मेमू अलग-अलग दिनों में बर्द्धमान के बदले आसनसोल तक चलेगी।

रद्द ट्रेनों में आसनसोल-सियालदह इंटरसिटी, हावड़ा-मालदा, हावड़ा-रामपुरहाट, हावड़ा-शांतिनिकेतन जैसी मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों के साथ आनसोल-बर्द्धमान के बीच चलने वाली 15 मेमू शामिल हैं।

नॉर्थ ईस्ट जाने वाली दार्जिलिंग मेल, कंचनजंघा एक्सप्रेस, कंचनकन्या एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनों परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा। धनबाद होकर चलने वाली अन्य ट्रेनों के भी प्रभावित होने की संभावना है।

पूर्व रेलवे से जारी सूचना में बताया गया कि धनबाद-हावड़ा रेल मार्ग के

खाना जंक्शन पर दो से पांच दिसंबर तक प्री-नॉन इंटरलॉकिंग एवं छह से आठ दिसंबर तक नॉन इंटरलॉकिंग होगा। इसके साथ ही सीढ़ी शिफ्टिंग कार्य भी होगा। इस वजह से ट्रेनें अस्थायी रूप से प्रभावित रहेंगी। इससे पहले दुगार्पुर स्टेशन पर नवंबर माह में कई ट्रेनें रद रही थीं। बाद में कुछ ट्रेनों को 31 दिसंबर तक दुगार्पुर के बदले परिवर्तित मार्ग से चलाने की घोषणा हुई है।

हावड़ा मुंबई एक्सप्रेस के ठहराव की मांग

गयाजी। गया कोडरमा रेलखंड के महत्वपूर्ण स्टेशनों में शामिल पहाड़पुर रेलवे स्टेशन पर हावड़ा मुंबई एक्सप्रेस के ठहराव की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है।

वर्षों से लंबित इस मांग पर विभागीय स्तर पर कई बार आश्वासन तो मिले, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। ऐसे में बिहार झारखंड सीमा क्षेत्र के हजारों यात्री निराशा में डूबे हुए हैं।

पहाड़पुर स्टेशन राजस्व की दृष्टि से भी रेलवे के लिए अहम माना जाता है। नवादा, हिसुआ, सिरदल्ला, झारखंड के अनेक क्षेत्रों तथा आसपास के कई गांवों के लोग नियमित रूप से यहां से ट्रेन पकड़ते हैं। एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव नहीं होने से यात्रियों को मजबूरी में गया जंक्शन या कोडरमा स्टेशन का रुख करना पड़ता है, जिससे समय और पैसा दोनों की अतिरिक्त खपत होती है। नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने पिछले कई वर्षों में रेल मंत्री, जीएम, डीआरएम, सांसद, विधायक सहित संबंधित अधिकारियों को दर्जनों ज्ञापन सौंपे हैं। इसके बावजूद हावड़ा मुंबई एक्सप्रेस का ठहराव अब तक स्वीकृत नहीं हो पाया है।

आजीविका कर्मियों की हड़ताल जारी

सरकार से वार्ता आज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। झारखंड राज्य आजीविका कर्मचारी संघ, जिला इकाई पलामू के एल-5 से एल-8 स्तर तक के सभी कर्मी अपनी पाँच सूत्रीय मांगों को लेकर बुधवार को भी हड़ताल पर डटे रहे। संघ की प्रमुख मांग है कि पलाशझजेएसएलपीएस को सोसाइटी एक्ट से अलग करते हुए आजीविका कर्मियों को राज्य कर्मचारी का दर्जा प्रदान किया जाए।

कर्मियों की अन्य मांगों में – बिना किसी संशोधन के एनएमएमयू एचआर पॉलिसी का झारखंड में तत्काल क्रियान्वयन, स्तर-5 एवं स्तर-8 के कर्मियों के लिए अनुभव, योग्यता और वरिष्ठता के आधार पर आंतरिक पदोन्नति शुरू करना, राज्य कर्मियों की तर्ज पर वार्षिक वेतन वृद्धि लागू करना तथा स्तर-5 और स्तर-8 के कर्मियों का गृह जिला अथवा निकटतम प्रखंड में पदस्थापन शामिल है।राज्य उपाध्यक्ष सलामुद्दीन खान ने बताया कि गुरुवार को सरकार के

राज्य सचिव के साथ वार्ता निर्धारित है। इस संबंध में संघ के राज्य सचिव रांची पहुंचे हैं।

धरना स्थल पर जिला अध्यक्ष प्रभात रंजन पांडे, संजय राजन, हरिशंकर नाथ वर्मा, सत्येंद्र कुमार, राहुल कुमार, अंजनी कुमार, वैभव कांत, मंजू सिंह, उषा कुमारी, कुमारी नम्रता, माधुरी कुमारी, सानू अंजना, अख्तर अंसारी, इमरान अहमद और रोशन कुमार अनीश सहित बड़ी संख्या में कर्मी मौजूद रहे।

शिविर आज

खूँटी। उपायुक्त आर रॉनिटा के निदेर्शानुसार सेवा का अधिकार सप्ताह के अंतर्गत जिले में विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों में शिविरों का आयोजन सतत रूप से किया जा रहा है। इसी क्रम में 28 नवम्बर को भी जिलेभर के कई पंचायतों एवं नगर पंचायत क्षेत्र में शिविर का आयोजन किया जाएगा, जहाँ आमजन अपनी आवश्यक सेवाओं से संबंधित आवेदन दर्ज करा सकेंगे एवं ऑन-द-स्पॉट सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। उपायुक्त द्वारा आमजनों से अपील की गई है कि वे अपने निकटतम शिविर में पहुँचकर शिविर का लाभ उठायें।

विधायक का फेसबुक अकाउंट हुआ हैक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुमार उज्ज्वल दास का फेसबुक अकाउंट को हैकरों के निशाने ने हैक कर लिया है। हैकरों ने न सिर्फ उनका आधिकारिक अकाउंट हैक कर लिया, बल्कि उनके नाम से लोगों से पैसे मांगना भी शुरू कर दिया है।

इस घटना के सामने आने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।विधायक ने स्वयं अपने अधिकृत फेसबुक अकाउंट और अन्य माध्यमों से इस मामले की जानकारी जनता को दी। उन्होंने बताया कि उनका फेसबुक

लोगों से मांगे जा रहे पैसे

अकाउंट ही नहीं, बल्कि उनका वाट्सएप भी हैक कर लिया गया है। हैकर लगातार लोगों को संदेश भेजकर आर्थिक मदद की मांग कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि उनके नाम से किया जा रहा कोई भी मैसेज भ्रामक है और ऐसे किसी भी डिमांड को पूरा न करें। कुमार उज्ज्वल दास ने जनता से अपील की है कि यदि किसी के पास उनके नाम से पैसे मांगने वाला मैसेज पहुंचे, तो तुरंत उसे अनदेखा करें और इसकी सूचना स्थानीय थाना तथा साइबर सेल को दें।

उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं आम लोगों को ठगी का शिकार बनाने की कोशिश होती हैं, इसलिए सतर्कता ही बचाव है। वहीं, प्रशासन ने भी लोगों को इंटरनेट मीडिया पर सावधानी बरतने और किसी भी संदिग्ध लिंक या मैसेज पर भरोसा न करने की सलाह दी है।

शिविरों का उपायुक्त ने लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत रनियां प्रखंड के डाहु पंचायत में आयोजित शिविर का उपायुक्त आर० रॉनिटा ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा प्रदत्त सेवाओं की उपलब्धता, लाभुकों की समस्याओं के समाधान और शिविर की समग्र व्यवस्था को बारीकी से परखा। उपायुक्त ने शिविर में उपस्थित आमजन से बातचीत कर यह सुनिश्चित किया कि उन्हें सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से मिल सके।

शिविर में लगे विभागीय स्टॉलों का अवलोकन करते हुए उपायुक्त ने उपस्थित कर्मियों को प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कई आवेदनों का त्वरित निष्पादन करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि शिविरों के माध्यम से लोगों को योजनाओं की जानकारी के साथ-साथ वास्तविक लाभ भी मिल सके, ताकि इस अभियान का प्रभाव जमीनी

स्तर पर सिद्ध हो।

शिविर में उपायुक्त ने लाभुकों के बीच ऑन द स्पॉट विभिन्न योजनाओं के तहत परिसंपत्तियों का वितरण किया। उन्होंने आपूर्ति विभाग के अंतर्गत धोती, साड़ी व लुंगी, बिरसा फसल विस्तार योजना के तहत बीज, मनरेगा के तहत जॉब कार्ड, दिव्यांगजन हेतु ट्रायसाइकिल, पेंशन स्वीकृति पत्र समेत कई अन्य परिसंपत्तियों का वितरण कर लाभुकों को सीधे तौर पर योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया।

उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर आयोजित इस तरह के शिविर लोगों तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने का सबसे प्रभावी माध्यम हैं।

शिविर कार्यक्रम के उपरांत उपायुक्त ने रानियां प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय सहित क्षेत्र में संचालित विभिन्न कार्यों का भी स्थल निरीक्षण किया।

उन्होंने कार्यालयों की कार्यप्रणाली, जनसेवा की गुणवत्ता और उपलब्ध संसाधनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए प्रखंड-सह-अंचल अधिकारी प्रशांत डांग से विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सेवा प्रणाली को मजबूत और सरल बनाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने क्षेत्र में चल रहे निमार्णाधीन कार्यों एवं पूर्ण हुए कार्यों का जायजा लिया– अस्पताल भवन, सामुदायिक शौचालय, स्टेडियम, बस एवं टेम्पू स्टैंड, सब्जी मंडी, यात्री शेड आदि का अवलोकन किया।

उन्होंने कई योजनाओं में निर्माण की गुणवत्ता, कार्य प्रगति और समय-सीमा की समीक्षा करते हुए ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही स्थानीय नागरिकों से संवाद किया, वहीं क्षेत्र में किए गए अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया का भी जायजा लिया। इस पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-अंचल अधिकारी श्री डांग तथा रानियां थाना प्रभारी विकास कुमार जायसवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

साइबर ठगी की शिकार हुई महिला

बेगूसराय। साइबर बदमाशों ने नगर थाना क्षेत्र की एक महिला के खाते से तीन बार में 99999 रुपये की अवैध निकासी कर ली। साइबर बदमाश ने आंगनबाड़ी से फोन करने की बात कहते हुए बात की और इसके बाद वीडियो काल के माध्यम से बच्चे का दिखाने का कहा गया। बच्चा दिखाने के बाद उनका मोबाइल बंद हो गया। साइबर बदमाशों ने उनका मोबाइल हैक कर न सिर्फ अवैध निकासी की बल्कि ट्रांजेक्शन का स्क्रीन शाट महिला के स्टेटस पर लगा दिया। परिचित द्वारा स्टेटस देखने के बाद उन्हें साइबर ठगी की जानकारी हुई। इस संबंध में नगर थाना क्षेत्र के मुंगेरीगंज वार्ड 32 निवासी नीतीश कुमार की पत्नी मौसम कुमारी ने साइबर थाना में प्राथमिकी अंकित कराई है।

प्राथमिकी में कहा गया है कि वीडियो कॉल के बाद उनका मोबाइल बंद हो गया और मोबाइल चार्ज में लगाने के बाद वह अपने काम में लग गई। कुछ देर बाद एक परिचित ने फोन कर स्टेटस पर ट्रांजेक्शन दिखने की बात कही तब उन्होंने फोन की पड़ताल की।

हाथियों के झुण्ड का ट्रैकमैन ड्यूटी पर भारी खतरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर रेल मंडल के राउरकेला-रांची मुख्य रेल मार्ग के नुआगांव रेलखंड में पिछले तीन दिनों से जंगली हाथियों का आतंक लगातार बना हुआ है। नुआगांव और बिशपुर रेलवे सेक्शन के बीच हर शाम ढलते ही हाथियों का बड़ा झुंड रेल पटरी के आस-पास दिखाई देने लगता है।

इस वजह से रेलकर्मियों और स्थानीय ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। हाथियों की बढ़ती सक्रियता ने रेल संचालन और ट्रैक सुरक्षा की चिंता सताने लगी है।

रेलवे कर्मियों के अनुसार, जंगली हाथियों का झुंड अक्सर सूर्यास्त के बाद पटरियों के नजदीक पहुंच जाता है। कई बार हाथियों की संख्या इतनी अधिक होती है कि रेल पटरी के आसपास के क्षेत्र में आवाजाही करना जोखिम भरा हो जाता है।

जंगल से सटे इस मार्ग पर अंधेरा जल्दी हो जाता है। इससे ट्रैकमैन और वॉकिंग पेट्रोलिंग करने वालों को अचानक हाथी दिख जाने का भय बना रहता है।

सबसे अधिक खतरा उन ट्रैकमैन को है जो रात के समय रेल लाइन की निगरानी करते हैं। हाथियों के आगे आने का खतरा और विजिबिलिटी कम होने के कारण वे अत्यधिक जोखिम के बीच ड्यूटी करने को विवश हैं।

ट्रैकमैन बताते हैं कि कई बार हाथियों के बहुत करीब पहुंच जाने पर उन्हें रेल लाइन से दूर किसी सुरक्षित स्थान पर लंबे समय तक छिपकर रुकना पड़ता है। हाथियों के हट जाने के बाद ही वे दोबारा पेट्रोलिंग शुरू कर पाते हैं। रेल कर्मचारियों का कहना है कि चाहे खतरा कितना भी क्यों न हो, सुरक्षा कारणों से नाइट पेट्रोलिंग बंद करना संभव नहीं है। अगर पेट्रोलिंग रुकेगी तो किसी भी प्रकार की तकनीकी खराबी, रेल लाइन में टूट-फूट या अन्य जोखिम का समय पर पता नहीं चलेगा। इस कारण बड़े हादसे की संभावना बढ़ सकती है। इसलिए जान पर खेलकर भी वे अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ऐसे में कभी भी बडा हादसा हो सकता है।

स्कूली छात्रों ने बाल विवाह पर किया नुक्कड़ नाटक का मंचन

बाल विवाह रोकने के लिए सामूहिक पहल की जरूरत : मुखिया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। सदर प्रखंड अंतर्गत पंचायत सचिवालय चियांकी में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कन्या उच्च विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में चियांकी मुखिया बिनको उरांव, स्कूल के शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद थे। नाटक में स्कूली छात्राओं द्वारा बाल विवाह पर रोक लगाने पर केंद्रित किया गया। मौके पर रैली निकाली गयी। अभिभाावकों को शपथ दिलाया गया कि 18 वर्ष से कम उम्र के लड़का लड़की की शादी नहीं करें।

मौके पर चियांकी मुखिया बिनको उरांव ने कहा कि बाल विवाह एक कानूनी अपराध है। बाल विवाह समाजिक कोढ़ है। अज्ञानता के कारण लोग कम उम्र में लड़का लड़की की शादी कर देते हैं। बाल विवाह होने पर मुखिया व संबंधित थाने को लोग सूचित करें। छात्राओं को पढ़ने का मौका दें। उन्होंने कहा कि समाज में कुछ लोग ऐसे हैं कि छात्राओं को पढ़ने के समय पर बाल विवाह करते हैं ऐसे में छात्राओं के शरीर पर भी प्रभाव पड़ता है। लड़कियों को बेहतर शिक्षा दें ताकि वे आगे चलकर उच्च पद को सुशोभित कर देश व समाज की सेवा करें। कहा कि बाल विवाह को रोकने के लिए सामूहिक पहल करने की जरूरत है। मौके पर वार्ड सदस्य सुमन देवी, श्वेता देवी, ज्योति चरण, श्रद्धा देवी, रविंद्र देव चरण, मुन्ना सिंह समेत कई शामिल थे।

शिविर में उमड़ रही भीड़, लाभुक हो रहे लाभान्वित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। राज्य सरकार के निदेर्शानुसार जिले में 21 से 28 नवम्बर तक सेवा का अधिकार सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज, 27 नवम्बर 2025 को भी जिलेभर में सभी प्रखंडों एवं नगर पंचायत क्षेत्रों में शिविरों का सफल आयोजन किया गया।

सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत आयोजित शिविर सफलतापूर्वक विभिन्न प्रखंडों एवं नगर पंचायत क्षेत्र के निर्धारित स्थानों पर सम्पन्न हुए, जिनमें खूँटी प्रखंड के गुटजोरा पंचायत, कर्रा प्रखंड के डेहकेला, बमरजा एवं डुमरगड़ी पंचायत, मुरहू प्रखंड के कोड़ाकेल एवं गनालोया पंचायत, अड़की प्रखंड के तोडांग एवं बीरबांकी पंचायत, तोरपा प्रखंड के सुन्दारी एवं डोड़मा पंचायत तथा रानियां प्रखंड के डाहु पंचायत शामिल हैं; इसके अतिरिक्त नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या 16 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र कदमा के समीप तथा वार्ड संख्या 17 स्थित सामुदायिक भवन जोजोटोली में भी शिविरों का

आयोजन किया गया, जहाँ लाभुकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से अवगत कराते हुए उनकी समस्याओं का ऑन-द-स्पॉट समाधान सुनिश्चित किया गया। इन शिविरों में प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, नगर प्रबंधक, स्थानीय जन प्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के कर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत कर्रा प्रखंड के डेहकेला पंचायत में आयोजित शिविर में विधायक तोरपा सुदीप गुड़िया शामिल हुए।

शिविर का जायजा लेते हुए उन्होंने आमजनों के बीच विभिन्न परिसंपत्तियों का वितरण करते हुए जेएसएलपीएस की दीदियों को आईडी कार्ड प्रदान किया तथा फूलों झानो आशीर्वाद योजना के तहत 1,70,000 का लाभ प्रदान किया। साथ ही जाति, आवासीय एवं आय प्रमाण पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड, राशनकार्ड, धोतीझसाड़ी एवं लुंगी का वितरण भी उनके द्वारा किया गया।

शामिल हुए विधायक, परिसंपत्तियों का हुआ वितरण

शिविर के दौरान गोदभराई एवं मुँहजुठाई की रस्में भी संपन्न कराई गयीं।

कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी स्मिता नागेशिया, अंचल अधिकारी अन्वेशा ओनम सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहीं। पदाधिकारियों ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर आमजनों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी ली और शिविर की व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किया।

उपायुक्त के निदेर्शानुसार जिले में आयोजित विभिन्न शिविरों का वरीय अधिकारियों की टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, परियोजना निदेशक आईटीडीए आलोक शिकारी कच्छप, अपर समाहर्ता परमेश्वर मुण्डा सहित अन्य अधिकारियों ने शिविरों का भ्रमण कर भीड़ प्रबंधन, सेवा की सुगमता, दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया एवं व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में संबंधित कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

शिविरों में उपस्थित लाभुकों ने त्वरित सेवाएँ प्राप्त कर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि ह्वसेवा का अधिकार सप्ताहह्व के चलते प्रमाण पत्र, पेंशन, राशन एवं अन्य योजनाओं के लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध होने से समय एवं संसाधनों की बचत हो रही है। लाभुकों ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

उपायुक्त आर० रॉनिटा ने जिलेवासियों से अपील की है कि 28 नवम्बर तक आयोजित शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में पहुँचें और सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ अवश्य प्राप्त करें। जिला प्रशासन ने आमजनों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शिविरों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की हैं।

अक्षय ऊर्जा: जुलाई-सितंबर में बिजली उत्पादन में 4 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की ऊर्जा व्यवस्था में अक्षय स्रोतों का हिस्सा निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण व इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस के विश्लेषण के अनुसार जुलाई-सितंबर-2025 की तीसरी तिमाही में देश का कुल बिजली उत्पादन 3.6 फीसदी बढ़कर 48,407 करोड़ यूनिट हो गया। इसमें अकेले हाइड्रो, सौर और पवन ऊर्जा के मजबूत प्रदर्शन ने कोयला और परमाणु क्षेत्र में आई गिरावट को संतुलित कर दिया। इस अवधि में कुल स्थापित क्षमता 500.9 गीगावॉट तक पहुंच गई। इसमें से 51.1 फीसदी क्षमता अब गैर-जीवाश्म स्रोतों पर निर्भर है। अच्छे मानसून, जलविद्युत उत्पादन में मजबूती और सौर-पवन क्षमता के विस्तार ने बिजली उत्पादन में ऐतिहासिक उछाल दिया। तीसरी तिमाही में अक्षय ऊर्जा उत्पादन 18.6 फीसदी बढ़ा, जिसने जीवाश्म ईंधन आधारित उत्पादन में 1.6 फीसदी की कमी और परमाणु ऊर्जा में 18.6 फीसदी की गिरावट को कवर कर दिया। इसका मतलब ग्रिड में सस्ती अक्षय बिजली महंगे कोयला और परमाणु आधारित उत्पादन की जगह तेजी से ले रही है। जुलाई- सितंबर में क्षमता विस्तार के मामले में भारत ने अपने इतिहास का सर्वोच्च स्तर दर्ज किया। कोयला आधारित क्षमता में 2,760 मेगावॉट वृद्धि हुई। नई वृद्धि में सौर का हिस्सा सबसे अधिक 69 प्रतिशत रहा। डेवलपर्स ने जुलाई से लागू होने वाले अधिक इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन चार्ज से पहले प्रोजेक्ट पूरे किए, जिससे क्षमता में तेजी आई। जनवरी- सितंबर में 38,887 मेगावॉट नई क्षमता जोड़ी गई। 2024 की समान अवधि से 59.4 प्रतिशत अधिक है। क्षमता विस्तार का केंद्र अक्षय ऊर्जा बन चुका है। जुलाई-सितंबर में अक्षय ऊर्जा में निवेश 523 करोड़ डॉलर रहा। पिछली तिमाही से दोगुना है। कुल निवेश 1,800 करोड़ डॉलर रहा।

अनिल अंबानी के इंफ्रा और पावर स्टॉक में लौटी रौनक, लगातार दूसरे दिन तूफानी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में लगातार दूसरे दिन तूफानी तेजी है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर गुरुवार को बीएसई में 5 पर्सेंट उछलकर 166.95 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर बुधवार को भी 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 159 रुपये पर बंद हुए थे। इससे पहले, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर लगातार 6 दिन लुढ़के हैं। कंपनी के शेयर मंगलवार 25 नवंबर को 52 हफ्ते के नए निचले स्तर 149.85 रुपये पर जा पहुंचे थे। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 425 रुपये है। 6 महीने में 45 प्रतिशत से ज्यादा लुढ़क गए हैं रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर अनिल अंबानी ग्रुप की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर पिछले 6 महीने में 45 पर्सेंट से अधिक टूट गए हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 27 मई 2025 को 306.85 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 27 नवंबर 2025 को 166.95 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

देश की ग्रोथ को अब रफ्तार दे रहे बीमारू राज्य

लोकलुभावन योजनाओं पर ज्यादा खर्च करने से यह रफ्तार धीमी पड़ सकती है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की आर्थिक रफ्तार अब कम आय वाले या उभरते राज्यों की ओर बढ़ रही है। ये राज्य अब तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और अमीर राज्यों के साथ फासला कम कर रहे हैं। एचएसबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह ग्रोथ कन्वर्जेंस कोरोना महामारी से पहले के वर्षों (एफवाय13 से एफवाय19) से बिल्कुल अलग है। तब अमीर राज्य ज्यादा तेजी से बढ़ रहे थे। यह कन्वर्जेंस आय बढ़ने की वजह से हो रहा है न कि आबादी कम होने की वजह से। हालांकि, कैश ट्रांसफर जैसी लोकलुभावन योजनाओं पर ज्यादा खर्च करने से यह रफ्तार धीमी पड़ सकती है।

एचएसबीसी की रिपोर्ट के अनुसार इस बात के सबूत हैं कि महामारी के बाद के दौर में कम आय वाले राज्यों का विकास तेजी पकड़ रहा है। अगर यह जारी रहा, तो राष्ट्रीय विकास दर ऊंची बनी रह सकती है।

राज्यों द्वारा पब्लिक कैपिटल एक्सपेंडिचर में की गई भारी बढ़ोतरी ने इस बदलाव को बढ़ावा दिया है। असम, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार जैसे राज्यों ने ज्यादा पब्लिक कैपेक्स के साथ-साथ अच्छी आर्थिक तरक्की भी दिखाई है। पब्लिक कैपेक्स से इन्फ्रास्ट्रक्चर बेहतर होता है और यह बताता है कि सरकार की नीतियां स्थिर हैं। इससे और ज्यादा प्राइवेट इन्वेस्टमेंट भी आता है। राज्यों की मजबूत आमदनी ने इस नए निवेश चक्र को संभव बनाया है। जब उभरते राज्यों की आमदनी अच्छी होती है, तो वे ज्यादातर कैपेक्स पर ही खर्च करते हैं। महामारी के बाद केंद्र से मिलने वाले ज्यादा फंड ने राज्यों की वित्तीय स्थिति को मजबूत किया और निवेश में मदद की।

बिहार नंबर 1

सबसे ज्यादा तेजी उभरते राज्यों से आ रही है। एफवाय23 से एफवाय25 के बीच, बिहार ने 10.3 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश ने 9.0 प्रतिशत की रियल जीएसडीपी ग्रोथ दर्ज की है, जो भारत की औसत 7.8 प्रतिशत से ज्यादा है। बिहार ने एफवाय25 में एक बड़ा मुकाम हासिल किया, जब जीवीए में इंडस्ट्री का हिस्सा पहली बार एग्रीकल्चर के 22.4 प्रतिशत से बढ़कर 23.2 प्रतिशत हो गया। उत्तर प्रदेश में स्रब्ब17 से एफवाय25 के बीच इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी जैसे हाई-टेक सामानों और सेवाओं के एक्सपोर्ट में जबरदस्त उछाल देखा गया है। रिपोर्ट इसका श्रेय सोलो-स्वैन ग्रोथ मॉडल को देती है। इसके अनुसार जिन देशों या राज्यों में कैपिटल-लेबर रेशियो कम होता है, वे तेजी से बढ़ते हैं।

50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ स्थायी रूप से लागू रहेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। आईएमएफ के स्टाफ की उस धारणा से भारत सरकार असहमत है कि अमेरिका द्वारा हमारे माल निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ 'स्थायी रूप से' लागू रहेंगे। इस आधार पर आईएमएफ ने भारत की इस वर्ष की जीएमपी ग्रोथ 6.6 प्रतिशत बताई थी, जबकि 2026-27 के लिए इसका अनुमान घटाकर 6.2 प्रतिशत कर दिया। आईएमएफ ने अगले वर्ष भारत के ग्रोथ में गिरावट का कारण 'अमेरिकी टैरिफ का स्थायी बने रहना' बताया, जिससे विदेशी मांग व निवेश प्रभावित होंगे। हालांकि, भारत ने स्वीकार किया कि टैरिफ का असर निकट भविष्य में संभाला जा सकता है, हालांकि कुछ उद्योग विशेष रूप से प्रभावित होंगे।

अधिकारियों ने कहा कि आईएमएफ द्वारा अमेरिकी टैरिफ

के स्थायी बने रहने की स्थिति अधिक अनावश्यक आशंका पैदा करती है। भारत इस बात में विश्वास रखता है कि निर्यात के लिए अन्य नए बाजार विकसित किए जा सकते हैं, जिससे टैरिफ का असर कम होगा। आईएमएफ ने ट्रेड विवादों की तीव्रता और वैश्विक आर्थिक खंडन को भारत के लिए एक बड़ा जोखिम बताया है, जिससे वित्तीय स्थिति कड़ी हो सकती है, कच्चे माल की कीमतें बढ़ सकती हैं और व्यापारी निवेश कम हो सकता है। इसके बावजूद यदि टैरिफ वर्तमान स्तर पर रहते हैं।

भारतीय रोजाना करते हैं दूध और डेयरी उत्पादों का सेवन, फ्लेवर्ड दूध की मांग तेजी से बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दस में से सात भारतीय यानी 70 फीसदी लोग नियमित रूप से दूध और डेयरी उत्पादों का सेवन करते हैं। हालांकि लोगों का रुझान अब स्मूदी, प्रोटीन शेक और फ्लेवर्ड किस्मों की ओर बढ़ रहा है। देश के 8 प्रमुख शहरों में किए गए अध्ययन से यह जानकारी सामने आई है। गोदरेज जर्सी के बुधवार को जारी अध्ययन के अनुसार, 2025-26 में 58 प्रतिशत दूध उपभोक्ता केसर या बादाम के दूध जैसी फ्लेवर्ड किस्मों को पसंद किए। 51 प्रतिशत दूध को स्मूदी में मिलाते हैं। अध्ययन में पाया गया कि बचपन की यादों के कारण पारंपरिक सादा दूध अब भी 52 प्रतिशत भारतीयों को पसंद आता है। चाय और कॉफी दूध के सेवन के प्राथमिक साधन बने हुए हैं। 59 प्रतिशत ने कहा कि वे इन पेय पदार्थों के माध्यम से दूध का सेवन करते हैं। शोध से बच्चों के दूध के कम सेवन को लेकर अभिभावकों की चिंता उजागर हुई। सर्वेक्षण में शामिल 64 प्रतिशत अभिभावकों का मानना था कि दूध के कम सेवन के कारण उनके बच्चे का हड्डियों का घनत्व (बोन डेन्सिटी) उनके बचपन की तुलना में कम हो सकता है। लगभग 54 प्रतिशत अभिभावकों का मानना था कि उनके बच्चे का शारीरिक विकास उसी उम्र में उनकी तुलना में धीमा था। बच्चों को दूध पिलाने वाले माता-पिता में से 73 प्रतिशत ने कैल्शियम की जरूरत को प्राथमिक कारण बताया। 62 प्रतिशत ने कहा, वे प्रोटीन और ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए दूध का सेवन करते हैं। ब्रांडेड दूध ने बाजार में अपना दबदबा बना लिया है। 64 प्रतिशत परिवार ब्रांडेड आधारित दूध खरीदते हैं। 21 प्रतिशत परिवार बिना ब्रांड वाला खुला दूध खरीदते हैं। बादाम या सोया दूध जैसे वनस्पति आधारित विकल्पों का बाजार में लगभग 12 प्रतिशत हिस्सा है। 60 प्रतिशत ने ब्रांडेड दूध चुनने के कारणों के रूप में विश्वसनीय ब्रांड की गुणवत्ता बताया। 48 फीसदी ने कहा, ब्रांडेड दूध में स्वाद मिलता है। यह सुविधाजनक है। 71 फीसदी ने कहा, दूध खरीदी में वे स्वच्छता को प्राथमिकता देते हैं।

सिर्फ 2 लाख से शुरू किया काम

अब 2.2 करोड़ की कमाई, दीवारों से लड़ते लोगों का सहारा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में स्टार्टअप शुरू करने का उत्साह अक्सर जटिल कानूनी और नौकरशाही की कागजी कार्रवाई के सामने फीका पड़ जाता है। रजिस्ट्रेशन, टैक्स फाइलिंग और तमाम तरह के डॉक्यूमेंट्स पहली बार के उद्यमियों के लिए बड़ी दीवार बन जाते हैं। बेंगलुरु के उद्यमी शरत श्यामसुंदर ने इसी चुनौती को एक बड़े अवसर में बदल दिया। अपनी पहली कारोबारी विफलता से सबक लेते हुए शरत ने 2015 में द स्टार्टअप जोन की स्थापना की। इसका मिशन स्टार्टअप कंप्लायंस को सरल और तनाव-मुक्त बनाना था। महज 2-3 लाख रुपये की शुरुआती पूंजी के साथ घर से शुरू हुई उनकी कंपनी ने 5,000 से ज्यादा स्टार्टअप्स की मदद की है। किसी बाहरी फंडिंग के बिना ही वित्त वर्ष 2024-25 में इसने 2.2 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल किया। यह अपने पहले साल में 5 लाख रुपये था। आइए, यहां शरत श्यामसुंदर की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। यह रणनीति सफल रही।

2021 तक द स्टार्टअप जोन टैक्स, कानूनी और अकाउंटिंग विशेषज्ञों को एक ही छत के नीचे लाकर व्यापक कंप्लायंस पार्टनर बन गई।

यह साबित हुआ अहम मोड़: शरत के वेंचर के लिए 2017 में जीएसटी का लागू होना महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। शरत की टीम ने जीएसटी पोर्टल लाइव होने से पहले ही विज्ञापन शुरू कर दिया था। पहले ही दिन उन्हें लगभग 100 कॉल आए और वह भारत के शुरुआती जीएसटी सेवा प्रदाताओं में से एक बन गए। इस आत्मविश्वास और अनुकूलन क्षमता ने व्यवसाय को तेजी से बढ़ाया।

अपने अनुभव से लिया सबक

ज्यादातर नए उद्यमी भारत के जटिल कंप्लायंस सिस्टम से जूझते हैं। बेंगलुरु के शरत श्यामसुंदर ने 2011 में अपने पहले उद्यम द इनविटेशन स्टोर के दौरान इस चुनौती का सामना किया। उन्हें अनावश्यक रूप से सर्विस टैक्स रजिस्ट्रेशन कराने की सलाह दी गई। इससे उनका समय और पैसा बर्बाद हुआ। इस अनुभव ने उन्हें एहसास कराया कि अपर्याप्त जानकारी के कारण छोटे व्यवसायों को फिजूल शुल्क और भ्रम का सामना करना पड़ता है। अपनी पहली कंपनी बंद करने के बाद उन्होंने वकील सर्च और पेयू जैसी कंपनियों में काम किया, जहां उन्होंने कानूनी फाइलिंग और डिजिटल ऑटोमेशन की बारीकियों को समझा। शरत ने देखा कि संस्थापक अपना कीमती समय व्यवसाय बढ़ाने के बजाय कंप्लायंस में बर्बाद कर रहे हैं। 2015 के अंत तक उन्होंने इस कंप्लायंस के जंजाल को हमेशा के लिए आसान बनाने के लिए द स्टार्टअप जोन की नींव रखी।

घर से की काम की शुरुआत

चेन्नई में तीन-चार लोगों की एक छोटी टीम के साथ घर से काम शुरू किया। शुरुआती निवेश केवल 2-3 लाख रुपये था। इसका इस्तेमाल एक बुनियादी वेबसाइट और कुछ सेकंड-हैंड लैपटॉप खरीदने में किया गया। शुरुआत में कंपनी केवल ड्राफ्ट और सर्विस टैक्स रजिस्ट्रेशन जैसी सेवाएं देती थी। धीरे-धीरे हर साल वह नई सेवाएं जोड़ते गए। इनमें कंपनी निगमन, अकाउंटिंग, बौद्धिक संपदा और बाद में फंडिंग संबंधी सहायता शामिल थी।

भारत-यूएई आर्थिक साझेदारी को मिली नई रफ्तार

सीईपीए बैठक में 100 अरब डॉलर व्यापार लक्ष्य पर बनी सहमति

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और यूएई ने समग्र आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत तीसरी संयुक्त समिति की बैठक की। वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है।मंत्रालय के अनुसार, बैठक में दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार में मजबूत वृद्धि का स्वागत किया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 100.06 अरब डॉलर को पार कर गया। यह 19.6 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है और भारत के प्रमुख व्यापार साझेदारों में यूएई की अहम भूमिका को और मजबूत करता है।

भारतीय पक्ष ने यूएई प्रतिनिधिमंडल को पारदर्शी प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से गोल्ड टीआरक्यू आवंटित करने के अपने हालिया निर्णय के बारे में भी जानकारी दी। दोनों पक्षों ने हाल ही में हुई उच्च-स्तरीय बैठकों की समीक्षा की, जिनमें वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और डॉ. थानी के बीच मुंबई और दुबई में हुई बैठकें भी शामिल हैं।

भारत-यूएई संयुक्त समिति किन विषयों पर करती है चर्चा

बैठक की सह-अध्यक्षता भारत की ओर से वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव अजय भादू और यूएई की ओर से अंतरराष्ट्रीय व्यापार मामलों के सहायक अवर सचिव जुमा अल कैत ने की। भारत-यूएई संयुक्त समिति सीईपीए की प्रगति की समीक्षा करने के साथ-साथ, चुनौतियों पर चर्चा और समझौते के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए प्रमुख मंच के रूप में कार्य करती है।

बैठक के दौरान इन विषयों पर डाला गया जोर

बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने फार्मास्युटिकल सेक्टर में नियामक सहयोग, सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन से जुड़े मुद्दों के समाधान, बीआईएस समन्वय, व एपीडा (भारत) और यूएई के पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के बीच खाद्य सुरक्षा और तकनीकी आवश्यकताओं पर एमओयू के शीघ्र हस्ताक्षर सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। मंत्रालय ने बताया कि बैठक सकारात्मक रूप से संपन्न हुई, जिसमें दोनों पक्षों ने व्यापार सुगमता, नियामक सहयोग, डेटा साझा करने को मजबूत करने और सेवाओं से संबंधित उप-समिति की बैठक जल्द बुलाने पर सहमति जताई। यूएई प्रतिनिधिमंडल ने वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल से भी मुलाकात की और दोनों देशों द्वारा सीईपीए के बेहतर उपयोग को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

सोने की कीमत में उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में आई तेजी का असर दिल्ली के सराफा बाजार पर भी दिखा। बुधवार को सोने के दाम करीब दो हफ्तों के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गए। सोने की कीमत 1,200 रुपये बढ़कर 1,30,100 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी। बाजार के जानकारों का मानना है कि यह बढ़ोतरी अगले महीने अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरें घटाए जाने की उम्मीदों के कारण हुई है। 99.5 फीसदी शुद्धता वाले सोने के भाव में भी 1,200 रुपये का उछाल आया। यह 1,29,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गया। इससे पहले 13 नवंबर को 99.9 फीसदी और 99.5 फीसदी शुद्धता वाले सोने की कीमतें 1,30,900 रुपये और 1,30,300 रुपये प्रति 10 ग्राम थीं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने बताया, फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरें कम किए जाने की बढ़ती उम्मीदों के बीच बुधवार को सोने की कीमतों में तेजी जारी रही। यह दो हफ्तों के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। उन्होंने आगे कहा, फेडरल रिजर्व के दो अधिकारियों की हालिया नरम टिप्पणियों और अमेरिका के कमजोर आर्थिक आंकड़ों ने अगले महीने ब्याज दरें घटाए जाने की उम्मीदों को और मजबूत किया है।

ग्रे मार्केट दिखा रहा 95000 का फायदा

100 के करीब पहुंचा एक्साटो टेक्नोलॉजी आईपीओ का जीएमपी

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्साटो टेक्नोलॉजी आईपीओ कल यानी 28 नवंबर से खुल रहा है। कंपनी का आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए 2 दिसंबर तक खुला रहेगा। आईपीओ खुलने से पहले ग्रे मार्केट में शानदार प्रदर्शन कर रहा है। जीएमपी 100 रुपये के करीब पहुंच गया है। बता दें, एक्साटो टेक्नोलॉजी आईपीओ का साइज 37.45 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 23 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं, ऑफर फार सेल के जरिए कंपनी 5.60 लाख शेयर जारी करेगी।

क्या है प्राइस बैंड: एक्साटो टेक्नोलॉजी आईपीओ का प्राइस बैंड 133 रुपये से 140 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। कंपनी ने 1000 शेयरों का एक लॉट बनाया है। एक रिटेल निवेशक को कम से कम 2000 शेयरों पर एक साथ दांव लगाने होंगे। जिसकी वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 2,80,000 रुपये का इंवेस्टमेंट करना ही होगा।

एंकर निवेशकों के लिए एक्साटो टेक्नोलॉजी आईपीओ 27 नवंबर को खुला था। एंकर निवेशकों से कंपनी 10.65 करोड़ रुपये जुटाने का प्रयास करेगी।

आईपीओ के लिए जीवाईआर कैपिटल

एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को लीड मैनेजर नियुक्त किया गया है। केफिन टेक्नोलॉजी लिमिटेड का रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। वहीं, गिरिराज स्टॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड को मार्केट मेकर बनाया गया है।

क्या है जीएमपी: इंवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ आज 95 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जोकि 67.86 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन को दर्शाता है। ग्रे मार्केट में यही स्थिति बरकरार रही तो कंपनी का आईपीओ 235 रुपये पर लिस्ट हो सकता है। बता दें, आज का जीएमपी हर 2 लॉट पर 95000 रुपये का फायदा दिखा रहा है। इस आईपीओ को सबसे कम जीएमपी 75 रुपये प्रति शेयर है। वहीं, सबसे अधिक जीएमपी 95 रुपये प्रति शेयर है।

निफ्टी का शानदार प्रदर्शन

1 साल में निफ्टी ने लगाई 2600 अंकों की छलांग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार ने गुरुवार, 27 नवंबर को नए कीर्तिमान स्थापित किए। मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच निफ्टी 50 ने 14 महीने के अंतराल के बाद एक नया रिकॉर्ड हाई छुआ और बीएसई सेंसेक्स भी नया ऑल टाइम 86055 को टच किया। वहीं निफ्टी 50 ने 26,310 का नया रिकॉर्ड बनाया, जो सितंबर 2024 में दर्ज अपने पिछले रिकॉर्ड 26,277.35 से ऊपर है।

पिछले एक साल में निफ्टी 50 ने 8 प्रतिशत से अधिक यानी 2000 अंकों से ज्यादा का मजबूत रिटर्न दिया है। वर्ष 2025 की शुरुआत से अब तक, इस सूचकांक में 11 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है, जिसने 2600 से अधिक अंक जोड़े हैं। यह घरेलू निवेश के मजबूत प्रवाह, कंपनियों की ठोस कमाई और वैश्विक जोखिम लेने की रुझान में सुधार को दर्शाता है।

यह एनबीएफसी स्टॉक पिछले एक

साल में 54 प्रतिशत चढ़ा है और यह बेंचमार्क इंडेक्स में सबसे बड़ा गेनर रहा। आज भी यह 2.90 प्रतिशत चढ़कर 1040.10 रुपये के अपने दिन के उच्चस्तर पर पहुंच गया। यह अक्टूबर 2025 में छुए गए अपने शीर्ष 1,102.45 रुपये से अभी भी लगभग 5 प्रतिशत नीचे है। पिछले 5 वर्षों में इस शेयर ने 112 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है। इस ऑटो कंपनी के शेयर में इस अवधि में 45 प्रतिशत की तेजी आई है, जो इसे पिछले एक साल में दूसरा सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला शेयर बनाती है। हालांकि, आज बाजार में तेजी के बावजूद इसके शेयर में 0.6 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। पिछले 5 वर्षों में इस शेयर ने 129 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

ऑयशर मोटर्स

इस स्टॉक ने पिछले एक साल में 44 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। हालांकि, आज बाजार में तेजी के बावजूद इसमें 2 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। पिछले 5 वर्षों में इस शेयर ने 179 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

श्रीराम फाइनेंस

इस एनबीएफसी के शेयर ने पिछले एक साल में 43 प्रतिशत की बढ़ोतरी की। आज यह 1.35 प्रतिशत चढ़कर 868.85 रुपये के अपने रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुँच गया। पिछले 5 वर्षों में इस शेयर ने 305 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है।

इंटरग्लोब एविएशन

इस एविएशन स्टॉक ने पिछले एक साल में 39 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। हालांकि, आज बाजार में तेजी के बावजूद यह लगभग सपाट रहा और केवल 0.3 प्रतिशत ही चढ़ा। पिछले 5 वर्षों में इस शेयर ने 291 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

‘तेरे इश्क में’ के प्रमोशन के लिए वाराणसी पहुंचे धनुष और कृति

फिल्म तेरे इश्क में बहुत जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसके लिए एक्टर धनुष और कृति सेनन जोरदार प्रमोशन कर रहे हैं। दोनों कलाकार अब महादेव की नगरी काशी यानी वाराणसी पहुंच चुके हैं। इस दौरान दोनों एक्टर्स ने अपना अनुभव साझा किया है।

अभिनेता धनुष ने बात की और अपने मन के विचारों को साझा किया। उन्होंने कहा, ‘वाराणसी मेरे लिए सिर्फ एक शहर नहीं है। यह एक आध्यात्मिक जागृति है। मैं हर गली, हर घाट, हर मंदिर से जुड़ा हूं। उनकी वजह से मेरे अंदर एक जागृति आई और मैंने खुद को महादेव के चरणों में समर्पित कर दिया।’

कृति सेनन ने याद की अपनी पहली वाराणसी यात्रा

अभिनेत्री कृति सेनन ने अपनी पहली वाराणसी यात्रा के दिनों को याद किया। उन्होंने कहा- ‘मैं आनंद सर के निर्देशन में एक विज्ञापन की शूटिंग के लिए यहां आई थी। वह विज्ञापन कभी रिलीज नहीं हुआ, लेकिन उसकी यादें मेरे जेहन में ताजा हैं। मैं उनसे बनारस में मिली थी और यहां आकर मुझे हमेशा सुकून मिलता है।’ उन्होंने आगे कहा, ‘मैंने सर से कहा था कि फिल्म रिलीज होने से पहले, मुझे यहां आकर उनका आशीर्वाद जरूर लेना चाहिए। मुझे खुशी है कि हम ऐसा कर पाए।’

कब रिलीज होगी फिल्म?

आनंद एल राय द्वारा निर्देशित फिल्म ‘तेरे इश्क में’ 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म को लेकर काफी बज बना हुआ है। इस फिल्म के गाने दर्शकों को बहुत प्रभावित कर रहे हैं। फिल्म में धनुष ने शंकर और कृति सेनन ने मुक्ति का किरदार निभाया है। इस फिल्म के रिलीज का इंतजार दर्शकों को बड़ी बेसब्री से है।

पर्सनैलिटी राइट्स के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचीं शिल्पा शेट्टी

करण जौहर, ऐश्वर्या राय, ऋतिक रोशन जैसे कई सेलेब्स के बाद अब शिल्पा शेट्टी ने भी पर्सनैलिटी राइट्स के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दर्ज की है। याचिका में कहा गया है कि कई वेबसाइट्स में उनकी तस्वीरों का बिना अनुमति इस्तेमाल किया जा रहा है। साथ ही उनकी मॉर्फ तस्वीरें भी प्रमोशनल एक्टिविटी में इस्तेमाल की जा रही हैं। शिल्पा शेट्टी की वकील ने कहा, मिसेज शिल्पा शेट्टी ने कई सालों की मेहनत से अपनी पहचान बनाई है और कोई भी उनकी अनुमति के बिना उनकी तस्वीरें और उनकी छवि का इस्तेमाल नहीं कर सकता। उनकी पहचान का गलत तरीके से इस्तेमाल अवैध रूप से व्यवसायिक फायदे के लिए किया जा रहा है। हम उनकी पर्सनैलिटी राइट्स ले रहे हैं। हमने बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया है, ताकि इस दुरुपयोग पर रोक लगाई जा सके और उनकी पहचान को किसी चीज की तरह इस्तेमाल किए जाने से बचा जा सके।

इन सेलेब्स ने भी हासिल किए पर्सनैलिटी राइट्स

शिल्पा शेट्टी से पहले अक्टूबर में ऋतिक रोशन ने दिल्ली हाईकोर्ट में पर्सनैलिटी राइट्स के लिए याचिका दायर करवाई थी, जिसके बाद उनके पर्सनैलिटी राइट सुरक्षित कर दिए गए हैं। उनसे पहले सुनील शेट्टी और फिल्ममेकर करण जौहर ने पर्सनैलिटी राइट्स के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की। उन्होंने अपनी तस्वीरों के जरिए हो रहे प्रचार पर रोक लगाने की मांग की थी।

क्या है पर्सनैलिटी राइट?

ये किसी महिला या पुरुष की पर्सनैलिटी से जुड़ा हुआ अधिकार है। जिसे निजता के अधिकार के तहत प्रोटेक्शन मिला है। मशहूर लोगों का उनकी फोटो, आवाज और पर्सनैलिटी से जुड़ी चीजों पर विशेष अधिकार होता है।

कई बार कुछ कंपनियां बिना उनकी इजाजत के इसे इस्तेमाल कर लेती हैं। जो कि गलत है। अगर कोई सेलेब पर्सनैलिटी राइट लेता है, इसके बाद अगर उनकी तस्वीरें बिना इजाजत इस्तेमाल की जाती हैं, तो वो इसकी शिकायत कर सकते हैं।

धर्मेंद्र जी लीजेंड हैं जिन्हें कभी भूला नहीं जा सकता

गरम मसाला और 13बी जैसी फिल्मों से बॉलीवुड में पहचान बनाने वाली नीतू चंद्रा अब फिल्म प्रोड्यूसर बन चुकी हैं। एक्ट्रेस बीते काफी समय से अपनी क्षेत्रीय फिल्म छठ को प्रमोट कर रही हैं। उनकी फिल्म छठ को आईएफएफआई में प्रदर्शित किया गया है। अब एनएफडीसी के मंच पर उन्होंने अपनी फिल्म को लेकर खुलकर बात की और अभिनेता धर्मेंद्र देओल के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे अभिनेता कभी दुनिया छोड़कर नहीं जाते हैं। दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र देओल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नीतू चंद्रा काफी इमोशनल नजर आई। उन्होंने कहा, धर्मेंद्र जी लीजेंड हैं जिन्हें कभी भूला नहीं जा सकता है। हम लोगों के लिए वे प्रेरणा हैं क्योंकि उनकी फिल्में ही देखकर हम बड़े हुए हैं। ऐसे कलाकार कभी दुनिया को छोड़कर नहीं जाते हैं, बल्कि अपनी फिल्मों और काम से वे हमेशा हमारे बीच रहते हैं, भगवान उनकी आत्मा की शांति दें। बता दें कि नीतू चंद्रा के प्रोडक्शन में बनी फिल्म छठ 24 अक्टूबर 2025 को वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म में निधि चौहान, अलका याग्निक और शारदा सिन्हा के शानदार और इमोशनल कर देने वाले गीत भी शामिल हैं।

बिग बॉस 9 में नोरा फतेही को मेन कंटेस्टेंट के तौर पर मिला था ऑफर, इस डर से नहीं ले पाई थीं एंट्री

एक्ट्रेस-डांसर नोरा फतेही ने रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 9 में एक कंटेस्टेंट के तौर पर हिस्सा लिया था। यह शो अक्तूबर 2015 से जनवरी 2016 तक एयर हुआ था। उन्होंने शो के 58वें दिन वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री की थी। क्या आप जानते हैं कि उस समय उन्हें शुरू में मेन कंटेस्टेंट में से एक के तौर पर शामिल होने के लिए अप्रोच किया गया था? इस बारे में नोरा फतेही ने अपनी बात रखी है। गलतफहमी की वजह से हुआ बातचीत में नोरा फतेही ने बताया बिग बॉस ने शुरू में मुझे मेन कंटेस्टेंट में से एक बनने के लिए अप्रोच किया था। इस पर मैंने उन्हें मना कर दिया था। मुझे लग रहा था कि मैं इस तरह की चीजों के लिए तैयार नहीं हूं। यह गलतफहमी की वजह से हुआ। मुझे लगा कि लोग मुझे नहीं समझ पाएंगे। तब मैं छोटी थी और अपने आपको को समझने की कोशिश कर रही थी। मुझे लगा कि लोग अलग तरह से बर्ताव करेंगे इसलिए मैं मुसीबत में पड़ने के लिए तैयार नहीं थी।

वाइल्ड कार्ड के जरिए हुई एंट्री

नोरा ने आगे बताया कि जब मेकर्स ने वाइल्ड कार्ड एंट्री के जरिए उन्हें अप्रोच करने की कोशिश की तो उन्होंने हां कह दी। उन्होंने कहा तो जब वे वाइल्ड कार्ड एंट्री के लिए वापस आए, तो मुझे लगा कि ठीक है, शायद कुछ हफ्ते लगेंगे। मैं ऐसा कर सकती थी। मैं चाहती थी कि मैं दुनिया को बता दूं कि मैं यहां हूं।

झलक दिखला जा में जाना चाहती थीं नोरा

नोरा ने कहा बताया कि वह शो झलक दिखला जा में जाना चाहती थीं। उन्होंने सोचा कि वह अगर बिग बॉस में जाएंगी तो उन्हें झलक दिखला जा में जाने में मदद मिलेगी इसलिए वह बिग बॉस में गईं। बिग बॉस से बाहर आने के तुरंत बाद उन्हें झलक दिखला जा का कॉन्ट्रैक्ट मिल गया।

शहीद विजय सालस्कर पर मूवी बनाएंगी श्रद्धा कपूर

अपनी सादगी से फैंस के दिलों पर राज करने वालीं श्रद्धा कपूर जहां इन दिनों पैर में फ्रैक्चर के कारण घर पर आराम फरमा रही हैं, वहीं उन्होंने एक ऐसा खुलासा किया है, जिसके बाद उनके दीवानों की बांछे खिल गई हैं। स्त्री एक्ट्रेस ने कंफर्म किया है कि उनकी अगली फिल्म कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी के साथ होगी। राहुल मोदी एक राइटर और फिल्ममेकर हैं। श्रद्धा बीते दिनों फिल्म ईथा की शूटिंग के दौरान घायल हो गईं। वह लावणी डांस सीक्वेंस शूट कर रही थीं, जबकि उनका पैर फ्रैक्चर हो गया। एक्ट्रेस ने हेल्थ अपडेट भी दिया है। बताया है कि सेहत में सुधार है।

शहीद विजय सालस्कर की बायोपिक करेंगी प्रोड्यूस

श्रद्धा कपूर ने ये भी बताया कि वह बतौर प्रोड्यूसर सुपर फैट स्टूडियो के साथ दो फिल्में को-प्रोड्यूस करने वाली हैं। इनमें से एक फिल्म जाबांज पुलिस अफसर एक पुलिसवाले विजय सालस्कर की कहानी होगी, जो 26/11 हमलों में शहीद हो गए थे। इसे अखिव अली डायरेक्ट करेंगे। विजय सालस्कर ने दगड़ी चॉल में अरुण गवली के गैंग के कई गुंडों का एनकाउंटर किया था।

एक अन्य फिल्म की शूटिंग भी कर ली है पूरी

श्रद्धा कपूर ने एक और खुलासा किया कि उन्होंने एक अन्य फिल्म की शूटिंग भी पूरी कर ली है। उन्होंने कहा, मैंने एक फिल्म की शूटिंग पहले ही कर ली है। इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है, इसलिए मैं इसके बारे में ज्यादा बात नहीं कर सकती। लेकिन जल्द ही इसको लेकर ऐलान होगा। स्टार्टअप कल्चर पर आधारित होगी श्रद्धा-राहुल की फिल्म एक्ट्रेस ने आगे बताया कि इस प्रोजेक्ट के बाद वह अपने कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी की फिल्म कर रही हैं। उन्होंने कहा, उसके बाद मैं राहुल की फिल्म कर रही हूं। उसके बारे में बिंदास बात कर सकती हूं। यह स्टार्टअप की दुनिया की फिल्म है। यह हसल कल्चर यानी बिजनस की दुनिया में मची हलचल और उसकी एनर्जी पर आधारित है। मेरे लिए एकदम नया किस्म का रोल है जो बहुत ज्यादा चैलेंजिंग है।

श्रद्धा ने बताया क्यों जान-बूझकर चुन रही हैं कम फिल्में

एक विलेन फेम एक्ट्रेस ने आगे कहा कि वह करियर के इस पड़ाव पर सिर्फ वैसे रोल ही चुन रही हैं, जो उन्हें एक एक्टर के तौर पर आगे बढ़ाए। श्रद्धा ने कहा, अभी मैं जान-बूझकर यही तय कर रही हूं कि मुझे इस टाइप के रोल ही करने हैं, जहां पर मैं एक एक्टर के तौर पर बहुत ज्यादा चैलेंज होती हूं और एक एक्टिव कैरेक्टर प्ले करती हूं। इसलिए बहुत सोच समझकर स्क्रिप्ट्स पढ़ रही हूं।

परिवार को समय देने के सवाल पर बोले मनोज बाजपेयी

द फैमिली मैन के तीसरे पार्ट में इन दिनों नजर आ रहे अभिनेता मनोज बाजपेयी ने हाल ही में कई पहलुओं पर बात की है। खास बातचीत में मनोज ने किरदार, ओटीटी के दौर, परिवार और इंडस्ट्री की चुनौतियों पर खुलकर बात की।

इतने साल बाद जयदीप अहलावत के साथ स्क्रीन शेयर करने का अनुभव बताएं

उसके साथ मैंने पहली बार जिस फिल्म में काम किया था, वो थी चिट्टागोंग। उस फिल्म में सिर्फ वही नहीं बल्कि कई और लोग भी थे जो मेरे एफटीआईआई के बैचमेट थे - राजकुमार राव, विजय वर्माज्ये सब। वहीं से मैंने जयदीप को जाना। दरअसल, उस समय जब अनुराग से मेरी बात होती थी, तो उसकी एक आदत मैंने नोटिस की थी। जब भी हम बात करते और अगर वो कोई नई फिल्म बना रहा होता, तो मुझसे हमेशा एक रेकमेंडेशन मांगता था। अगर उसे किसी तरह का एक्टर चाहिए होता है, तो पूछ लेता है कि कौन इस रोल के लिए ठीक रहेगा। तो उस दिन भी बात हो रही थी और मैंने जयदीप का नाम सुझाया था। राजकुमार और विजय के बारे में उसे पहले से पता था। उस समय से मैं इन लोगों को जानता हूं। इनके शुरुआती दौर से जानता हूं। इसलिए एक जान-पहचान भी है और ये लोग मुझे इज्जत भी बहुत देते हैं। एक अच्छा संबंध है- एक्टर वाला संबंध। सीनियर और जूनियर दोनों तरह का रिश्ता है।

जब सेट पर आप और जयदीप साथ होते थे, तो माहौल कैसा रहता था?

सेट पर माहौल काफी अच्छा रहता था। ऑफ कैमरा भी हल्की-फुल्की बातें होती थीं। सच कहूं तो मैं ज्यादातर जब बात करता हूं, तो खाने की ही बात करता हूंज नहीं तो मैं अपने काम में डूबा रहता हूं। जब अगला शॉट होना होता, तो मेरा फोकस पूरी तरह उसी पर होता था और बीच-बीच में थोड़ी हंसी-मजाक भी हो जाती थी। मैं खुद मटन बनाता हूं, तो सेट पर भी कभी-कभी मटन बना लेता था। लेकिन जयदीप को मटन से ज्यादा चिकन पसंद है। तो हम दोनों के बीच ऐसी ही बातचीत होती थी जैसी साथी कलाकारों के बीच सामान्य रूप से होती है।

कभी काम से पहले परिवार को चुनना पड़ा?

परिवार और मेरा काम कभी एक-दूसरे के आड़े नहीं आते। इसका पूरा श्रेय मेरी पत्नी को जाता है। अगर वह कुछ चाहती हैं और मैं खाली होता हूं, तो मैं समय देने की पूरी कोशिश करता हूं। सच यह है कि वर्क और फैमिली का बैलेंस हर आदमी के लिए एक चुनौती है। सबसे आसान स्थिति उन लोगों की होती है जो सुबह ऑफिस जाते हैं और शाम को लौट आते हैं। वो काम भी कर लेते हैं और परिवार के साथ समय भी बिता पाते हैं। लेकिन फ्रीलांस जॉब में यह बहुत मुश्किल हो जाता है। यह उसी तरह का काम होता है जैसे इंटेलिजेंस के लोग करते हैं - जिनकी जरूरत हमेशा रहती है और जिनका काम 24 घंटे का होता है। यही वजह है कि श्रीकांत (किरदार का नाम) के लिए चीजें कठिन होती हैं और एक्टर्स के लिए भी। जब काम होता है तो अचानक बहुत काम होता है और जब छुट्टी होती है तो पूरी छुट्टी होती है। जो लोग ऑफिस में काम करते हैं, उनके लिए यह शायद थोड़ा आसान होता है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि शाम को घर लौटना है। वहीं, हम कई-कई दिनों तक घर नहीं जा पाते और बाहर रहते हैं। ऐसे में अगर फैमिली समझदार और अंडरस्टैंडिंग न हो, तो घर संभालना मुश्किल हो जाता है। इसलिए मैं सारा श्रेय अपनी पत्नी को देता हूं।

क्या कभी ऐसा हुआ कि आपकी पत्नी ने आपके काम को लेकर कहा हो कि समय नहीं मिल रहा?

बैलेंस की बात करें तो शुरुआती दिनों में सचमुच मुश्किल थी। लेकिन क्योंकि निशा खुद भी एक्ट्रेस हैं, इसलिए वो इस प्रोफेशन की चुनौतियों को समझती हैं। उनकी समझ की वजह से बहुत सी बातें आसानी से संभल जाती हैं। मैं जब उनके साथ होता हूं, तो पूरी तरह उनके साथ रहता हूं। अभी दिसंबर में हम एक लंबी छुट्टी पर जाने वाले हैं। परिवार में बीच-बीच में हल्की तकरार तो होती ही है, और यह बिल्कुल नैचुरल है। अगर कभी कोई खटपट न हो, तो रिश्ते उबाऊ भी लग सकते हैं। जो लोग सुबह ऑफिस जाते हैं और शाम को लौट आते हैं, उनके घरों में भी ऐसा होता है। यह हर परिवार का हिस्सा है और इसी से रिश्ते जीवंत बने रहते हैं।

फिडे चेस वर्ल्ड कप

जवोखिमीर सिनदारोव ने रचा इतिहास

● सबसे कम उम्र के शतरंज विश्व कप चैंपियन बने

गोवा, एजेंसी। टाईब्रेक में खेले गए रोमांचक मुकाबले में 19 वर्षीय सिनदारोव ने वेई यी की एक गलती का फायदा उठाते हुए अपना पहला विश्व कप खिताब

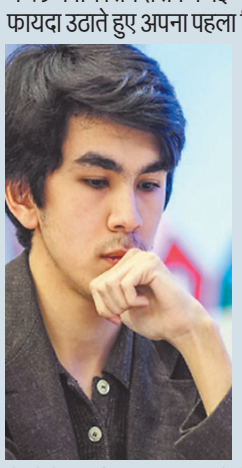

जीता और इसी के साथ विश्व कप इतिहास के सबसे कम उम्र के चैंपियन भी बन गए। उज्बेकिस्तान के युवा ग्रैंडमास्टर जवोखिमीर सिनदारोव ने इतिहास रचते हुए चीन के वेई यी को फाइनल में हराकर फिडे चेस विश्व कप अपने नाम कर लिया। टाईब्रेक में खेले गए रोमांचक मुकाबले में 19 वर्षीय सिनदारोव ने वेई यी की एक गलती का फायदा उठाते हुए अपना पहला विश्व कप खिताब जीता और इसी के साथ विश्व कप इतिहास के सबसे कम उम्र के चैंपियन भी बन गए।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी किया क्वालिफाई

सिनदारोव की यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि वे इस मेगा इवेंट में 16वीं सीड के रूप में उतरे थे। वह पिछले एक साल में बड़ी चेस प्रतियोगिताओं को जीतने वाले तीसरे किशोर खिलाड़ी बन गए। 2024 में गुकेश ने विश्व चैंपियनशिप जीती थी, जबकि दिव्या देशमुख ने इस साल महिला चेस विश्व कप खिताब अपने नाम किया था। सिनदारोव और वेई यी दोनों ने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। इनके अलावा रूस के आंद्रे एसिपेंको ने तीसरा और अंतिम स्लॉट हासिल किया।

विमेंस ब्लाइंड टी20 विश्व कप विजेता टीम से मिले राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को ब्लाइंड टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम से नई दिल्ली स्थित 10 जनपथ में मुलाकात की। इस मौके पर राहुल गांधी ने खिलाड़ियों को विश्व कप जीत की बधाई दी। भारत ने रविवार को कोलंबो में खेले गए खिताबी मुकाबले में नेपाल के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले में नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर

114 रन बनाए। नेपाल की तरफ से सरिता घिमिरे ने सर्वाधिक 35 रन बनाए, जबकि बिमला रानी ने 26 रन की पारी खेली।

इसके जवाब में टीम इंडिया ने 12.1 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। भारत की तरफ से फुला सरेन ने सर्वाधिक 44 रन बनाए, जबकि करुणा ने 42 रन की पारी खेली। इनके अलावा, बसंती हासंदा ने 13 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। भारत ने इस विश्व कप ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल और यूएसए को शिकस्त देकर खिताब जीता। सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर 9 विकेट से जबरदस्त जीत हासिल की थी। इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया ने अपने सभी 7 मैच जीते।

भारतीय टीम जब खिताब जीतकर भारत लौटी, तो बेंगलुरु एयरपोर्ट पर टीम का जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर टीम ने केक काटकर जीत का जश्न मनाया। भारतीय कप्तान दीपिका ने विश्व कप खिताब जीतने पर खुशी जताते हुए कहा था, 'हमें भारत को खिताब जिताकर बेहद खुशी है। पूरी टीम ने एकसाथ मिलकर शानदार प्रदर्शन किया है खिलाड़ियों ने अपनी जिंदगी में काफी मेहनत की है। यह हमारे लिए गर्व का पल है। वहीं, ऑलराउंडर सुषमा पटेल के अनुसार, इस खिताबी जीत ने खिलाड़ियों की जिंदगी बदल दी है। यह सपने के सच होने जैसा है।

अहमदाबाद बनेगा भारत की खेल राजधानी!

सीडब्ल्यूजी 2030 के बाद 2028 और 2031 विश्व एथलेटिक्स की मेजबानी का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रमंडल खेलों (2030) की मेजबानी हासिल कर चुके अहमदाबाद ने अब 2028 विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2031 विश्व सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए भी दावेदारी पेश की है। राष्ट्रमंडल खेलों (2030) की मेजबानी हासिल कर चुके अहमदाबाद ने अब 2028 विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2031 विश्व सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए भी दावेदारी पेश की है। भारतीय अधिकारियों ने कहा कि गुजरात का यह शहर 2036 ओलंपिक की मेजबानी की अपनी दावेदारी मजबूत करने के लिए लगातार बड़े वैश्विक टूर्नामेंट कराने की दिशा में काम कर रहा है। 'कॉमनवेल्थ स्पोर्ट' की जनरल असेंबली ने हाल ही में अहमदाबाद को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों का आधिकारिक मेजबान घोषित किया है। इस घोषणा के बाद गुजरात सरकार ने शहर को खेलों का वैश्विक केंद्र बनाने की अपनी मंशा साफ कर दी है। गुजरात सरकार में प्रधान सचिव (खेल) अश्वनी कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हम ऐसा ढांचा तैयार कर रहे हैं जिससे अहमदाबाद भारत की खेल राजधानी बन सके। हमारा लक्ष्य विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएँ तैयार करना, उत्कृष्ट एथलीट तैयार करना और एशियाई, महाद्वीपीय तथा विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी करना है।' उन्होंने आगे बताया, 'हम 2028 में विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2031 में विश्व सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2033 में विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए प्रस्ताव भेज चुके हैं। इसके अलावा 2029 में हम विश्व पुलिस और फायर गेम्स की मेजबानी करेंगे।'

● भारत की सबसे बड़ी टेस्ट हार पर रविचंद्रन अश्विन का तंज

'गौतम मेरा रिश्तेदार नहीं है'

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को घरेलू मैदान पर टेस्ट इतिहास की अपनी सबसे बड़ी हार (408 रन) झेलनी पड़ी। साउथ अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट में भारत को हराने के साथ ही दो टेस्ट मैच की सीरीज भी 2-0 से अपने नाम की। इस करारी शिकस्त के बाद गौतम गंभीर की कोचिंग को लेकर चौतरफा सवाल खड़े हो गए। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में उन्हें हूटिंग तक झेलनी पड़ी। ऐसी हार उस टीम के लिए और भी शर्मनाक है, जिसका दशकों तक घरेलू हालात में दबदबा था। टीम इंडिया की घर में रनों के अंतर के लिहाज से सबसे बड़ी हार के बाद से खिलाड़ी और मैनेजमेंट दोनों ही निशाने पर हैं। हेड कोच गौतम गंभीर की भी आलोचना तेज हो गई है। इस बीच, रविचंद्रन अश्विन ने इस मुद्दे पर अपना नजरिया पेश किया। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर संयम और मिलकर जिम्मेदारी निभाने की अपील की। वरिष्ठ ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने साफ शब्दों में यह संदेश दिया कि हार की पूरी जिम्मेदारी सिर्फ कोच पर डालना गलत है, खिलाड़ियों को भी आत्ममंथन करना होगा। रविचंद्रन अश्विन ने 'आटा होगा तभी रोटी बनेगी' वाला उदाहरण देते हुए कहा, 'गौतम मेरा रिश्तेदार नहीं है।'

कोच खेलने नहीं जा सकता: अश्विन

अश्विन ने कहा, 'हम जिम्मेदारी पूछना चाहते हैं। यह आसान है, क्योंकि इंडियन क्रिकेट में... आप जानते हैं और मैं भी जानता हूं... इसमें बहुत कुछ मिलता है और बहुत पैसा भी लगता है। बहुत से लोग यह काम करने के लिए तैयार हैं और हमेशा ऐसे लोग होंगे जो इसमें हाथ आजमाएंगे, लेकिन सच तो यह है कि कोच बल्ला उठाकर खेलने नहीं जा सकता। वह सिर्फ अपना काम कर सकता है, खिलाड़ियों से बात कर सकता है। बस इतना ही।' अश्विन का मानना है कि कोच और कप्तान

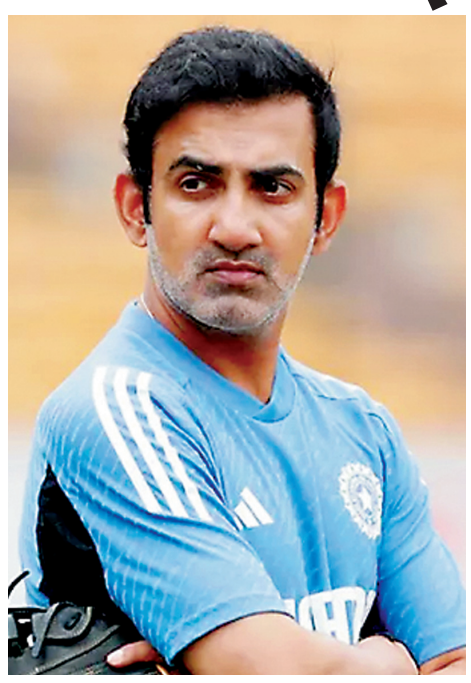

के फैसले लेने की क्षमता में हमेशा सुधार होने की गुंजाइश रहती है, लेकिन उसे लागू करना खिलाड़ियों का काम है। अश्विन ने कहा, 'एक कोच क्या कर सकता है? खुद को कोच की जगह रखकर देखो। आप कह सकते हैं कि खिलाड़ी को निरंतरता चाहिए..., मैं इससे सहमत हूं कि अभी असुरक्षा है और बहुत रोटेशन हुआ है, लेकिन खेलना, परफॉर्म करना और स्किल दिखाना खिलाड़ी की जिम्मेदारी है।'

अश्विन ने जोर देते हुए कहा, 'बतौर खिलाड़ी आपको उस चीज को नियंत्रण करना चाहिए जो आपके कंट्रोल में है। फैसले लेने का काम कोच और कप्तान का होता है। मैंने इतने खिलाड़ियों को इतनी जिम्मेदारी लेते नहीं देखा कि वे कह सकें कि कोच या ङ्क या ङ्घ में कुछ गड़बड़ है।'

बिना सोचे-समझे प्रतिक्रिया नहीं दें: अश्विन

अश्विन ने एक उदाहरण देते हुए कहा, 'तमिल में हम कहते हैं कि अगर आपके पास आटा है, तभी आप चपाती या रोटी बना सकते हैं। अगर आपके पास आटा नहीं है, तो आप रोटी कैसे बनाएंगे? मैंने खिलाड़ियों की तरफ से इतना नहीं देखा कि यह समझ सकूं कि सिर्फ फैसले लेना ही गलती क्यों है।' रविचंद्रन अश्विन ने बिना सोचे-समझे प्रतिक्रिया देने और व्यक्तिगत हमले करने से भी सावधान किया।

इस भारतीय बल्लेबाज ने 31 गेंद में ठोका तूफानी शतक

12 चौके और 10 छक्के लगाए

नई दिल्ली, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में गुजरात और सर्विसेज के बीच खेले गए मुकाबले में गुजरात के बल्लेबाज उर्विल पटेल ने सिर्फ 31 गेंदों में तूफानी शतक जड़ा और अपनी टीम को एक शानदार जीत दिलाई. वहीं उर्विल को आईपीएल 2026 के लिए चेन्नई सुपर किंग्स ने रिटेन कर लिया है. जिन्हें फ्रेंचाइजी ने पिछले सीजन के लिए मेगा ऑक्शन में 30 लाख रुपये में खरीदा था. उर्विल का आईपीएल 2026 से पहले शानदार फॉर्म में आना सीएसके के लिए अच्छी खबर है, क्योंकि वे अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं.

उर्विल पटेल ने ठोका तूफानी शतक – इस मुकाबले में सर्विसेज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात को 183 रनों का टारगेट दिया. जवाब में, लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान उर्विल पटेल ने पहली ही गेंद से विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी की और इन्हें रोकने में सर्विसेज के गेंदबाज नाकामयाब रहे. उर्विल ने 300 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से सिर्फ 37 गेंदों में नाबाद 119 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली और उन्होंने इस पारी में 12 चौके और 10 छक्के भी लगाए.

गुजरात ने महज 12.3 ओवर में किया चेज – कप्तान उर्विल की विस्फोटक पारी की बदौलत गुजरात ने महज 12.3 में 183 रनों के टारगेट को चेज कर दिया.

सीएसके से रिलीज हुआ यह खिलाड़ी

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में मचाई धूम

36 गेंदों में ठोके नाबाद 76 रन और 6 छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स द्वारा रिलीज किए जाने के बाद राजस्थान के स्टार बल्लेबाज दीपक हूडा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के पहले ही दिन अपने जलवे बिखेर दिए। उन्होंने 36 गेंदों में नाबाद 76 रन बनाकर 6 छक्के लगाए और वरुण चक्रवर्ती की कप्तानी में खेल रही तमिलनाडु को 6 विकेट से हरा दिया।

हूडा का धमाकेदार प्रदर्शन

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम बी ग्राउंड में 170 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए, हूडा चौथे ओवर में मैदान में आए और आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने विशेष रूप से लेफ्ट-आर्म स्पिनर आर. साई किशोर और आर. राजकुमार को निशाना बनाया। शुबहम गर्वाल के 32 रन पर आउट होने से उनका उत्साह कम नहीं हुआ। हूडा ने केवल 22 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे।तीसरे विकेट के लिए महिपाल लोमर के साथ 67 रन की साझेदारी ने राजस्थान को जीत के कगार पर ला दिया। अंत में, कार्तिक शर्मा के साथ मिलकर राजस्थान ने 21 गेंदें बचाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

महिला बिग बैश लीग: सीजन के बाकी मैच नहीं खेलेंगी जेमिमा रोड्रिग्स

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स महिला बिग बैश लीग में सीजन के बाकी मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगी। उनकी टीम ब्रिस्बेन हीट ने इसकी पुष्टि की है। ब्रिस्बेन हीट ने बताया, 'जेमिमा रोड्रिग्स महिला बिग बैश लीग के बाकी मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया वापस नहीं आएंगी। रोड्रिग्स 10 दिन पहले होबार्ट हरिकेंस के साथ हीट के मैच के बाद मंधाना की शादी में हिस्सा लेने के लिए घर आई थीं, लेकिन उनके पिता के बीमार पड़ने पर इवेंट कैंसिल कर दिया गया। 24 साल की जेमिमा ने परिवार को सपोर्ट करने के लिए भारत में रहने का फैसला किया है। टीम उनके फैसले का सम्मान करती है।' टीम के सीईओ टेरी स्वेनसन ने कहा कि जेमी के लिए यह मुश्किल समय रहा है। दुख की बात है कि वह महिला बिग बैश लीग में आगे हिस्सा नहीं लेंगी, लेकिन हम भारत में रहने की उनकी रिक्वेस्ट मानने को तैयार थे। हीट क्लब साफ तौर पर उन्हें और स्मृति मंधाना के परिवार को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है। रोड्रिग्स के फैंस में निराशा है। वह इस साल क्लब की टॉप इंटरनेशनल ड्राफ्ट पिक थीं और ब्रिस्बेन के साथ अपने दूसरे स्टिंट में थीं, लेकिन हम उनकी बेहतरी को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'जेमी ने हमें बताया कि वह वापस न आ पाने से निराश हैं, और उन्होंने क्लब और हीट के फैंस को हालात को समझने के लिए तारीफ की है। वह खिलाड़ियों के टच में हैं और उन्होंने बाकी मैचों के लिए शुभकामनाएं दी हैं।' जेमिमा रोड्रिग्स भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सर्वाधिक प्रतिभाशाली बल्लेबाजों में से एक हैं। विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में खेली गई उनकी 127 रन की पारी को कौन भूल सकता है?

एफआईएच जूनियर वर्ल्ड कप

9 साल बाद घरेलू धरती पर खिताब जीतने उतरेगा भारत

पीआर श्रीजेश की भी होगी परीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। एफआईएच जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में भारतीय टीम शुक्रवार से अपना अभियान शुरू करेगी। चेन्नई और मुदरई में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में भारतीय जूनियर हॉकी टीम की नजरें होगीं 9 साल बाद घरेलू सरजमीं पर खिताब का सूखा खत्म करने पर। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट के इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरी सबसे सफल टीम है। भारत शुक्रवार को पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के अपने पहले पूल मैच में चिली के खिलाफ उतरेगा। इस मैच में बड़ी जीत दर्ज करके भारतीय टीम अपने अभियान का शानदार आगाज करने की कोशिश करेगी। आपको बता दें कि दो बार के चैंपियन भारत ने पिछली बार 2016 में लखनऊ में वर्तमान में सीनियर महिला टीम के कोच हरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में यह टूर्नामेंट जीता था। भारतीय टीम 2001 में होबार्ट में और 2016 में लखनऊ में चैंपियन बनी थी। मौजूदा टूर्नामेंट में भारत को पूल बी में रखा गया है और वह इस ग्रुप से आगे बढ़ने का प्रबल दावेदार है। भारत और चिली के अलावा, ओमान और स्विट्जरलैंड पूल बी में शामिल अन्य टीमें हैं।

पाकिस्तान ने वापस लिया था नाम

पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत का दौरा करने से इनकार कर दिया था जिसके बाद उसकी जगह पर ओमान को शामिल किया गया था। 46 साल पहले 1979 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में जर्मनी सबसे सफल टीम है, जिसने सात खिताब जीते हैं। भारत के अलावा अर्जेंटीना ने भी दो बार 2005 और 2021 में जूनियर विश्व कप जीता था।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में सुबह-सुबह एनकाउंटर, भाऊ गैंग के बड़े बदमाश ने खाई गोली

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका जिला पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल लंबे समय से फरार चल रहे हिमांशु भाऊ गैंग के शूटर को गुरुवार सुबह एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने भागने के दौरान पुलिस टीम पर तीन राउंड फायरिंग की, जिसके बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लग गई। पुलिस ने आरोपी को अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां उसका उपचार किया जा रहा है। आरोपी 25 वर्षीय अंकित पर पुलिस ने 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया हुआ था। दिल्ली पुलिस के अलावा उसे हरियाण पुलिस भी लंबे समय से तलाश रही थी। पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि 28 अक्टूबर को नजफगढ़ इलाके में हुई गैंगवार के दौरान हिमांशु भाऊ गैंग के शूटरों ने रोहित लांबा पर फायरिंग की गई थी। रोहित इस फायरिंग में बच गया था। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज कर जांच शुरू की और चार आरोपियों को दबोच लिया। लेकिन मामले में शामिल दोनों शूटर अंकित और दीपक फरार हो गए थे। पुलिस ने दोनों पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। गुरुवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि शूटर अंकित नजफगढ़ स्थित साई बाबा मंदिर के पास आने वाला है। पुलिस ने यूईआर-2 के पास ट्रैप लगाया और अंकित का इंतजार शुरू किया। सुबह करीब 8.05 बजे अंकित बाइक से वहां पहुंचा। अंकित को देखकर पुलिस ने उसे पकड़ने की कोशिश की तो उसने बाइक से भागने की कोशिश की और पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। आरोपी की एक गोली हेडकांस्टेबल कुलदीप को लगी। लेकिन बुलेट प्रूफ जैकेट पहने होने के चलते वह बच गए। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की जिसमें अंकित के दाहिने पैर में गोली लग गई। पुलिस ने घायल अंकित को पकड़ लिया औीर नजदीकी अस्पताल में भर्ती किया। पुलिस ने उपचार के बाद गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को 2020 में पुलिस कांस्टेबल को गोली मारने के आरोप में लंबे समय से हरियाणा पुलिस भी तलाश कर रही थी।

बढ़ गई रोशनआरा क्लब की मेंबरशिप पाने की तारीख

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आपने अभी तक दिल्ली के रोशनआरा क्लब की सदस्यता नहीं ली है, तो ये खबर आपके लिए है। डीडीए ने रोशनआरा क्लब की लाइफटाइम सदस्यता के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 दिसंबर कर दी है। सारे आवेदन ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकारे जाएंगे। सरकारी कैटेगरी की 350 और गैर सरकारी कोटे की 400 सीटें होंगी। यदि आवेदनों की संख्या सीटों की संख्या से अधिक होती है, तो चयन कंप्यूटरीकृत ड्रॉ ऑफ लॉट्स के माध्यम से किया जाएगा। रोशआरा की सदस्यता के लिए आवेदन शुल्क भी तय हैं। आवेदक को भारतीय नागरिक होने के साथ उम्र 21 साल से ऊपर होनी चाहिए और अप्लीकेशन की रकम 2500 रुपये है। इसके अलावा गैर सरकारी लोगों के लिए मेंबरशिप शुल्क 12.5 लाख और सरकारी लोगों के लिए 4 लाख रुपये है। इसमें जीएसटी की रकम अलग से जोड़ी जाएगी। डीडीए अधिकारी ने कहा, यह विस्तार उन इच्छुक सदस्यों को एक अतिरिक्त अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से है जो व्यक्तिगत या लॉजिस्टिक्स कारणों से पहले अपना आवेदन पूरा नहीं कर पाए थे। साथ ही यह ऐतिहासिक खेल और सामाजिक संस्थान तक व्यापक सार्वजनिक पहुंच सुनिश्चित करेगा। यूरोपीय शैली के दरवाजो और खिड़कियां, मैंगलोर टाइल वाली छत और जटिल लकड़ी के ट्रस शामिल हैं।

ऐसा क्या आदेश दें कि तुरंत साफ हो जाए हवा

जादू की छड़ी नहीं; दिल्ली प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली-एनसीआर में हर साल सर्दियों के आते ही हवा का हाल ऐसा हो जाता है मानो पूरा इलाका जहरीली धुंध के घेरे में कैद हो जाता हो। इस गंभीर समस्या पर अब सुप्रीम कोर्ट ने ठोस कदम उठाने का संकेत दिया है। अदालत ने दिल्ली-एनसीआर में बिगड़ती हवा की गुणवत्ता से जुड़ी एक याचिका पर 3 दिसंबर को सुनवाई करने का फैसला किया है। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस संकट को लगातार निगरानी की जरूरत है।सीजेआई सूर्य कांत और जस्टिस ज्योमलया बागची की बेंच ने वायु प्रदूषण से जुड़े मामले में एमिकस क्यूरी के रूप में सहायता दे रही वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह की दलीलों पर विचार किया। उन्होंने अदालत को बताया कि दिल्ली-एनसीआर में मौजूदा स्थिति बेहद चिंताजनक है और इसे हेल्थ इमरजेंसी के रूप में देखा जाना चाहिए। सीजेआई ने इस संकट की गंभीरता को स्वीकार करते हुए कहा, अदालत के पास कोई जादुई छड़ी तो नहीं है। हम सभी जानते हैं कि यह स्थिति दिल्ली-एनसीआर के लिए कितनी खतरनाक है। समस्या यह है कि इसके कारणों और समाधानों की पहचान करनी होगी। समाधान तो क्षेत्र के विशेषज्ञ ही बता सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि दीर्घकालिक उपाय ढूंढना आवश्यक है। सीजेआई कांत ने कहा, मुझे बताएं कि हम क्या निर्देश दे सकते हैं कि हम कुछ निर्देश दे सकें और तुरंत साफ हवा मिल सके। हम सभी जानते हैं कि समस्या क्या है। हमें सभी कारणों की पहचान करने की जरूरत है। कोई एक कारण नहीं है। ऐसा सोचना एक बड़ी गलती हो सकती है। केवल डोमेन एक्सपर्ट और साइंटिस्ट ही इस पर गौर कर सकते हैं। फिर हमें देखना होगा कि हर क्षेत्र में क्या समाधान हो सकते हैं। आइए देखें कि सरकार ने कमेटी के तौर पर क्या बनाया है।

तात्कालिक निर्देशों से आगे बढ़ने की जरूरत

कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल कुछ अस्थायी निर्देश जारी करने से हवा तुरंत शुद्ध नहीं हो जाएगी। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि प्रत्येक क्षेत्र के लिए अलग-अलग समाधानों पर विचार करना होगा और इसके लिए सरकार द्वारा गठित समितियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि इस मामले को केवल दिवाली के मौसम तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे नियमित रूप से निगरानी में रखा जाए।

इससे पहले 19 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को निर्देश दिया था कि वह दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में नवंबर-दिसंबर के दौरान निर्धारित खुले खेल आयोजनों को अधिक सुरक्षित महीनों में स्थगित करने पर विचार करे। अदालत ने ग्रैप के तहत साल भर सख्त पाबंदियां लगाने से इनकार कर दिया था। कोर्ट का मानना है कि आपातकालीन उपायों के बजाय लंबे समय तक चलने वाले और टिकाऊ समाधानों पर ध्यान देना जरूरी है। इस प्रकार, सुप्रीम कोर्ट ने जहरीली हवा के इस जटिल संकट को केवल मौसमी समस्या के रूप में न देखते हुए निरंतर निगरानी और एक्सपर्ट के सहयोग से स्थायी समाधानों की दिशा में कदम बढ़ाने पर बल दिया है। 3 दिसंबर को होने वाली सुनवाई में इस दिशा में आगे की रणनीति पर विचार होने की उम्मीद है।

पेपर स्प्रे फेंकने वालों को थाने में पीट रही है दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी।
पटियाला हाउस कोर्ट ने इंडिया गेट पर विरोध प्रदर्शन से जुड़े मामले में गिरफ्तार किए गए छह आरोपियों को तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अरिदमन सिंह चीमा की कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली पुलिस की अर्जी पर यह आदेश दिया। पुलिस ने सात दिन की हिरासत मांगी थी, लेकिन अदालत ने केवल तीन दिनों की अनुमति दी। आरोपियों की जमानत याचिका पर शनिवार को सुनवाई होगी। कर्तव्य पथ से गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को दो दिन की न्यायिक हिरासत के बाद कोर्ट में पेश किया गया था। सुनवाई के दौरान संयुक्त पुलिस आयुक्त दीपक पुरोहित और डीसीपी देवेश महला महला अदालत में मौजूद रहे। दिल्ली पुलिस ने आरोप लगाया कि नौ नवंबर को आरोपियों ने इंडिया गेट के पास सड़क जाम की और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान कम से कम 10 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। पुलिस ने यह भी दावा किया कि तीन आरोपियों अक्षय, आकाश और एक अन्य से तीन कैन पेपर स्प्रे बरामद किए गए हैं। साथ ही, आरोप है कि ये लोग प्रतिबंधित माओवादी संगठन से जुड़े माओवादी नेता माडवी हिडमा के समर्थन में नारे लगा रहे थे और लाल सलाम के नारे भी लगाए गए। पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन फॉरेंसिक जांच के लिए एफएसएल भेजने की बात कही है। आरोपियों की ओर से पेश वकीलों ने पुलिस पर हिरासत में प्रताड़ना का गंभीर आरोप लगाया। दो आरोपियों के वकील ने कहा कि उन्हें हिरासत में पीटा गया और उनके शरीर पर चोटों के निशान हैं। वकीलों ने इलाके की सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने की मांग भी की।

इस्राइल ने लौटाए 15 और फलस्तीनियों के शव

सीजफायर के दूसरे चरण पर चर्चा के लिए मिले तीन देशों के अधिकारी

तेल अवीव, एजेंसी।
इस्राइल ने पंद्रह और फलस्तीनियों के शव सौंप दिए हैं। संघर्षविराम समझौते का पहला चरण खत्म होने के करीब है और अधिकारी दूसरे चरण पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए हैं। गाजा में अस्पताल के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम उस समय हुआ है, जब फलस्तीनी लड़ाकों ने इस्राइली बंधक ड्रोर ओर के अवशेष लौटाए हैं। इस्राइली सेना का कहना है कि हमास के सात अक्तूबर 2023 के हमले में उनकी मौत हो गई थी। समझौते के तहत इस्राइल हर एक बंधक के बदले 15 फलस्तीनी शव लौटाने के लिए तैयार हुआ है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, ताजा आदान-प्रदान के बाद इस्राइल अब तक कुल 345 फलस्तीनी शव गाजा वापस भेज चुका है। ये आदान-प्रदान पिछले महीने शुरू हुए थे। गाजा में अभी भी दो लोग हमास की कैद में हैं। इनमें एक इस्राइली और एक थाई नागरिक है। तुर्किये, कतर और मिस्र के अधिकारियों ने बुधवार को काहिरा में मुलाकात की, ताकि संघर्षविराम के दूसरे चरण पर बात की जा सके। दोनों पक्षों की ओर से एक दूसरे पर संघर्षविराम के उल्लंघन के आरोप लगाए जा रहे हैं। इसके बावजूद यह संघर्षविराम अब तक बना हुआ है। समझौते के अगले चरणों में एक अंतरराष्ट्रीय बल को तैनात करना और गाजा के लिए एक अंतरराष्ट्रीय प्रशासनिक ढांचा बनाना शामिल है, जो पुनर्निर्माण कार्य की निगरानी भी करेगा। सशस्त्र अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल का काम सुरक्षा बनाए रखना और हमास का निरस्त्रीकरण सुनिश्चित करना होगा। यह इस्राइल की मुख्य मांग है। इंडोनेशियाई अधिकारियों ने कहा है कि वे इस बल के लिए 20 हजार शांति सैनिक भेजने की योजना बना रहे हैं। इस योजना के लगभग हर हिस्से और इसे लागू करने के समय को लेकर सवाल बने हुए हैं। इस बीच, लगभग सभी फलस्तीनी अपने घरों से विस्थापित हैं और मानवीय मदद पर निर्भर हैं। हमास अभी भी गाजा के लगभग आधे हिस्से पर बड़ा नियंत्रण रखता है और गाजा के पुनर्निर्माण की शुरुआत भी मुश्किल से हुई है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इस्राइल की ओर से लौटाए गए 345 शवों में से केवल 99 की पहचान हो सकी है। उनका कहना है कि गाजा में डीएनए परीक्षण किट की कमी के कारण पहचान की प्रक्रिया बेहद मुश्किल है।

ट्रंप का ताइवान मुद्दे पर जापान को कड़ा संदेश, 'मत लो चीन से पंगा...स्थिति और न बिगाड़ो'!

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जापान की पीएम साने ताकाइची को चीन के साथ बढ़ते तनाव पर बड़ा संदेश दिया है। ट्रंप ने फोन पर ताकाइची से कहा कि ताइवान को लेकर टकराव बढ़ाने से बचें, क्योंकि यह एशिया में नई अस्थिरता को जन्म दे सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची से फोन पर बातचीत की, जिसमें उन्होंने ताइवान को लेकर चीन के साथ बढ़ते तनाव को संभलकर हैंडल करने की सलाह दी। द वॉल स्ट्रीट जर्नल और क्योदो न्यूज के अनुसार, ट्रंप ने ताकाइची से कहा कि उनके बयान से पहले ही टोक्यो-बीजिंग रिश्तों में तनाव बढ़ चुका है, इसलिए उन्हें अधिक उग्र बयानबाजी से बचना चाहिए। यह चर्चा उस समय हुई जब ताकाइची ने जापानी संसद में कहा था कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है, तो यह जापान के लिए अस्तित्व संकट बन सकता है। चीन ने इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी।सूत्रों के अनुसार, ट्रंप ने ताकाइची पर दबाव नहीं डाला, लेकिन सुझाव दिया कि वे अपने बयान का टोन थोड़ा हल्का करें, क्योंकि वे घरेलू राजनीति को देखते हुए इसे पूरी तरह वापस नहीं ले सकतीं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जापानी अधिकारियों ने ट्रंप की सलाह को इस संकेत के रूप में देखा कि वे नहीं चाहते कि ताइवान मुद्दा उनकी हालिया चीन के साथ नरमी को खराब करे-विशेष रूप से उस समय जब चीन ने अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद बढ़ाने का वादा किया है। ट्रंप ने मीडिया से कहा कि उनकी ताकाइची से बहुत अच्छी बातचीत हुई है और वे मानते हैं कि जापान और चीन दोनों ठीक हैं। उनकी यह कॉल ताइवान पर बयान के तुरंत बाद आई थी, और उससे कुछ ही पहले वे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी बात कर चुके थे।

अगले साल जी-20 सम्मेलन में नहीं दूंगा न्योता

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा कि अगले साल फ्लोरिडा में होने वाले ज20 समिट में साउथ अफ्रीका को हिस्सा लेने के लिए नहीं बुलाया जाएगा। दरअसल, पिछले हफ्ते अमेरिका ने साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में लीडर्स समिट का बॉयकॉट किया था। इस बॉयकॉट को अफ्रीकी देश ने अपने खिलाफ सजा देने वाला कदम बताया था। बता दें कि जी-20 नेताओं ने शनिवार को अमेरिका के एतराज के बावजूद जलवायु संकट और दूसरी ग्लोबल चुनौतियों से निपटने के लिए एक घोषणा की। इस घोषणा के बाद अमेरिका ने साउथ अफ्रीका पर इस साल ग्रुप की लीडरशिप को हथियार बनाने का आरोप लगाया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर लिखा कि जी-20 के खत्म होने पर साउथ अफ्रीका ने जी-20 प्रेसीडेंसी हमारे यूएस एम्बेसी के एक सीनियर रिप्रेजेंटेटिव को देने से मना कर दिया, जो क्लोजिंग सेरेमनी में शामिल हुए थे। इसलिए मेरे कहने पर साउथ अफ्रीका को 2026 जी-20 का निमंत्रण नहीं मिलेगा, जिसे अगले साल फ्लोरिडा के ग्रेट सिटी मियामी में होस्ट किया जाएगा। डोनल्ड ट्रंप के इस पोस्ट को साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के कार्यालय ने अफसोसजनक करार दिया है। सम्मेलन में अमेरिका का डेलीगेशन मौजूद नहीं था, इसलिए जी20 प्रेसीडेंसी के इंस्ट्रुमेंट साउथ अफ्रीका के डिपार्टमेंट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस एंड कोऑपरेशन के हेडक्वार्टर में यूएस एम्बेसी के एक अधिकारी को सौंप दिए गए थे।

पहले मौत की सजा, अब भ्रष्टाचार मामले में 21 साल की जेल

ढाका, एजेंसी।
बांग्लादेश की राजधानी ढाका के एक कोर्ट ने पदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को भ्रष्टाचार के आरोप में 21 साल जेल की सजा सुनाई है। शेख हसीना को यह सजा ऐसे समय पर सुनाई गई, जब इससे पहले आईसीटी ने उन्हें मौत की सजा सुना चुका है।

दरअसल, ढाका के स्पेशल जज 5 मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने शेख हसीना को तीन प्लॉट फ्रॉड केस में 7-7 साल की सजा सुनाई है।

बता दें कि बांग्लादेश के एंटी-करप्शन कमीशन ने पिछले जनवरी में शेख हसीना और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ ढाका के पुरबाचल इलाके में कथित तौर पर गैरकानूनी तरीके से सरकार प्लॉट बांटने के लिए छह अलग-अलग मामला दर्ज कराए थे। बाकी तीन मामलों में फैसला 1 दिसंबर को

सुनाया जाएगा। कोर्ट ने शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय को पांच साल जेल और 100,000 ञ्च का जुर्माना लगाया। कोर्ट ने शेख हसीना की बेटी साइमा वाजेद पुतुल को पांच साल की सजा सुनाई है।

गौरतलब है कि बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने जुलाई 2024 में सरकार के विरुद्ध प्रदर्शनों को दबाने की शेख हसीना की कोशिशों के लिए उन्हें मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी माना और हसीना को मौत की सजा सुनाई।

इस दौरान शेख हसीना और उनके परिवार के पास इन मामलों में कोई वकील नहीं था। हालांकि, उन्होंने अलग-अलग भाषणों और बयानों में किसी भी भ्रष्टाचार के आरोपों में शामिल होने से इनकार किया है।

इन सब के बीच बुधवार को भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार अभी बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के उन अनुरोध की जांच कर रही है, जिसमें पूर्व बांग्लादेशी पीएम शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की गई है। मीडिया ब्रीफिंग के दौरान प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि नई दिल्ली को इस मामले पर ढाका से औपचारिक रूप से जानकारी मिली है।

शाहीन मुजम्मिल की पत्नी है, मस्जिद में किया निकाह... दिल्ली ब्लास्ट में नया खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के लालकिला के पास हुए बम विस्फोट की जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। गिरफ्तार संदिग्ध मुजम्मिल अहमद गनई ने जांच एजेंसियों को बताया कि सहआरोपी शाहीन शाहिद उसकी पत्नी है, न कि महज प्रेमिका, जैसा पहले समझा जा रहा था। इस दावे ने न केवल मामले के मानवीय पहलू को उजागर किया है, बल्कि शाहीन द्वारा दिए गए भारी-भरकम फंडिंग के पीछे की वजह को भी

स्पष्ट करने का प्रयास किया है।

टीओआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, मुजम्मिल ने पूछताछ के दौरान दावा किया कि सितंबर 2023 में अल-फलाह विश्वविद्यालय के निकट एक मस्जिद में शाहीन के साथ उसका निकाह हुआ था। इस निकाह में शरिया कानून के अनुसार महर की राशि 5,000 से 6,000 रुपये निर्धारित की गई थी। इस वैवाहिक संबंध का दावा मामले के उस पहलू को समझाने में महत्वपूर्ण हो सकता है, जिसमें शाहीन ने मुजम्मिल को भारी मात्रा में धन उपलब्ध कराया। जांच के अनुसार, शाहीन ने वर्ष 2023 में मुजम्मिल को हथियार खरीदने के लिए करीब 6.5 लाख रुपये दिए, जबकि 2024 में उमर को फोर्ड इकोस्पोर्ट कार खरीदने के लिए 3 लाख रुपये का लोन दिया।

दिल्ली में अपने घर का सपना होगा पूरा!

डीडीएजल्द लॉन्च करेगी कर्मयोगी आवास योजना; जानें खासियत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) सरकारी कर्मचारियों के लिए एक विशेष आवास योजना लेकर आ रहा है, जिसका नाम है कर्मयोगी आवास योजना। इस योजना के तहत नरेला में करीब 3,500 फ्लैट्स उपलब्ध कराए जाएंगे। यह योजना न केवल किफायती आवास प्रदान करेगी, बल्कि दिल्ली के बाहरी इलाकों में सुनियोजित और सुरक्षित आवासीय कॉलोनियों का निर्माण भी सुनिश्चित करेगी। पंजीकरण प्रक्रिया दिसंबर के मध्य में शुरू होने की संभावना है।

यह योजना विशेष रूप से केंद्र और राज्य सरकार के विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, अस्पतालों तथा अन्य सरकारी संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए तैयार की गई है। केवल इन क्षेत्रों में कार्यरत योग्य कर्मचारी ही इसके लिए आवेदन कर सकेंगे।

योजना का मुख्य लक्ष्य सरकारी कर्मचारियों के लिए एकीकृत और व्यवस्थित आवासीय समुदाय बनाना है, जहां वे एक ही परिसर में रह सकें। योजना को और आकर्षक बनाने के लिए फ्लैट्स की कीमत पर 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। फ्लैट्स नरेला के सेक्टर ए1 से ए4 के तीन पॉकेट्स में स्थित होंगे और ये सभी गेटेड सोसाइटियों के रूप में विकसित किए गए हैं। नरेला, जो दिल्ली मास्टर प्लान में भविष्य के शहरी विस्तार का प्रमुख केंद्र माना गया है, इस योजना के लिए एक आदर्श स्थान है। योजना तीन चरणों में फ्लैट्स की पेशकश करेगी। इनमें उच्च आय वर्ग (एचआईजी), मध्यम आय वर्ग (एमआईजी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए आवास शामिल हैं इन सभी फ्लैट्स का निर्माण हाल ही में पूरा हो चुका है। डीडीए वर्तमान में पंजीकरण प्रक्रिया, ब्रोशर और ऑनलाइन आवेदन प्रणाली को अंतिम रूप दे रहा है। यह योजना नरेला के समग्र विकास का हिस्सा है। यहां मेट्रो और बस सेवाओं के माध्यम से राजधानी के अन्य हिस्सों से बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा रही है।

बोकारो स्टील प्लांट में सीबीआरएन इमरजेंसी लेवल 3 मॉक ड्रिल का आयोजन

एनडीआरएफ, स्वास्थ्य विभाग, सिविल डिफेंस और सीआइएसएफ सहित कई राष्ट्रीय-राज्य स्तरीय एजेंसियां अभ्यास में हुई शामिल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरूवार को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष सह उपायुक्त अजय नाथ झा के निदेर्शानुसार बोकारो स्टील लिमिटेड (बीएसएल) प्लांट में औद्योगिक आपात स्थितियों से निपटने की तैयारी का आकलन करने के उद्देश्य से केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर (सीबीआरएन) आधारित वृहद मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। मॉकड्रिल में बीएसएल प्रबंधन के कई अहम विभागों के साथ-साथ जिला प्रशासन,एनडीआरएफ की 9वीं बटालियन, एसडीआरएफ, सीआईएसएफ और फायर सर्विस जैसी प्रमुख आपदा प्रबंधन एजेंसियां शामिल हुई। यह मॉकड्रिल एक काल्पनिक गैस रिसाव की स्थिति को ध्यान में रखते हुए की गई ताकि वास्तविक परिस्थितियों में जिले, संयंत्र और एजेंसियों की सामूहिक क्षमता और तत्परता का मूल्यांकन किया जा सके।

गैस रिसाव आधारित परिकल्पना पर केंद्रित था पूरा अभ्यास

सुबह लगभग 11 बजे बीएसएल के निर्धारित औद्योगिक क्षेत्र में गैस रिसाव का काल्पनिक अलार्म बजाया गया। अलर्ट मिलते ही - गैस सेफ्टी (ईएमडी), ब्लास्ट फर्नेस, सेफ्टी विभाग, प्लांट कंट्रोल, बीएसएल मेडिकल सर्विसेज, बीएसएल सुरक्षा की टीमें निर्धारित एमओपी के अनुसार तुरंत सक्रिय हो गईं। इसी के साथ जिला प्रशासन, सीआइएसएफ, फायर सर्विस और एनडीआरएफ की टीमों को भी सूचना भेजी गई, जिन्होंने कुछ ही मिनटों में घटनास्थल पर पहुंचकर मोर्चा संभाला।

बेहतर समन्वय - परिचालन क्षमता, प्रतिक्रिया समय और सूचना तंत्र की हुई जांच

मॉकड्रिल का मुख्य उद्देश्य था सूचना संप्रेषण प्रणाली की गति, विभिन्न एजेंसियों के बीच इंटर-एजेंसी कोऑर्डिनेशन, परिचालन (ऑपरेशनल) तैयारी, कमांड चेन का पालन, मेडिकल इमरजेंसी रिस्पांस, एंबुलेंस व अस्पतालों की तैयारियां, सुरक्षा घेरा व एंट्री-एक्ज़िट प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं की वास्तविक समय में परख करना। अभ्यास के दौरान सभी एजेंसियों ने अपनी-अपनी जिम्मेदारियां निर्धारित समय पर निभाई और समन्वय को संतोषजनक पाया गया। मॉकड्रिल लगभग डेढ़ घंटे तक चली।

वरीय पदाधिकारियों की मौजूदगी ने बढ़ाई ड्रिल की गंभीरता

सीबीआरएन मॉकड्रिल को उच्च स्तरीय समर्थन और निगरानी प्राप्त थी। इंसिडेंट पोस्ट पर उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, डीडीसी शताब्दी मजूमदार अधिशासी निदेशक (वर्क्स) प्रिय रंजन, अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) अनूप कुमार दत्त, एसडीएम चास प्रांजल ढ़ांडा, इंसिडेंट पदाधिकारी प्रभाष दत्ता, डीडीएमओ शक्ति कुमार, सिविल सर्जन डा. ए बी प्रसाद, एएमसी संजीव कुमार, डीपीआरओ रवि कुमार आदि के अलावा बीएसएल और जिला प्रशासन के कई वरीय अधिकारी मौजूद रहे। उनका उद्देश्य था कि किसी भी संभावित औद्योगिक आपदा की वास्तविक स्थिति में सिस्टम के सभी स्तरों की कार्यक्षमता सुनिश्चित हो सके।

एनडीआरएफ और सीआइएसएफ ने प्रदर्शित की उच्च स्तरीय तकनीकी क्षमता

एनडीआरएफ की 9वीं बटालियन ने मौके पर ही गैस डिटेक्शन तकनीक, डी-कंटेमिनेशन प्रक्रिया, प्रभावित कर्मियों की निकासी, संरक्षित कार्य के प्रोटोकॉल का लाइव प्रदर्शन किया। सीआइएसएफ ने क्षेत्र को सुरक्षा घेरा प्रदान किया, एंट्री-एग्ज़िट पॉइंट्स नियंत्रित किए और परिधि सुरक्षा की सम्पूर्ण जिम्मेदारी संभाली। सिविल डिफेंस के सदस्यों ने भी अपनी भूमिका अदा की।

अवलोकन बैठक में साझा हुई प्रमुख टिप्पणियां

मॉकड्रिल समाप्त होने के बाद पर्यवेक्षकों और विशेषज्ञों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिसमें उपायुक्त श्री अजय नाथ झा, एसपी श्री हरविंदर सिंह, जिला आपदा पदाधिकारी श्री शक्ति कुमार, सीआइएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी, एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडर आदि ने अपने-अपने अवलोकन साझा किए और भविष्य में और बेहतर तैयारी के लिए सुझाव प्रस्तुत किए। समीक्षा में यह पाया गया कि प्रतिक्रिया समय, समन्वय और चिकित्सा व्यवस्था संतोषजनक रही तथा संचार प्रणाली प्रभावी ढ़ंग से कार्यरत थी। जानकारी हो कि, बोकारो स्टील प्लांट एक थर्मो-सेंसिटिव और उच्च जोखिम वाली औद्योगिक इकाई है, जहां विभिन्न रासायनिक तत्वों के साथ काम होता है। ऐसी परिस्थितियों में सीबीआरएन मॉकड्रिल अत्यंत आवश्यक हैं। वर्ष 2023 के बाद लगभग दो वर्षों के अंतराल पर आयोजित इस अभ्यास ने जिला प्रशासन और बीएसएल की संयुक्त आपदा प्रबंधन तैयारी को फिर से परखा और मजबूत किया।

अभ्यास ने बढ़ाई आपदा प्रबंधन प्रणाली की विश्वसनीयता

अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार की नियमित और वास्तविक स्थिति आधारित मॉकड्रिल - औद्योगिक सुरक्षा तंत्र को और मजबूत करती हैं, रिस्क को कम करती हैं तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को नई दिशा देती हैं। मॉकड्रिल जिले की औद्योगिक आपदा प्रबंधन प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। इसमें जिले में संचालित विभिन्न कंपनियों डीवीसी-सीटीपीएस, डीवीसी-बीटीपीएस, सीसीएल कथारा, डालमिया सिमेंट, ओएनजीसी, वेदांता समेत अन्य कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। मौके पर डीडीएमए के अध्यक्ष सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि उद्योगों में सुरक्षा को केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि लाभकारी निवेश के रूप में अपनाया जाना चाहिए। सेफ्टी इज कास्ट इफेक्टिव - यह सिद्धांत आज के औद्योगिक वातावरण में पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। सुरक्षा उपायों पर किया गया निवेश न केवल दुर्घटनाओं को रोकता है, बल्कि उत्पादन क्षमता, श्रमिकों के मनोबल और उद्योग की विश्वसनीयता को भी बढ़ाता है। उन्होंने भविष्य के लिए सुझाव देते हुए कहा कि ऐसी कोई भी स्थिति नहीं होनी चाहिए, जहां सुरक्षा से समझौता किया जाए। आम लोगों और श्रमिकों के अंदर यह विश्वास पैदा होना आवश्यक है कि उद्योग उनके जीवन और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने सभी संबंधित एजेंसियों के कार्य की प्रशंसा की और कहा कि सभी ने अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन किया है। मौके पर पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने कहा कि मॉक ड्रिल का संचालन प्रभावी ढ़ंग से हुआ और सभी विभागों ने बेहतर तालमेल दिखाया। सीआइएसएफ द्वारा तत्काल सूचना उपलब्ध कराई गई, जिससे स्थिति पर समय रहते नियंत्रण संभव हुआ। बताया कि ट्रैफिक कंट्रोल की व्यवस्था सुव्यवस्थित रही। आवश्यक मार्गों पर तुरंत ग्रीन कॉरिडोर बना दिया गया, जिससे राहत एवं बचाव दल बिना किसी बाधा के निर्धारित स्थल तक पहुंच सके। समन्वय, प्रतिक्रिया और सूचना तंत्र के इस संयुक्त प्रयास ने सुरक्षा तैयारियों को और मजबूत किया है।

संक्षिप्त समाचार

डीवीसी चंद्रपुरा प्रबंधन ने उप नियोक्ता को भारतीय श्रम संहिता की गंभीरता बताई

चंद्रपुरा (बोकारो)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा थर्मल पावर प्लांट के प्रबंधन ने संविधान दिवस के अवसर पर उप नियोक्ताओं को भारतीय श्रम संगीता की गंभीरता को बताते हुए स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार की यह नियम कानून को हूबहू यहां लागू किया जाएगा। इकाई 7 - 8 के सम्मेलन कक्ष में संविधान दिवस के अवसर पर कल संध्या उप नियोक्ताओं की एक बैठक में प्लांट के वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत सरकार द्वारा इधर हाल ही में लाए गए भारत श्रम संहिता पर विस्तृत चर्चा की और उपस्थित उप नियोक्ताओं से कहा कि इस संहिता से आम लोगों एवं अन्य को काफी सुविधा होगी। साथ ही इसका अनुपालन करने से समाज के समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान होगा। बैठक में वरिष्ठ महा प्रबंधक एवं परियोजना पर विजया नन्द शर्मा ने उपस्थित संविदा मालिकों और अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि उक्त कानून का अनुपालन हर हाल में सभी को सहजता पूर्वक करनी है , ताकि संस्थान, अधिकारियों और इससे जुड़े लोगों को काम करने में सुविधा हो सके। बैठक में उप महाप्रबंधक राजीव रंजन, एलपी गुप्ता, हरि मुकुंद प्रजापति, कंचन स्मिता टोप्पो, राजकुमार चौधरी, परविंद कुमार ,अजय कुमार ,अवधेश सिंह शेखावत ,अक्षय कुमार, बीके सिंह सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

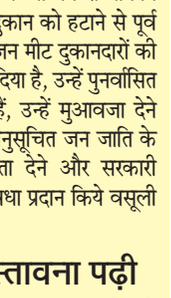

फुटपाथ की दुकानों को हटाने के विरोध में नगर सेवा भवन पर प्रदर्शन एक दिसंबर को

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झुग्गी-झोंपड़ी वासी सह फुटपाथ दुकानदार महासंघ और अन्य सहयोगी दुकानदार संघों की ओर से सोमवार एक दिसंबर को बोकारो इस्पात नगर सेवा भवन के समक्ष प्रदर्शन किया जायेगा। सेल प्रबंधन के संपदा न्यायालय द्वारा दुंदीबाद और सिटी सेंटर सेक्टर चार के दुकानदारों को अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत एक हफ्ते में दुकाने हटा लेने का का नोटिस जारी किया गया है। इसी के विरोध में झुग्गी-झोंपड़ी और दुकानदार संगठनों ने संयुक्त रूप से प्रदर्शन का निर्णय लिया है। यह जानकारी महासंघ के संरक्षक कुमार राकेश ने दी है। उन्होंने बताया कि सेल अध्यक्ष को नगर सेवा विभाग के मुख्य महाप्रबंधक के माध्यम से मांगपत्र सौंप कर न्याय की मांग की जाएगी।मांगपत्र में किसी भी दुकान को हटाने से पूर्व पुनर्वासित करने, अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान जिन मीट दुकानदारों की दुकानें तोड़ी गयी हैं या जिन्होंने स्वयं ही व्यवसाय बंद कर दिया है, उन्हें पुनर्वासित करने, जो अन्य दुकानदार और झुग्गीवासी बेघर हुए हैं, उन्हें मुआवजा देने और पुनर्वासित करने, बेघर हुए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति के गरीबों को राज्य या केन्द्र सरकार से सरकारी सहायता देने और सरकारी योजनानुसार आवास देने, सेक्टर पांच हटिया में बिना सुविधा प्रदान किये वसूली बंद करने सहित अन्य मांगे शामिल रहेंगी।

बोकारो पुलिस ने संविधान की प्रस्तावना पढ़ी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। संविधान दिवस के अवसर पर बोकारो के सेक्टर 12 स्थित पुलिस लाइन मैदान में समारोहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने संविधान की प्रस्तावना पढ़ी, जिसके बाद वहां उपस्थित सभी अधिकारियों एवं पुलिस जवानों ने एक स्वर में प्रस्तावना दोहराते हुए संविधान के प्रति निष्ठा और कर्तव्यनिष्ठा का संकल्प लिया। इस दौरान कार्यक्रम में डीएसपी, इंस्पेक्टर, दरोगा एवं बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे। सभी ने भारतीय संविधान के मूल्यों का सम्मान करने तथा उससे प्रेरित होकर जनता की सेवा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने का वचन लिया। यह आयोजन कानून के प्रति जागरूकता बढ़ाने और पुलिस बल में संवैधानिक दायित्वों को सशक्त करने के उद्देश्य से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

साल भर में बनाएंगे बाल विवाह मुक्त बोकारो : सहयोगिनी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पूरे देश से बाल विवाह को उखाड़ फेंकने के उद्देश्य से भारत सरकार की 100 दिन की विशेष कार्य योजना से उत्साहित गैरसरकारी संगठन सहयोगिनी ने कहा कि वह बोकारो जिले को साल भर के भीतर बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिला कर काम करेगा। '100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान' जिसे बाल विवाह मुक्त भारत के एक वर्ष पूरे होने के मौके पर पूरे देश में शुरू किया गया है, ने एक लक्षित रणनीति तय की है। इसमें स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों, उन धार्मिक स्थलों जहां विवाह संपन्न कराए जाते हैं, विवाह में सेवाएं देने वाले पेशेवर सेवा प्रदाताओं, और आखिर में पंचायतों व नगरपालिका वार्डों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि

बच्चों के खिलाफ इस सदियों पुराने अपराध का अंत सुनिश्चित किया जा सके। सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि देश में बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। इसके 250 से भी अधिक सहयोगी संगठन देश के 451 जिलों में बाल विवाह के खात्मे के लिए जमीन पर काम कर रहे हैं। पिछले एक वर्ष में ही इस नेटवर्क ने देश में एक लाख से ज्यादा बाल विवाह रोके हैं। संस्था द्वारा आज बोकारो के आकांक्षी प्रखंड गोमिया के ससबेडा पश्चिमी, कसमार, दांतू, खैराचतर, चास, बहादुरपुर, कमलडीह, कस्तूरबा विद्यालय गोमिया, तेनुघाट में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सहयोगिनी के रवि कुमार राय, सोनी कुमारी, अनिल हेंब्रम, प्रवीण कुमार यादव, मंजू देवी, सीता देवी, उषा देवी ,पिंकी देवी, अंजू देवी, रोशनी कुमारी, प्रियंका कुमारी, प्रिया कुमारी राशि कुमारी, सूरजमानी देवी विकास कुमार गोस्वामी , कुमारी किरण मंजू देवी, अभय कुमार सिंह, प्रकाश कुमार महतो , विनीता देवी ,रेखा देवी पुष्पा देवी, संगीता देवी आदि उपस्थित थी।

उपायुक्त व एसएसपी ने गया पुल अंडर पास के चौड़ीकरण कार्य का किया निरीक्षण

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने आज सुबह गया पुल अंडर पास चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों के पदाधिकारी तथा चौड़ीकरण कार्य का निर्माण कर रही कंपनी से कार्य प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के बाद उपायुक्त ने कहा कि गया पुल अंडर पास धनबाद की लाइफलाइन है। इसका चौड़ीकरण पूरा हो जाने के बाद धनबाद वासियों की दशकों की समस्या का परमानेंट समाधान हो जाएगा। निर्माण पूरा करने का लक्ष्य दिसंबर 2026 निश्चित है। परंतु कार्य में तेजी लाकर इससे पूर्व ही काम पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।उन्होंने कहा कि इस काम में पेयजल, विद्युत, पथ निर्माण, नगर निगम, रेलवे, भारत संचार निगम लिमिटेड सहित कई विभाग एक साथ काम कर रहे हैं। साथ ही ऊपर से नई दिल्ली, मुंबई, गांधीधाम, पठानकोट सहित देश के अन्य शहरों के लिए कई महत्वपूर्ण एक्सप्रेस ट्रेन गुजरती है। उपायुक्त ने कहा

कि इसलिए निरीक्षण के दौरान सभी विभागों को एक साथ स्थल पर बुलाकर निरीक्षण किया है। उनको समय पर अपना काम पूरा करने का निर्देश दिया दिया है। जिससे अंडर पास चौड़ीकरण में किसी भी प्रकार का कोई विलंब और बाधा उत्पन्न नहीं हो। साथ ही निर्माण के दौरान एक यूटिलिटी कॉरिडोर भी बनाने का प्रस्ताव दिया है। जिससे पानी, नाला, गैस पाइपलाइन, फुटपाथ इत्यादि के लिए कोई परेशानी नहीं हो।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, डीटीओ दिवाकर सी द्विवेदी, आरसीडी के कार्यपालक अभियंता मिथिलेश कुमार, डीएसपी ट्रैफिक अरविंद कुमार सिंह, सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक, पीएचइडी 1 के कार्यपालक अभियंता रंजीत कुमार, पूर्व मध्य रेलवे के सहायक अभियंता ओम प्रकाश सिंह, सीनियर सेक्शन इंजीनियर मनीष कुमार, अतुल कुमार, जूनियर इंजीनियर विपिन कुमार के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

बोकारो के दो गांव पिछरी एवं बिरनी तम्बाकू मुक्त घोषित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारत सरकार द्वारा संचालित तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 के तहत बोकारो जिले के 30 ग्राम को तंबाकू मुक्त घोषित किया जाना था, जिसके तहत आज पेटरवार प्रखंड के पिछरी एवं नावाडीह प्रखंड के बिरनी गांव को तंबाकू मुक्त घोषित किया गया है। गांव के सभी ग्रामीणों को इसकी जानकारी हो इसलिए " आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके " द्वार कार्यक्रम के दौरान दोनों मुखिया को प्रमाण पत्र देते हुए घोषणा की गई है। इसके साथ ही पेटरवार एवं नावाडीह प्रखंडों के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी द्वारा उक्त दोनों ग्राम के पंचायत के मुखिया को तम्बाकू मुक्त गांव का प्रमाण पत्र देकर दिया गया। इसके लिए गांवों में बैठकें कर स्वास्थ्य विभाग के द्वारा ग्रामीणों को तम्बाकू के सेवन न करने की शपथ दिलाया जा रहा है। साथ ही चौराहे और सार्वजनिक स्थानों पर तम्बाकू सेवन करने के दोषी पर कोटपा में कार्रवाई करने की जानकारी भी दी जा रही है।

तम्बाकू मुक्त ग्राम घोषित कर झारखंड राज्य का पहला जिला बोकारो बना-

सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद ने जानकारी देते हुए बताया कि झारखंड को तम्बाकू मुक्त करें अभियान में जिले को तम्बाकू मुक्त बनाने के लिए गोष्ठी व जन जागरुकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। साथ ही लोगों को कोटपा अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भी सजग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत गुरुवार को जिले के दो ग्राम पिछरी व बिरनी को तम्बाकू मुक्त घोषित किया गया। इसके साथ ही तम्बाकू मुक्त ग्राम घोषित कर झारखंड राज्य का पहला जिला बोकारो बना। उन्होंने बताया कि अभियान में लोगों से तम्बाकू छोड़ने व अच्छी सेहत से जुड़ने की अपील की गई। बताया कि इससे दूर रहकर हम कैंसर व हार्ट अटैक के खतरे से भी बच सकते हैं। साथ ही रक्त संचार व फेफड़े को बेहतर ढंग से काम करने का अवसर भी मिलता है। साथ ही बताया कि उक्त ग्राम पंचायत की मुखिया के द्वारा तम्बाकू मुक्त अभियान के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। इसके साथ ही उक्त दोनों ग्राम मुखिया द्वारा ग्राम सभा को तम्बाकू मुक्त घोषित किया गया। कहा कि यदि गांव में कोई तम्बाकू का सेवन करता मिला तो कार्रवाई की जाएगी।

तम्बाकू मुक्त ग्राम घोषित करने के मापदण्ड भारत सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है जो निम्न है :

- मुखिया की अध्यक्षता में ग्राम स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति का गठन करना।
- जन आरोग्य समिति के बैठक में भी इस विषय को शामिल करना।
- तम्बाकू मुक्त गांव घोषित करने हेतु बैठक में प्रस्ताव पारित करना।
- ग्राम स्तर पर तम्बाकू के दुष्प्रभाव हेतु जन जागरूक कार्यक्रम करना।
- गांव के सभी सरकारी भवन को तम्बाकू मुक्त परिसर का बोर्ड लगाते हुए तम्बाकू मुक्त परिसर घोषित करना।
- स्कूल के 100 मीटर के दायरे में तम्बाकू उत्पाद की बिक्री न करना।
- गांव के किसी दो युवा को टोबैको चम्पियन के रूप में नामित करना।

इस दौरान प्रखण्ड विकास पदाधिकारी पेटरवार संतोष कुमार महतो, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी नावाडीह प्रशान्त कुमार हेम्ब्रम, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी पेटरवार डॉ कुंदन राज, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी नावाडीह डॉ राकेश भारती, पिछरी पंचायत की मुखिया कल्पना देवी एवं बिरनी पंचायत के मुखिया देवेन्द्र कुमार महतो, जिला परामर्शी मो असलम सहित अन्य उपस्थित थे।

क्लब जीर्णोद्धार में एक करोड़ 17 लाख रुपया खर्च फिर भी कर्मचारियों को नहीं मिल रही सुविधा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आरटीआई के माध्यम से बोकारो प्रबंधन ने जानकारी दी है कि गैर कार्यपालक कर्मचारियों के लिए बने सेक्टर 3 क्लब के लिए निर्मित दो वुडन बैडमिंटन कोर्ट के निर्माण में 1 करोड़ 17 लाख 61 हजार 42 रुपया खर्च किया गया है। उल्लेखनीय है कि क्लब न तो अभी तक चालु हुआ है तथा न ही कर्मचारी सदस्य बने है। जबकि इतने भारी रकम खर्च के बाद वह क्लब बोकारो का सबसे बेहतर क्लब होता। क्लब में न तो बैठने के लिए टेबल कुर्सी है तथा न ही इंडोर गेम की समुचित व्यवस्था है । बाहर का लॉन की चारदिवारी भी कम उँचाई की है। जिसके ग्राउण्ड में मिट्टी भरा हुआ है । पीछे का वॉलीबाल कोर्ट भी विरान पड़ा हुआ है। क्लब मे कैंटीन की व्यवस्था भी नही हुई है साथ ही क्लब में मनोरंजन हेतु अन्य इनडोर गेम की भी व्यवस्था भी सुचारु नही है । क्लब में जीम तथा योगा सेंटर भी उपयोग में नही है । क्लब के बाहर सौंदर्यीकरण भी नही किया गया है । बाहर के ग्राउण्ड मे सजावटी पौधे , प्रकाश आदि की भी व्यवस्था नही है । इसके अलावा क्लब मे स्थाई तौर पर 24 घंटे सुरक्षा गार्ड के लिए सिर्फ एक होम गार्ड की नियुक्ति हुई है, जबकि तत्कालीन निदेशक प्रभारी तथा वर्तमान चेयरमैन ने क्लब के सौंदर्यीकरण की आधारशीला दिनांक 01 जून 2023 को रखा था । जबकि आरटीआई के माध्यम से दी गई जानकारी मे यह बतलाया गया है कि क्लब का जिर्णोद्धार 16 सितम्बर 2023 को पुरा कर लिया गया है।

कांग्रेस ने मनाया संविधान बचाओ दिवस

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी ने भारतीय संविधान दिवस को संविधान बचाओ दिवस के रूप में मनाया. डीआरएम चौक पर संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई. इस अवसर पर झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस के सचिव सह प्रदेश प्रवक्ता शमशेर आलम ने सभी देशवासियों को भारतीय संविधान दिवस की शुभकामनाएं दी.संविधान दिवस पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि संविधान दिवस हमें न्याय समानता और एकता के मूल्यों को समझने की प्रेरणा देता है,भारत के संविधान की प्रस्तावना देश को संपूर्ण प्रभुत्व,संपन्न,समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करती है,इसका उद्देश्य हर नागरिक को न्याय स्वतंत्रता समानता और भाईचारा प्रदान करना है।

बीजीएच में महिला कर्मियों के लिए विशेष मेडिकल कैंप का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य संवर्धन, निवारक स्वास्थ्य देखभाल को प्रोत्साहित करने तथा स्वास्थ्य जागरूकता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आज बोकारो जनरल अस्पताल के हेल्थ रिट्रीट परिसर में सीआईएसएफ की महिला कर्मियों एवं सीआईएसएफ संरक्षिका की महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. बी. बी. करुणामय के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डीआईजी (सीआईएसएफ) श्रीमती नीति मित्तल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. आनंद कुमार, डॉ. अनिन्दा मंडल, डॉ. इन्द्रनील चौधरी, एसीएमओ प्रभारी डॉ. दीपक कुमार सहित बोकारो जनरल अस्पताल के अन्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे। शिविर के दौरान महिलाओं की ऊँचाई, वजन, बॉडी मास इंडेक्स रक्तचाप, ईसीजी, रक्त परीक्षण, कैंसर स्क्रीनिंग जैसी विभिन्न महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जांचें की गईं। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व अक्टूबर माह में भी बीएसएल की महिला कर्मचारियों एवं बोकारो महिला समिति की सदस्याओं के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया था, जिसमें लगभग 300 महिला कर्मचारियों एवं 48 समिति सदस्याओं की जांच की गई थी। बोकारो इस्पात संयंत्र महिला स्वास्थ्य संरक्षण और निवारक चिकित्सा को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर प्रयास करता रहा है। इस स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि रोगों से बचाव उपचार से अधिक प्रभावी है। नियमित स्वास्थ्य जांच न केवल बीमारियों की प्रारंभिक पहचान में सहायक होती है, बल्कि महिलाओं के संपूर्ण स्वास्थ्य, सुरक्षा और कार्य क्षमता को भी बेहतर बनाती है।

सेवा का अधिकार सप्ताह में त्वरित समाधान से लाभुक संतुष्ट

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले के विभिन्न प्रखंडों में गुरुवार को आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत आयोजित शिविरों में लोगों की भारी उपस्थिति देखी गई। सुबह से ही ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंचे, जिससे स्पष्ट हुआ कि अभियान के सातवें दिन भी सरकारी सेवाओं व योजनाओं को लेकर लोगों में उत्साह बरकरार है। शिविरों में जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों ने लाभुकों की समस्याओं और आवेदनों को गंभीरता से सुना। कई मामलों का समाधान मौके पर ही किया गया, जबकि शेष आवेदनों को त्वरित कार्रवाई हेतु संबंधित विभागों को सौंपा गया। अधिकारियों ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य है - सरकारी सेवाएं लोगों के दरवाजे पर पहुंचाकर अनावश्यक दौड़-भाग कम करना।

वरीय नोडल पदाधिकारियों ने किया निरीक्षण - व्यवस्थाएं संतोषजनक

विभिन्न प्रखंडों के वरीय नोडल पदाधिकारियों ने दिनभर शिविरों का निरीक्षण किया। उन्होंने विभागीय स्टालों की प्रगति की समीक्षा की और ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया। निरीक्षण करने वाले अधिकारियों में शामिल थे। उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, डीपीएलआर निदेशक मेनका, एसडीओ चास प्रांजल ढांडा, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला परिवहन पदाधिकारी मारुति मिंज, एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालको, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी द्वारिका बैठा तथा जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. शफीक आलम। अधिकारियों ने लाभुकों की समस्याओं को समझते हुए विभागीय टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रमाण पत्रों एवं योजनाओं के लिए बढ़ी मांग - लगातार जमा हो रहे आवेदन

अभियान में बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए। मुख्य रूप से जिन सेवाओं के लिए अधिक आवेदन आए—जाति प्रमाण पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन व अन्य लोक कल्याणकारी योजनाएं। ग्रामीणों ने कहा कि पहले इन कार्यों के लिए कई कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब एक ही स्थान पर सभी सेवाएं मिलने से बड़ी राहत मिल रही है।

बेहतर व्यवस्था से लाभुकों को मिला सुगम अनुभव

प्रशासन द्वारा शिविरों में उत्तम प्रबंधन सुनिश्चित किया गया। पंचायत परिसरों में- हेल्प डेस्क, पेयजल व्यवस्था,बैठने की उचित व्यवस्था, पुलिस सहायता केंद्र, मीडिया सेंटर,तकनीकी सहयोग उपलब्ध था, जिससे लोगों को प्रक्रिया पूरी करने में किसी भी प्रकार की कठिनाई नहीं हुई। लाभुकों ने कहा कि ह्लआपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वारह्व अभियान सेवा वितरण को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बना रहा है।

केंद्रीय कोयला सचिव के भ्रमण की तैयारियों का लिया जायजा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारत सरकार के कोयला सचिव विक्रम देव दत्त शुक्रवार (आज) को धनबाद में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। वे झारिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार (जेआरडीए) के अधिकारियों के साथ बैठक करने के साथ-साथ बेलगड़िया का दौरा करेंगे। कोयला सचिव के आगमन की तैयारियों को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने बेलगड़िया में तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि पुनर्वास में विस्थापितों को उत्तम सुविधाए, विभिन्न योजनाओं का लाभ और उन्हें उनका अधिकार मिल सके, इसको लेकर कार्य किये जा रहें हैं, ताकि विस्थापितों को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हो। उन्होंने बताया कि बेलगड़िया में विस्थापितों को प्रीमियम सोसायटी में बनने वाले अपार्टमेंट जैसे आवास बनाकर देने का प्रयास किया जा रहा हैं।

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नग